रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	31.7	27.2
जमशेदपुर	33.8	25.2
डालटनगंज	33.4	26.3

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

www.lagatar.in ● रांची, शुक्रवार 23 अगस्त 2024 ● भाद्रपद कृष्ण पक्ष 04, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 135 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

सर्राफा

सोना (बिक्री)	68,500
चांदी (किलो)	92,000

ब्रीफ खबरें

जीडीपी का वृद्धि दर 6% रहने का अनुमान

नयी दिल्ली। सरकारी पूंजीगत व्यय में कमी तथा शहरी उपभोक्ता मांग में नरमी से भारत की आर्थिक वृद्धि दर के अप्रैल-जून तिमाही में छह प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो पिछली छह तिमाहियों में सबसे कम है. वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में जीडीपी दर 7.8 प्रतिशत थी. रेटिंग एजेंसी इक्रा ने गुरुवार को बताया कि संपूर्ण वित्त वर्ष 2024-25 में जीडीपी की दर 6.8% रहने उम्मीद है, जो वित्त वर्ष 2023-24 में दर्ज 8.2% से कम है.

किसानों की समस्या के हल को समिति बनेगी

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि वह किसानों की शिकायतों का हमेशा के लिए सौहार्द्रपूर्ण समाधान करने के लिए जल्द ही एक बहुसदस्यीय समिति का गठन करेगा. न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति उज्ज्ल भुइयां की पीठ ने अगली सुनवाई के लिए दो सितंबर की तारीख मुकर्रर की. साथ ही पंजाब एवं हरियाणा की सरकारों से किसानों के संभावित मुद्दों की जानकारी समिति को देने को कहा.

विमान में बम की धमकी अफवाह साबित

तिरुवनंतपुरम। मुंबई से आ रहे एअर इंडिया के एक विमान के शौचालय में बम की धमकी वाला संदेश जांच में अफवाह साबित हुई. बम की धमकी के बाद गुरुवार को तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे पर पूर्ण इमरजेंसी घोषित कर दिया गया था. सुरक्षा एजेंसियों द्वारा सघन तलाशी किये जाने के दौरान विमान में कोई विस्फोटक नहीं मिला. हवाई अड्डे पर सुबह घोषित की गयी इमरजेंसी अपराह्न 12 बजकर 10 मिनट पर हटा ली गयी.

संयुक्त राष्ट्र की टीम बांग्लादेश में जांच करेगी

ढाका। संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों की एक टीम बांग्लादेश में 650 प्रदर्शनकारियों के मारे जाने के मामले की जांच के लिए बांग्लादेश आएगी. यह टीम एक जुलाई से 15 अगस्त के बीच मानवाधिकार उल्लंघन की सभी घटनाओं की जांच के लिए विस्तृत चर्चा करेगी. एक सप्ताह तक टीम नागरिक समाज समूहों, मानवाधिकार उल्लंघन के पीड़ितों, छात्रों और सरकारी अधिकारियों तथा अन्य संबंधित लोगों से मुलाकात करेगी.

त्रिपुरा में भूस्खलन और बाढ़ में 10 की मौत

अगरतला। त्रिपुरा में रविवार से भूस्खलन और बाढ़ संबंधी घटनाओं में 10 लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति लापता है. भारी बारिश के कारण 32,750 लोगों ने 330 राहत शिविरों में शरण ली है. मुख्यमंत्री माणिक साहा द्वारा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से अनुरोध के बाद बचाव कार्यों में सहायता के लिए एनडीआरएफ की चार अतिरिक्त टीमें तैनात की गई हैं. राज्य की सभी प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं.

सफलता : झारखंड, यूपी व राजस्थान में 15 जगहों पर छापेमारी

आठ आतंकी गिरफ्तार

सौरव सिंह। रांची

लोहरदगा से गिरफ्तार आतंकी के पास से हथियार भी बरामद

- गिरफ्तार सभी आतंकी एक्यूआईएस के
- अलकायदा से प्रेरित है संगठन
- बांग्लादेश से तार जुड़े होने की आशंका

दिल्ली पुलिस व झारखंड पुलिस की एंटी टेररिस्ट स्क्वाय (एटीएस) को बड़ी सफलता मिली है. टीम ने यूपी, राजस्थान व झारखंड में 14 जगहों पर छापेमारी कर अलकायदा इंडियन सबकांटिनेंट (एक्यूआईएस) नामक आतंकी संगठन के सात आतंकियों को गिरफ्तार किया है. झारखंड में लोहरदगा और लातेहार सीमा पर स्थित हिंजला गांव और हजारीबाग के पेलावल समेत अन्य जिलों में छापामारी की गई है. सूचना है कि लोहरदगा से गिरफ्तार एक आतंकी के पास से हथियार भी मिला है. अज्ञात स्थान पर रखकर गिरफ्तार आतंकियों से पूछताछ की जा रही है. हालांकि झारखंड पुलिस के किसी अधिकारी ने अभी तक इस खबर की पुष्टि नहीं की है. सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, पूछताछ के दौरान गिरफ्तार युवकों ने पुलिस को बताया है कि वे संगठन के लिए काम करते हैं और उनका उद्देश्य क्षेत्र में आतंक का प्रचार करना, युवाओं को कट्टरपंथी बनाना, भारत में शरिया कानून स्थापित करने के साथ-साथ बांग्लादेश के खिलाफ युद्ध छेड़ना है.

बुधवार की रात ही ज्वाइंट ऑपरेशन शुरू किया : जानकारी के मुताबिक, अलकायदा के इस नए मॉडल की जानकारी सबसे पहले दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल को मिली थी. स्पेशल सेल ने जब मामले की पड़ताल शुरू की तो सबसे पहले राजस्थान से झारखंड के एक आतंकी को गिरफ्तार किया गया. पूछताछ के दौरान स्पेशल सेल को अलकायदा के नए मॉड्यूल की जानकारी मिली, जो देश में अशांति और हिंसा फैलाने के लिए बड़ी तैयारी कर रहा था. सूचना मिलने पर दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की टीम ने झारखंड, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के एटीएस से संपर्क कर बुधवार की रात ही ज्वाइंट ऑपरेशन शुरू किया.

रांची का डॉ इश्तियाक है मॉडयूल का लीडर : सूत्रों ने जानकारी दी है कि दिल्ली पुलिस की स्पेशल टीम और झारखंड एटीएस ने रांची निवासी डॉ इश्तियाक को गिरफ्तार किया है. इश्तियाक ही एक्यूआईएस मॉडयूल का लीडर है. उससे पूछताछ की जा रही है. हालांकि अब तक यह नहीं पता चल पाया है कि डॉ इश्तियाक रांची में कहां का रहने वाला है और वह क्या करता है?

2014 से सक्रिय है एक्यूआईएस

जानकारी के मुताबिक, अलकायदा इंडियन सबकांटिनेंट का संबंध अंसारुल्लाह बांग्ला टीम नामक आतंकी संगठन के साथ है. वर्ष 2014 में स्थापित प्रतिबंधित आतंकी संगठन अल-कायदा की एक शाखा एक्यूआईएस कथित तौर पर अफगानिस्तान, पाकिस्तान, भारत, बर्मा और बांग्लादेश में सक्रिय है. समूह का काम इस्लामिक राज्य स्थापित करने के लिए जिहाद करना है. इस आतंकी संगठन से जुड़े लोगों का उद्देश्य झारखंड में संगठन का प्रचार करना, समान विचारधारा वाले युवाओं को कट्टरपंथी रास्ते पर ले जाना और भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने के लिए भर्ती करना है. ताकि लोकतांत्रिक रूप से चुनी गयी सरकार को 'नियम' स्थापित करके उखाड़ फेंका जा सके और भारत में गजवा-ए-हिंद' को लागू किया जा सके. गिरफ्तार सभी आतंकवादी इसके प्रचार प्रसार करने में ही जुटे थे.

सात जिलों में है स्लीपर सेल

राज्य के सात जिलों में आतंकवादी संगठनों के स्लीपर सेल है. इन सात जिलों में रांची, जमशेदपुर, हजारीबाग, रामगढ़, लोहरदगा, पाकुड़ और गिरिडीह जिला शामिल है. स्लीपर सेल के सदस्य बाहर से आने वाले आतंकी संगठनों के सदस्यों को रुकवाना और उनके काम में सहयोग करना है. साथ ही जरुरी संसाधन उपलब्ध कराना है. पिछले 13 साल के दौरान इन सातों जिलों से आतंकवादी संगठनों के स्लीपर सेल में शामिल 26 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है. वर्ष 1999 में दिल्ली पुलिस ने हजारीबाग के खिरगांव में मुठभेड़ कर दो आतंकियों को मार गिराया था. मारे गए आतंकी कोलकाता के अमेरिकन सेंटर पर हुए हमले में शामिल था. 2014 में जब नरेंद्र मोदी पटना में रैली कर रहे थे, तब पटना जंक्शन और गांधी मैदान में सीरियल ब्लास्ट किया गया था. इस घटना में शामिल आतंकी रांची के धुर्वा इलाके के रहने वाले थे.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन गुरुवार को पलामू पहुंचे, वहां उन्होंने झारखंड मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना के तहत महिलाओं को सम्मान राशि दी. कार्यस्थल पर रैंप पर चलकर सीएम ने महिलाओं का अभिवादन किया. उनके साथ मंत्री मिथिलेश ठाकुर, सत्यानंद भोक्ता, दीपिका पांडेय सिंह समेत कई लोग कार्यक्रम में शामिल रहे. **(विस्तृत रिपोर्ट पेज 3 पर)**

कोलकाता कांड में सुनावाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

काम पर लौटें चिकित्सक

कोलकाता कांड में सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कई सवाल खड़े किए हैं. अदालत ने पूछा कि पश्चिम बंगाल सरकार और वहां की पुलिस से पूछा कि मामले में 14 घंटे बाद एफआईआर क्यों दर्ज की गई? अदालत ने पश्चिम बंगाल सरकार से पूछा कि जब प्रिंसिपल को उस कॉलेज से हटाया गया, तो दूसरी जगह प्रिंसिपल क्यों बना दिया गया? सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि 14 घंटे की देरी के बाद एफआईआर दर्ज करने का क्या कारण है? सुनवाई के दौरान जस्टिस जेबी पारदीवाला ने कोलकाता पुलिस की भूमिका पर संदेह जाहिर किया. कहा, जांच में ऐसी लापरवाही अपने 30 साल के कॅरियर में नहीं देखी. वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने घटना के विरोध में प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों से काम पर लौटने की अपील की. अदालत पर एम्स के डॉक्टरों ने 11 दिन से चल रही हड़ताल वापस ले ली.

एजेंसी। नयी दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में ट्रेनी महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या के मामले में अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज करने में कोलकाता पुलिस की देरी को काफी परेशानी वाली बात बताया. अदालत ने इस घटना के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे चिकित्सकों से काम पर लौटने को कहा और उन्हें आश्वासन दिया कि काम पर लौटने के बाद उनके खिलाफ कोई प्रतिकूल कार्रवाई नहीं की जाएगी. सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने पुलिस द्वारा की गई कानूनी औपचारिकताओं के क्रम और समय पर सवाल उठाया.

पीठ ने कहा कि यह बहुत ही आश्चर्यजनक है कि मृत पीड़िता का पोस्टमार्टम, अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज करने से पहले ही नौ अगस्त की शाम छह बज कर 10 मिनट से सात बज कर 10 मिनट के बीच कर दिया गया. ऐसा कैसे हुआ कि पोस्टमार्टम नौ अगस्त को शाम छह बजकर 10 मिनट पर किया गया, लेकिन अप्राकृतिक मौत की सूचना ताला पुलिस थाने को नौ अगस्त को रात साढ़े 11 बजे भेजी गई. यह बेहद परेशान करने वाली बात है. सीजेआई ने कहा, शव बरामदगी के 14 घंटे बाद रात 11:30 बजे एफआईआर दर्ज करना कहां तक उचित है? प्रिंसिपल की तुरंत दूसरी जगह नियुक्ति क्यों कर दी गयी? सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की अगली सुनवाई पांच सितंबर को होगी.

डॉक्टरों की सुरक्षा सुनिश्चित करे केंद्र व राज्य : अदालत ने चिकित्सक संगठनों को आश्वासन दिया कि नेशनल टास्क फोर्स सभी हितधारकों की बात सुनेगा. सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि राज्य सरकारें डॉक्टरों के लिए कुछ सुरक्षा इंतजाम करें. केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को निर्देश दिया कि वे राज्य के मुख्य सचिवों और डीजीपी के साथ मिल कर डॉक्टरों की सुरक्षा सुनिश्चित करें. पीठ ने कहा कि यह कवायद एक हफ्ते में पूरी हो जानी चाहिए. वहीं, राज्य को दो हफ्ते के अंदर इसे लागू करने को कहा गया है.

डॉ संदीप घोष जांच के घेरे में, पॉलीग्राफ टेस्ट होगा : सीबीआई को अब तक की जांच में मिले सुराग और सबूत गैंग रेप की पुष्टि नहीं कर रहे हैं. अब तक सिर्फ आरोपी संजय रॉय की संलिप्तता की पुष्टि हुई है.

- 14 घंटे देरी से एफआईआर दर्ज क्यों की, इसे कैसे जस्टिफाई करेंगे?
- एफआईआर दर्ज करने में देरी बेहद परेशान करनेवाली बात है?
- प्रिंसिपल को केस दर्ज करानी चाहिए थी, वह किसका बचाव कर रहे हैं?
- जस्टिस पारदीवाला बोले- ऐसी लापरवाही 30 साल के कॅरियर में नहीं देखी.

स्टेटस रिपोर्ट क्राइम सीन पर छेड़छाड़ की गयी

कोलकाता कांड में सीबीआई ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में अपनी स्टेटस रिपोर्ट दाखिल कर दी है. इस रिपोर्ट में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं. सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट को यह भी बताया कि किसने पूरे घटनाक्रम में लापरवाही बरती है और कौन-कौन जांच के दायरे में है. सीबीआई ने शुरुआती स्टेटस रिपोर्ट में अस्पताल प्रशासन को सीधे कठघरे में खड़ा किया है. कहा है कि जांच में अब तक मिले सुराग और सबूत से जाहिर होता है कि क्राइम सीन पर छेड़छाड़ की गयी. सीबीआई की स्टेटस रिपोर्ट और पुलिस की केस डायरी को देखने के बाद पीठ ने पाया कि शव को कई घंटों तक यूं ही पड़े रहने दिया.

लड़कियों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं : बंबई हाईकोर्ट

मुंबई। बंबई हाईकोर्ट ने ठाणे जिले के एक स्कूल के शौचालय में पुरुष सहायक द्वारा 12 और 13 अगस्त को चार साल की दो बच्चियों के कथित यौन उत्पीड़न के मामले का स्वतः संज्ञान लिया है. हाईकोर्ट ने महाराष्ट्र के ठाणे जिले में बदलापुर के एक स्कूल में दो बच्चियों के कथित यौन उत्पीड़न की घटना को स्तब्धकारी करार दिया है. अदालत ने कहा कि लड़कियों की रक्षा और सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जा सकता. न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति पृथ्वीराज चव्हाण की खंडपीठ ने गुरुवार को कहा कि घटना की जानकारी होने के बावजूद मामला दर्ज न करने के लिए स्कूल प्रशासन के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए. अदालत ने प्राथमिकी दर्ज करने में देरी के लिए पुलिस की भी आलोचना की. पीठ ने कहा कि जब तक जनता ने सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन नहीं किया, तब तक पुलिस तंत्र आगे नहीं बढ़ा. अदालत ने सवाल किया, जहां तीन से चार साल की छोटी बच्चियों का यौन उत्पीड़न किया गया हो, वैसे गंभीर मामले को पुलिस इतने हल्के में कैसे ले सकती है? अदालत ने कहा, अगर स्कूल सुरक्षित जगह नहीं हैं, तो बच्चे क्या करें?

झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठ मामले में केंद्र को हाई कोर्ट की सख्त टिप्पणी

ट्राइबल आबादी कम होती जा रही और केंद्र सरकार चुप है

संवाददाता। रांची

याचिकाकर्ता ने क्या कहा है?

याचिकाकर्ता ने याचिका में कहा है कि जामताड़ा, पाकुड़, गोड्डा और साहिबगंज आदि झारखंड के बॉर्डर इलाके से बांग्लादेशी घुसपैठिए झारखंड आ रहे हैं. इससे इन जिलों में जनसंख्या पर कुप्रभाव पड़ रहा है. इन जिलों में बड़ी संख्या में मदरसा स्थापित किए जा रहे हैं. साथ ही स्थानीय ट्राइबल के साथ वैवाहिक संबंध बनाए जा रहे हैं. याचिकाकर्ता ने मांग की है कि इस मामले में भारत सरकार का गृह मंत्रालय रिपोर्ट दाखिल करे और बताए कि झारखंड के बॉर्डर इलाके से कैसे बांग्लादेशी घुसपैठिए झारखंड आ रहे हैं और उनके द्वारा झारखंड में कैसे लोगों को गुमराह कर वैवाहिक संबंध स्थापित किए जा रहे हैं.

झारखंड हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार की ओर से शपथ पत्र दाखिल नहीं किए जाने पर कड़ी टिप्पणी की है. अदालत ने आईबी, यूआईएडीआई और बीएसएफ की ओर से अलग-अलग शपथ पत्र दाखिल किए जाने के लिए चार सप्ताह का समय मांगे जाने पर कोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि झारखंड में ट्राइबल की आबादी कम होती जा रही है और केंद्र सरकार चुप है. झारखंड का निर्माण आदिवासियों को हितों की रक्षा के लिए किया गया था. लगता है केंद्र सरकार बांग्लादेशी घुसपैठियों के झारखंड में प्रवेश को रोकने को लेकर कोई दिलचस्पी नहीं दिख रही है.

चीफ जस्टिस और जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की खंडपीठ ने गुरुवार को संथाल परगना में बांग्लादेशी घुसपैठियों के कारण वहां जनसंख्या की स्थिति में कुप्रभाव को लेकर दानियल दानिश की जनहित याचिका की सुनवाई की.अदालत ने कहा कि आईबी हर सप्ताह 24 घंटे काम करती है, लेकिन बांग्लादेशी घुसपैठियों जैसे संवेदनशील मुद्दों पर अपना जवाब दाखिल नहीं कर रही है. बीएसएफ की भी बांग्लादेशी घुसपैठियों को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका है. लेकिन प्रतीत होता है कि बांग्लादेशी घुसपैठियों को रोकने के मामले में केंद्र सरकार का सकारात्मक रुख नहीं है. अब इस मामले की अगली सुनवाई पांच सितंबर को होगी.

अदालत ने केंद्र सरकार से दो सप्ताह में जवाब मांगा : बांग्लादेशी घुसपैठ मामले में राज्य सरकार की ओर से भी जवाब दाखिल किया जा चुका है, लेकिन केंद्र सरकार जवाब के लिए चार से छह सप्ताह का समय मांग रही है. कोर्ट ने केंद्र सरकार द्वारा चार सप्ताह मांगे जाने संबंधी हस्तक्षेप याचिका (आईए) को खारिज करते हुए केंद्र सरकार को दो सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है. इससे पहले राज्य सरकार की ओर से छह जिलों के डीसी एवं एसपी की ओर से जवाब दाखिल किया गया. अदालत ने मौखिक रूप से कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठियों का मामला देश की सुरक्षा से जुड़ा है, इसलिए सभी प्रतिवादियों को समय से जवाब दाखिल करना होगा.

जम्मू-कश्मीर: सभी सीटों पर कांग्रेस-नेकां में गठबंधन

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने गुरुवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा की सभी 90 सीट पर कांग्रेस के साथ गठबंधन को अंतिम रूप दे दिया गया है. लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा अब्दुल्ला के आवास पर बैठक के बाद यह घोषणा की गई है.

- कश्मीर के लिए राज्य के दर्जा को बहाल करना : राहुल
- गठबंधन सही रास्ते पर, इसे अंतिम रूप दे दिया : अब्दुल्ला

बैठक को लेकर अब्दुल्ला ने बताया कि, हमारी बैठक सौहार्द्रपूर्ण माहौल में काफी अच्छी रही. गठबंधन सही रास्ते पर है और अल्लाह ने चाहा तो यह सुचारू रूप से चलेगा. गठबंधन को अंतिम रूप दे दिया गया है. गठबंधन सभी 90 सीट के लिए है.

बता दें कि जम्मू-कश्मीर की 90 सदस्यीय विधानसभा के लिए तीन चरण में 18 व 25 सितंबर और एक अक्टूबर को मतदान होगा. चार अक्टूबर को नतीजे आयेंगे. अब्दुल्ला ने कहा, माकपा के एमवाई तारिगामी भी हमारे साथ हैं. राहुल गांधी ने आश्वासन दिया कि जम्मू-कश्मीर के लिए राज्य के दर्जा को बहाल करना कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन की प्राथमिकता है. गांधी के इस आश्वासन के बारे में पूछे जाने पर अब्दुल्ला ने उम्मीद जताई कि सभी शक्तियों के साथ पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा.

यूक्रेन के लिए रवाना हो गये मोदी, राष्ट्रपति जेलेंस्की से वार्ता आज

शांति बहाली को हर संभव सहयोग : मोदी

पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के मिलते पीएम नरेंद्र मोदी.

एजेंसी। वारसॉ

यूक्रेन की अपनी यात्रा से एक दिन पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत का दृढ़ता से मानना है कि किसी भी संघर्ष का समाधान युद्ध के मैदान में नहीं निकाला जा सकता. भारत क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता बहाल करने के लिए हर संभव सहयोग देने को तैयार है. मोदी ने पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के साथ व्यापक वार्ता करने के बाद ये बातें कहीं. बैठक में, दोनों नेताओं ने भारत-पोलैंड संबंधों को रणनीतिक साझेदारी में तब्दील करने का निर्णय लिया. दो देशों की यात्रा के दूसरे चरण में, मोदी करीब सात घंटे के लिए कीव में होंगे. वह यूक्रेन की राजधानी के लिए शाम में ट्रेन से रवाना हो गये.

संयुक्त राष्ट्र में सुधार की जरुरत

पीएम मोदी ने कहा कि आज का दिन भारत और पोलैंड के बीच संबंधों के लिए विशेष महत्व का है. मोदी ने कहा कि इस साल हम अपने राजनयिक संबंधों की 70वीं वर्षगांठ मना रहे हैं. उन्होंने कहा कि दोनों देश इस बात पर सहमत हैं कि वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में सुधार, वक्त की दरकार है.

गिद्धों की चाहत से गाय नहीं मरती

बैजनाथ मिश्र

प्रसंगवश

बैजनाथ मिश्र
वरिष्ठ पत्रकार और झारखंड के पूर्व सूचना आयुक्त

बांग्लादेश में तख्तापलट हो गया. प्रधानमंत्री शेख हसीना की चुनी हुई सरकार बेदखल कर दी गयी. वह जान बचाकर भारत आ गयी हैं. उनके मंत्री बर्खास्त कर दिये गये हैं. गिरफ्तार कर लिये गये हैं. पुलिस के हथियार छीन लिये गये हैं. थाने बंद हो गये हैं. प्रधानमंत्री आवास से लेकर लगभग सभी सरकारी कार्यालयों, आवासों में तोड़-फोड़ और आगजनी की गयी है. उनमें लूटपाट हुई है. वहां के अल्पसंख्यकों खासतौर से हिंदुओं पर कहर बरपाया गया है. भीषण रक्तपात हुआ है. यह सब कुछ हुआ है बाहरी खुटचाल और भीतरी अतिवाद की सांठगांठ से.

शेख हसीना ने साफ-साफ कहा है कि यह सब किया कराया अमेरिका का है. उसे अपनी सेना का अड्डा बनाने के लिए एक द्वीप चाहिए था. नहीं देने पर उसने यह शैतानी हरकत करायी है. चीन भी हसीना से खुश नहीं था, क्योंकि उनकी हमदर्दी हमेशा भारत के साथ थी. पाकिस्तान तो चाहता ही था कि बांग्लादेश बर्बाद हो जाय. बांग्लादेश आर्थिक रूप से मजबूत हो रहा था. उसकी टेक्सटाइल इंडस्ट्री ने दुनिया के बड़े बाजार पर कब्जा कर रखा है. वह विकसित हो रहा था. यह दुनिया के स्वघोषित थानेदार देशों को मंजूर नहीं था. अमेरिका तो 1971 से ही बांग्लादेश के खिलाफ है. तब पाकिस्तान उसकी सैन्य छावनी थी. बांग्लादेश मुक्ति आंदोलन के विरुद्ध उसने पाकिस्तान की भरपूर मदद की थी. यहां तक कि भारत के साथ युद्ध के दौरान उसने अपना सातवां बेड़ा समुद्र में भेज दिया था. तब भारत के पक्ष में सोवियत संघ ने अपनी परमाणु संपन्न पनडुब्बियां सागर में उतार दी थीं. यह भिड़ंत हुई नहीं, क्योंकि उनके सामना होने से पहले ही भारतीय सेना ने ढाका पर कब्जा कर लिया था. हमारे जनरल जेएस अरोड़ा ने 90 हजार पाकिस्तानी फौजियों के साथ जनरल नियाजी को सरेंडर करा दिया था. यह टीस तो पाकिस्तान को कचोटती ही रहती है, अमेरिका भी यदा-कदा खिन्न हो उठता है.

उस समय एक गाना बहुत चर्चित था-मुक्तिवाहिनी ने ललकारा, हमने दिया सहारा, बांग्ला हो गया आजाद. वह आंदोलन पूर्वी पाकिस्तान के कुलीन वर्ग का नहीं था. उस समय बड़े हाकिम, हुक्मरान, जमींदार और अधिकतर बड़े सैन्य अधिकारी पाक परस्त थे. लेकिन जनआंदोलन और भारत की मदद ने उनके मंसूबों पर पानी फेर दिया. इसलिए उनकी कसक उभरती रहती है. इसी का परिणाम था कि 15 अगस्त 1975 को बांग्लादेश के निर्माता राष्ट्रपति शेख मुजीबुर्रहमान को उनके सरकारी आवास पर सेना के अधिकारियों ने परिवार सहित गोलियों से छलनी कर दिया था. बची केवल उनकी पत्नी शेख हसीना और एक बेटा. उस समय के हमारे रॉ प्रमुख आरएन काव मुजीब साहब को साल भर से ताकीद कर रहे थे कि सतर्क रहें, आपके लोग ही आपको मार डालेंगे. लेकिन उन्हें इस संदेह पर विश्वास ही नहीं हुआ. इस बार भी शेख हसीना को भारतीय खुफिया एजेंसियों ने सतर्क किया था और हसीना ने आरक्षण के मुद्दे को ठंडे बस्ते में डाल भी दिया था. उन्हें भी लग रहा था कि जारी धरना-प्रदर्शन हिंसक होते हुए भी उनकी हत्या की कोशिश तक नहीं पहुंचेगा. लेकिन उनका आकलन गलत था.

बहरहाल बांग्लादेश की घटना से उत्साहित कुछ भारतीय गिद्ध भी चाहते हैं कि यहां भी ऐसा हो जाय. कुछ तो भविष्यवाणी कर रहे हैं कि भारत में भी ऐसा ही होगा. -शेष पेज 7 पर

ब्रीफ खबरें

चंपाई सोरेन को लोजपा का न्यौता

रांची। चंपाई सोरेन को लोजपा ने पार्टी में शामिल होने का न्यौता दिया है. लोजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र प्रधान ने कहा कि लोजपा में आएं चंपाई सोरेन, पूरा सम्मान मिलेगा. उन्होंने कहा कि झामुमो ने चंपाई सोरेन को अपमानित किया है. उन्होंने आगे कहा कि चंपाई सोरेन के लिए लोजपा का दरवाजा खुला है.

अर्जुन मुंडा ने की कड़िया मुंडा से मुलाकात

रांची। गुरुवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने अपनी पत्नी मीरा मुंडा संग कड़िया मुंडा से मुलाकात की. अर्जुन मुंडा ने इस बात की जानकारी ट्वीट कर दी है. इसमें लिखा है कि खूंटी के पूर्व सांसद मेरे अभिभावक पद्म भूषण कड़िया मुंडा जी से उनके घर जाकर मिला. सम सामयिक विषयों पर चर्चा हुई. इससे पहले उन्होंने खूंटी के वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र प्रसाद के घर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके परिजनों से भी मिले.

केशव महतो कमलेश ने दिया इस्तीफा

रांची। कांग्रेस के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने झारखंड राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य पद से इस्तीफा दे दिया है. उन्होंने अपना इस्तीफा पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष को सौंप दिया है. जानकारी के अनुसार प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष नियुक्त होने के बाद केशव महतो कमलेश ने नैतिकता के आधार पर पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य का पद छोड़ दिया है.

राज्यपाल से मिलीं अन्नपूर्णा देवी

रांची। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने राजभवन में गुरुवार को राजभवन में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से शिष्टाचार भेंट की. इसके बाद पूर्व लोकसभा सांसद रामटहल चौधरी झारखंड लोक सेवा आयोग की अध्यक्ष डॉ मेरी नीलिमा केरकेट्टा ,सेवानिवृत आइपीएस निर्मल कौर और राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य ममता कुमार ने भी राज्यपाल से भेंट की. कुड़माली छात्र संघ के प्रदेश अध्यक्ष बबलू कुमार महतो के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से मुलाकात की.

खेलो झारखंड जोनल वीमेन वुशु लीग 24 से

रांची। खेलो झारखंड जोनल वीमेन वुशु लीग 24 अगस्त से मेरठ में आयोजित होगा. यह लीग 24 से 27 अगस्त तक मेरठ के गॉडविन पब्लिक स्कूल में आयोजित होनी है. पूरे भारत में महिलाओं के बीच वुशु खेल को ग्रासरूट लेवल तक विकसित करने के उद्देश्य से स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के द्वारा इस अस्मिता योजना की शुरुआत की गयी है. प्रतियोगिता में तकरीबन 500 खिलाड़ी 7.20 लाख इनामी राशि के लिए जोर लगाएंगे.

चौहान हेंब्रम के परिजनों से मिलीं कल्पना सोरेन

रांची। हवलदार स्व. चौहान हेंब्रम के परिजनों से विधायक कल्पना सोरेन ने गुरुवार को मुलाकात की. मालूम हो कि गिरिडीह जिला के ग्राम पिंडाटाड़ निवासी चौहान हेंब्रम हजारीबाग जिलाबल में हवलदार के पद पर कार्यरत थे. ड्यूटी के दौरान गत 12 अगस्त को एक अपराधी द्वारा उनकी निर्मम हत्या कर दी गई थी. कल्पना सोरेन ने उनके परिजनों से हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया.

मनरेगा कर्मियों की हड़ताल और बालू की किल्लत की वजह से भी आवास निर्माण में देरी

अबुआ अवास :1430 लाभुकों को मिली तीसरी किस्त

ब्यूरो प्रमुख ।रांची

खास बातें

- योजना के तहत 66 प्रतिशत लाभुकों को मिली है दूसरी किस्त
- मनरेगाकर्मियों की हड़ताल के कारण नहीं हो रहा जियोटैगिग

अबुआ आवास के लाभुकों को दूसरी किस्त जारी करने का काम शुरू हो गया है. योजना के 66 प्रतिशत लाभुकों को दूसरी किस्त के 50 हजार रुपये दे दिये गये हैं. वहीं तेजी से आवास बनाने वाले करीब 1430 लाभुकों को तीसरी किस्त के रूप में एक लाख रुपये दिए गये हैं. राज्य सरकार ने दूसरी किस्त की राशि लोकसभा चुनाव के पहले ही जिलों को भेज दी थी. लेकिन आवास योजना में मनरेगाकर्मियों की हड़ताल की वजह से जियोटैगिग का काम प्रभावित हो रहा है. इसके साथ ही बालू की कमी की वजह से आवास निर्माण कार्य रुक सा गया है.

जानकारी के अनुसार करीब 30 हजार लाभुकों के आवास का निर्माण उस स्तर पर पहुंच गया है, जिस स्तर पर उन्हें तीसरी किस्त की एक लाख रुपये दिया जाये, लेकिन मनरेगाकर्मियों की हड़ताल के कारण जियोटैगिग का कार्य नहीं पूरा होने के कारण उनके खाते में रुपये नहीं भेजे गए हैं. उल्लेखनीय है कि अबुआ आवास योजना के लाभुकों को घर बनाने के लिए सरकार दो लाख रुपये की सहायता देती है. हेमंत सरकार ने इसी साल इस योजना की शुरुआत की थी.

1,30,831 लाभुकों को मिला दूसरी किस्तः हेमंत सरकार ने पहले चरण में दो लाख लोगों को अबुआ आवास देने का लक्ष्य रखा था. इनमें से 1,99,715 लोगों को अबुआ आवास स्वीकृत किए गए. 1,91,877 लोगों को पहली किस्त की राशि लोकसभा चुनाव से पहले उपलब्ध कराया गया था. पहली किस्त में लाभुकों को 30 हजार रुपये दिए गये थे. दूसरी किस्त की राशि के रूप में 50 हजार रुपये 1,30,831 लाभुकों को दिये गये है. यह कुल लाभुक का करीब 66 प्रतिशत है. कुल 1,42,144 आवासों का जियोटैगिंग का काम किया जा चुका है.

किस्त जारी करने से पहले भौतिक निरीक्षणः योजना के लाभुकों को दूसरी किस्त जारी करने से पहले आवास निर्माण का भौतिक निरीक्षण किया जा रहा है, ताकि किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोका जा सके.

पुलिस की मौजूदगी में मारपीट की घटना पर बाउरी ने कहा

झारखंड में हिंदुओं को प्रताड़ित होने के अलावा कोई चारा नहीं

संवाददाता।रांची

नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने कहा है कि हेमंत राज में झारखंड के हिंदुओं को प्रताड़ित होने के अलावा कोई चारा नहीं है. ट्वीट कर सवाल किया है कि क्या रक्षाबंधन में बहने मेहंदी भी नहीं लगा सकती. हेमंत सरकार ने अपनी तुष्टिकरण की राजनीति के कारण पूरे प्रदेश का सत्यानाश कर दिया है, इसीलिए हेमंत हटाओ और सुशासन लाना जरूरी है. जब सरकार का संरक्षण प्राप्त हो तो विकृत मानसिकता वाले लोगों का मनोबल बढ़ ही जाता है. ट्वीट में आगे लिखा है कि पहले रामनवमी फिर मोहर्रम और अब मनसा पूजा में प्रशासन के नाक के नीचे हिंदुओं पर हमला हुआ. धनबाद के कालूबथान में मनसा देवी की प्रतिमा विसर्जित करने जा रहे लोगों से पुलिस की मौजूदगी में मारपीट हुई. महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार हुआ. मुकुंदडीह गांव के मुस्लिम टोला से होकर प्रतिमा को जाने से रोकने पर बवाल हुआ. जब सरकार का संरक्षण प्राप्त हो तो विकृत मानसिकता वाले लोगों का मनोबल बढ़ ही जाता है.

जेपीएससी, नियामक आयोग, सूचना आयोग, मानवाधिकार आयोग में अध्यक्ष नहीं

दर्जनभर बोर्ड, निगम व आयोग अध्यक्षविहीन

प्रमुख संवाददाता।रांची

झारखंड में भ्रष्टाचार की शिकायतों को सुनने वाला कोई नहीं है. लगभग चार साल से अधिक समय गुजर जाने के बाद भी झारखंड में लोकायुक्त की नियुक्ति नहीं हो पाई. लोकसेवकों के भ्रष्टाचार पर काबू पाने के लिए लोकायुक्त की नियुक्ति राज्य सरकार करती है. लगभग चार साल गुजर जाने के बाद भी राज्य में सूचना आयुक्तों की नियुक्ति नहीं हो पाई है. सूचना आयुक्त हिमांशु शेखर चौधरी का कार्यकाल आठ मई 2020 को पूरा हो गया था. उसके बाद से ही राज्य सूचना आयोग निष्क्रिय है. एक मुख्य सूचना आयुक्त सहित छह आयुक्तों की नियुक्ति का प्रावधान है. सभी छह पद मई 2020 से ही खाली पड़े हैं. अब एक बार फिर से सूचना आयुक्तों की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू की गई है. आवेदन मांगे गये हैं.

जेपीएससी भी अध्यक्षविहीनः झारखंड लोक सेवा आयोग भी अध्यक्ष विहीन हो गया है. बुधवार को ही आयोग की अध्यक्ष डॉ मेरी नीलिमा केरकेट्टा का कार्यकाल समाप्त हो गया. इनकी जगह किसी को अतिरिक्त प्रभार नहीं दिया गया है. जेपीएससी मुख्य परीक्षा का भी परिणाम जारी होना है. संभावना जताई जा रही है कि 29 अगस्त को होने वाली कैबिनेट की बैठक में अध्यक्ष की नियुक्ति पर फैसला लिया जा सकता है.

बिजली उपभोक्ताओं की कौन सुनें: राज्यभर के 54 लाख बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतों को सुनने वाला झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग भी अध्यक्ष विहीन है. आयोग के अध्यक्ष जस्टिस अमिताभ गुप्ता का कार्यकाल 31 मई को समाप्त हो गया. अब आयोग में सिर्फ मेंबर तकनीक अतुल कुमार और मेंबर लॉ महेंद्र प्रसाद ही बचे हैं.

बोर्ड-निगम व आयोग जिनका हुआ है गठनः झारखंड राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड, झारखंड गो सेवा आयोग, झारखंड राज्य आवास बोर्ड, झारखंड राज्य कृषि विपणन पर्षद, झारखंड राज्य युवा आयोग, झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग, झारखंड राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग.

इन बोर्ड, निगमों व आयोग में अध्यक्ष नहीं

झारखंड राज्य मानवाधिकार आयोग, झारखंड राज्य सूचना आयोग, झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग, अनुसूचित जनजाति आयोग, झारखंड राज्य महिला आयोग, झालको, आरआरडीए, झारखंड राज्य खादी ग्रामोद्योग बोर्ड, झारखंड राज्य समाज कल्याण बोर्ड, झारखंड शिक्षा न्यायाधिकरण, लोकायुक्त, निःशक्तता आयुक्त.

यहां आईएएस-आईएफएस काबिज

जेएसएमडीसी, टीवीएनएल, झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग, झारखंड राज्य वित्त आयोग, झारखंड फिल्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड, झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, झारखंड राज्य ऊर्जा विकास निगम.

महिला पुलिस अधिकारियों का राज्य स्तरीय सम्मेलन आज से

संवाददाता।रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पहल पर डीजीपी अनुराग गुप्ता के नेतृत्व व दिशा-निर्देश पर शुक्रवार से दो दिवसीय महिला पुलिस अधिकारियों-कर्मियों का राज्य स्तरीय सम्मेलन आयोजित होगा. यह सम्मेलन डोरंडा के जैप-1 स्थित शौर्य सभागार में यह आयोजन होगा. उद्घाटन के दौरान मुख्य सचिव, गृह सचिव, डीजीपी समेत कई अधिकारी उपस्थित रहेंगे. इसके झारखंड पुलिस के सभी जिला-इकाइयों में सिपाही, हवलदार, एएसआई, एसआई, इंस्पेक्टर व डीएसपी स्तर की 200 महिला प्रतिनिधि शामिल होंगी. राज्य में पहली बार यह आयोजन हो रहा है.

एडीजी सुमन गुप्ता ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर यह जानकारी दी. इसमें पुलिस और कल्याण मामले में महिलाओं के लिए न्यूनतम सुविधा, प्रशिक्षण की आवश्यकताएं और दृष्टिकोण में परिवर्तन, पुलिस बल में महिलाओं की उन्नति का समर्थन करने वाली नीतियां, पुलिस में महिलाओं के लिए जीवन शैली प्रबंधन, पुलिस में महिलाओं के लिए फोरम, समाज में योगदान मुद्दों पर चर्चा होगी.इस सम्मेलन का थीम है महिला पुलिस, सेवा, सुरक्षा व सम्मान.

सीएम को निमंत्रण पत्र देते डीजीपी अनुराग गुप्ता व एडीजी सुमन गुप्ता.

सम्मेलन में शामिल होने का दिया निमंत्रण

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से गुरुवार को सीएम आवासीय कार्यालय में डीजीपी अनुराग गुप्ता और एडीजी सुमन गुप्ता ने मुलाकात की. इस दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को प्रथम दो दिवसीय राज्य स्तरीय महिला पुलिस सम्मेलन- 2024 में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होने को लेकर निमंत्रण पत्र सौंपा. सम्मेलन के समापन के दौरान सीएम हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन शामिल होंगे. 23 अगस्त को यह सम्मेलन 12.15 से शुरू होगी और पांच बजे शाम तक चलेगी. वहीं दूसरे दिन यानि 24 अगस्त को यह सम्मेलन सुबह के 9.30 बजे से शुरू होगी और दोपहर 2.30 बजे समापन होगा.

थाना प्रभारियों की पोस्टिंग में नियमों की अनदेखी

सौरव सिंह ।रांची

राज्य के कई जिलों में थाना प्रभारियों के तबादले में नियमों की अनदेखी की जा रही है. जिलों के एसपी पांच-छह माह में थाना प्रभारी का तबादला कर दे रहे हैं. जबकि नियम के अनुसार, थाना प्रभारी तबादला का कम से कम दो वर्ष के बाद होनी चाहिए. अगर किसी थाना प्रभारी के खिलाफ कोई आरोप है या जो काम में लापरवाह या अक्षम है, तो उनका तबादला रेंज डीआईजी के अनुमोदन के बाद किया जा सकता है. लेकिन यहां हालात बिल्कुल अलग है. कुछ जिलों के एसपी दूसरे कारणों से तबादला कर देते हैं. कई बार डीआईजी से अनुमति तक नहीं लेते. इन सबके पीछे की वजह तबादला का एक उद्योग बन जाना है.

प्रतिनियुक्ति का भी चल रहा खेल : पुलिस विभाग में प्रतिनियुक्ति का अलग ही खेल तेजी से बढ़ा है. यानी अस्थायी थाना प्रभारी का. एसपी पोस्टिंग के बदले प्रतिनियुक्त कर देते हैं. यानी प्रभारी का पद भरा हुआ भी है और खाली भी. जब तक एसपी की मर्जी तब तक थानेदारी. जब तक एसपी खुश, तब तक अफसर की थानेदारी. प्रतिनियुक्ति के इस खेल में एसपी को डीआईजी से किसी तरह की अनुमति लेने की जरूरत ही नहीं पड़ती.

बिना अनुमति बदले के कई मामले: हाल के दिनों में अलग-अलग जिलों में डीआईजी की अनुमति लिए बिना एसपी ने थानेदारों का तबादला किया है. चार मार्च को हजारीबाग के एसपी ने गिद्दी और बरकट्ठा के थाना प्रभारी का तबादल डीआईजी से बिना अनुमति लिए कर दिया था. 10 जून को डीआईजी से स्वीकृति लिए बगैर चतरा के एसपी ने चार थानेदारों का तबादला कर दिया था. डीआईजी ने इस पर स्पष्टीकरण भी पूछा था. खबरों के मुताबिक गत 20 अगस्त को रांची डीआईजी की अनुमति के बिना ही एसएसपी ने छह ओपी के प्रभारियों का तबादला कर दिया. झारखंड पुलिस एसोसिएशन के अध्यक्ष योगेंद्र सिंह ने इसे लेकर डीजीपी को पत्र लिखा है.

गृह सचिव व एडीजी ने किया महिला थाने का निरीक्षण, जानी समस्याएं

संवाददाता।रांची

गृह सचिव वंदना डाडेल और एडीजी सुमन गुप्ता ने गुरुवार को रांची महिला थाना का निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने महिला थाना के सभी पदाधिकारियों और आरक्षियों से परिचय प्राप्त किया, और उनके कार्यों और जिम्मेदारियों के बारे में जानकारी ली. इस अवसर पर पीड़ित महिलाओं से उनके मामलों के संबंध में बातचीत की गई और उनकी समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना गया. साथ ही महिला थाना में उपलब्ध संसाधनों से संबंधित समस्याओं पर भी चर्चा की गई.

संसाधनों की कमी के बारे में एक विस्तृत सूची तैयार करने के निर्देश : एडीजी सुमन गुप्ता ने महिला थाना की आवश्यकताओं और संसाधनों की कमी के बारे में एक विस्तृत सूची तैयार करने के निर्देश दिए. साथ ही महिला थाना परिसर के रखरखाव, सुरक्षा व्यवस्था, और अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में भी गृह सचिव और एडीजी द्वारा महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए गए. इन दिशा-निर्देशों के पालन को सुनिश्चित किया जा रहा है. इस महत्वपूर्ण निरीक्षण के दौरान उन्होंने महिला पुलिसकर्मियों के साथ संवाद स्थापित किया और उनकी कार्य परिस्थितियों और चुनौतियों के बारे में भी चर्चा की. एडीजी ने महिला थाना की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक सुधारों के सुझाव भी दिए.

सशक्तिकरण सुनिश्चित करना है : एडीजी सुमन गुप्ता ने कहा कि आयोजित होने वाले महिला पुलिस सम्मेलन का उद्देश्य महिलाओं की सुरक्षा महिलाओं द्वारा और उनके सशक्तिकरण को सुनिश्चित करना है. इस दिशा में महिला थाना की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य भी महिला थाना की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी व सुदृढ़ बनाना है.

महिला थाना के पुलिसकर्मियों के साथ गृह सचिव वंदना डाडेल.

युवाओं को मिला धोखा, पेपर लीक व लाठी : बाबूलाल लाल

संवाददाता।रांची

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने सीएम हेमंत सोरेन के खिलाफ कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है. उन्होंने ट्वीट के जरिए हेमंत सोरेन पर फिर निशाना साधा है. लिखा है कि 2019 में हेमंत सोरेन ने झारखंड के युवाओं को हर महीने 5000 रुपये से लेकर 7000 रुपये तक बेरोजगारी भत्ता देने का वादा किया था. बेरोजगार युवाओं को पिछले 5 साल में बेरोजगारी भत्ता के नाम पर एक फूटी कौड़ी तक नहीं मिली. इन 5 सालों में झारखंड के युवाओं को अगर कुछ मिला है, तो वो सिर्फः धोखा ,पेपर लीक और और लाठियों की मार. मरांडी ने दूसरे ट्वीट में कहा है कि लूट और झूठ की बुनियाद पर बनी ठगबंधन की इस सरकार ने झारखंड के लाखों युवाओं का भविष्य बर्बाद कर दिया. 2019 में हेमंत सोरेन ने झारखंड के युवाओं से प्रतिवर्ष 5 लाख सरकारी नौकरी देने का वादा किया था. 5 साल गुजर गए, लेकिन हेमंत सरकार पारदर्शी तरीके से 5 हजार युवाओं को भी सरकारी नौकरी नहीं दे पाई. आज झारखंड का हर युवा इस अंधेर नगरी चौपट राजा के शासन से तंग आ चुका है. हेमंत सोरेन वादे तो बड़े-बड़े करते हैं, लेकिन पूरा एक भी नहीं करते. लूट और झूठ की ये सरकार युवाओं को सिर्फ और सिर्फ ठगने का काम कर रही है.

बांग्लादेशी घुसपैठ : सुनवाई पांच को

संवाददाता।रांची

बांग्लादेशी मूल के व्यक्तियों द्वारा झारखंड में घुसपैठ कर संथाल परगना इलाके में लैंड जिहाद किये जाने की जांच की मांग को लेकर दायर जनहित याचिका पर गुरुवार को झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. पिछली सुनवाई के दौरान कोर्ट ने केंद्र सरकार की एजेंसियों को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया था. लेकिन गुरुवार तक केंद्र सरकार की ओर से जवाब दाखिल नहीं किया जा सका. इसके बाद चीफ जस्टिस और जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की खंडपीठ ने इस मामले की अगली सुनवाई के लिए पांच सितंबर की तिथि निर्धारित कर दी. इस संबंध में जमशेदपुर के रहने वाले दानयल दानिश ने हाईकोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की है.

गैंगस्टर अमन सिंह हत्याकांडः पिंटू सिंह को ली बेल

रांची। गैंगस्टर अमन सिंह की जेल में हत्या के आरोपी जैनेंद्र सिंह उर्फ पिंटू सिंह को हाईकोर्ट ने जमानत दे दी है. पिंटू सिंह धनबाद के पूर्व डिप्टी मेयर नीरज सिंह की हत्या के केस में भी आरोपी है. पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने उसे इस केस में बेल दे दी थी. अमन सिंह हत्याकांड में बेल मिलने के बाद अब वह जेल से बाहर आ सकता है. पिंटू सिंह की बेल पर हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुभाष चांद की कोर्ट में सुनवाई हुई. पिंटू सिंह की ओर से अधिवक्ता जितेंद्र सिंह ने बहस की. अमन सिंह की हत्या पिछले साल धनबाद जेल में ही कर दी गई थी, इस घटना के बाद जेल की सुरक्षा पर कई सवाल खड़े हुये थे. घटना को लेकर कई दिनों तक विरोध प्रदर्शन भी हुआ था.

आरयू : जीई पेपर में शामिल होने का मिलेगा आखरी मौका

रांची। रांची विश्वविद्यालय के कुलपति अजीत कुमार सिन्हा ने कहा है कि छात्र हित में सभी छात्र-छात्राओं को जीई पेपर की परीक्षा के लिए एक और मौका दिया जाएगा. इससे संबंधित कागजात रांची विवि के परीक्षा नियंत्रक को भेज दिया है. परीक्षा नियत्रंक ने कहा के जल्द नया नोटिफिकेशन जारी होगा. जीई पेपर से संबंधित छात्रों की समस्या को लेकर युवा आजसू का प्रतिनिधिमंडल अभिषेक शुक्ला ने कुलपति और परीक्षा नियंत्रक से मुलाकात कर मांग पत्र सौंपा था. कहा गया था कि यूजी सत्र 2017-20 व 2018-21 के बहुत सारे छात्र-छात्राओं की परीक्षा सूचना के अभाव में छूट गयी थी. मांग की गई थी कि दोनों सत्रों के छात्र-छात्राओं को जीई पेपर की परीक्षा में शामिल होने का एक अंतिम मौका मिले. प्रतिनिधिमंडल में विपिन कुमार यादव, प्रियांशु, आकाश नयन, मृणाल, सचिन, संजीव रंजन, शिवम मिश्रा, गंगाधर महतो, कृति, जयंत, सुबोध, के अलावा कोई सदस्य मौजूद थे.

हड़ताल खत्म, पदों का होगा सृजन, बदलेगा पदनाम, नहीं कटेगा वेतन

संवाददाता ।रांची

अपर मुख्य सचिव से वार्ता व कई मुद्दों पर सहमति के बाद झारखंड अनुसचिवीय कर्मचारी संघ (समाहरणालय संवर्ग) का हड़ताल समाप्त हो गया है. कर्मचारी संघ के सभी सदस्य नौ सूत्री मांगों को लेकर 22 जुलाई से हड़ताल पर थे. बुधवार को मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, कार्मिक सचिव और संघ के पदाधिकारियों के बीच वार्ता हुई. इसमें हड़ताल को समाप्त करने पर सहमति बनी. वार्ता सचिवालय भवन में हुई. हड़ताल खत्म करने की घोषणा के बाद गुरुवार से राज्य भर के जिला समाहरणालयों, अनुमंडल, प्रखंड व अंचल कार्यालयों में पहले की तरह काम-काज शुरू हो गया है.

इन मांगों पर बनी सहमति : समाहरणालय संवर्ग के निम्नवर्गीय लिपिक का पदनाम सहायक, उच्चवर्गीय लिपिक का पदनाम वरीय सहायक, प्रधान लिपिक का पदनाम सहायक प्रशासी अधिकारी, कार्यालय अधीक्षक का पदनाम प्रशासी अधिकारी (ग्रेड-2) और प्रशासी अधिकारी का पदनाम प्रशासी अधिकारी (ग्रेड-1) होगा. कार्मिक विभाग जल्द ही आदेश जारी करेगी.

पदसृजन की कार्रवाई राजस्व निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग द्वारा किया जा रहा है. सभी जिलों से प्रस्ताव विभाग को प्राप्त होने के डेढ़ माह के भीतर पद सृजन कर दिया जायेगा.

अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार की अध्यक्षता में एक कमिटी गठित की जाएगी, जिसमें कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग तथा वित्त विभाग के संयुक्त सचिव से रैंक के पदाधिकारी सदस्य होंगे. यह कमेटी समाहरणालय संवर्ग के कर्मियों के हितों पर निर्णय लेगी और सरकार से अनुशंसा करेगी.

क्या हैं मांगें

लिपिक का ग्रेड पे 2400 रुपया, उच्चतर पदों पर ग्रेड पे में बढ़ोतरी तथा प्रशासी अधिकारी के पद पर योगदान की तिथि से ही ग्रेड पे 5400 रुपये दें.

चतुर्थवर्गीय कर्मियों के संबंध में बिहार राज्य की तरह बिना परीक्षा के अर्हता एवं योग्यता के आधार पर प्रोन्नति एवं सेवा काल के आधार पर वेतन बढ़ोतरी हो.

आउटसोर्सिंग पर कार्यरत कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं संविदा कर्मियों के वेतन विसंगति को दूर किया जाये और दूसरे राज्यों में लागू आयु सीमा को यहां भी लागू की जाये.

प्रशासी अधिकारी के कार्य व दायित्व निर्धारण हो.

राज्य प्रशासनिक सेवा के सीमित प्रतियोगिता परीक्षा में शामिल होने के लिए ग्रेड पे और उम्र सीमा की बाध्यता को समाप्त किया जाये.

झारखंड अनुसचिवीय कर्मचारी संघ (समाहरणालय संवर्ग) के आह्वान हड़ताल पर गए कर्मियों को हड़ताल अवधि का वेतन नहीं काटा जाये.

लौटी रौनक, कामकाज शुरू

रांची। समाहरणालय कर्मियों की हड़ताल समाप्त होने के बाद सभी जिलों के डीसी कार्यालय, अनुमंडलीय कार्यालय, प्रखंड कार्यालय व अंचल कार्यालयों में रौनक लौट आई है. कर्मचारी काम पर लौट आये हैं. अगले एक-दो दिन में काम-काज नियमित हो जाने की उम्मीद है. उल्लेखनीय है कि पिछले एक माह से हड़ताल की वजह से लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था. जिला स्तर पर होनेवाले काम समय पर नहीं हो पा रहे थे.

क्लासिफाइड

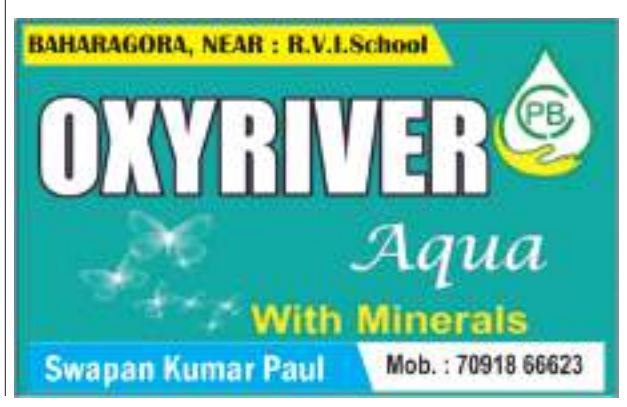

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in रांची, शुक्रवार 23 अगस्त 2024 ● भाद्रपद कृष्ण पक्ष 04, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 2, अंक : 135 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

लोहरदगा कांग्रेस में दो फाड़, सांसद और मंत्री समर्थकों में ठनी

हुसैन अंसारी। लोहरदगा

जिला कांग्रेस कमेटी में लोकसभा चुनाव समय से ही अंतर्कलह चल रहा है. यहां पर स्थानीय सांसद सुखदेव भगत और विधायक सह मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव के समर्थकों में आरोप-प्रत्यारोप का जंग छिड़ी हुई है. इसकी खास वजह यह है कि लोकसभा चुनाव में झामुमो से बगावत कर बिशुनपुर विधायक चमरा लिंडा निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लडा था. चमरा के पक्ष में चुनावी सभाओं और प्रचार-प्रसार में लोहरदगा निवासी हाजी अफसर कुरैशी ने जोर-शोर से कांग्रेस प्रत्याशी वर्तमान सांसद सुखदेव भगत को हराने एवं कांग्रेस पार्टी के विरुद्ध काम किया था.

अब मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने हाजी अफसर कुरैशी को अपना प्रतिनिधि नियुक्त कर दिया है. ऐसे में लोहरदगा जिला कांग्रेस में पहले से चल रहे अंतर्कलह के बीच अब दो फाड़ की स्थिति बन गयी है. यहां पर सांसद सुखदेव भगत गुट के समर्थकों ने स्थानीय विधायक सह मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव गुट पर पार्टी हित में काम नहीं करने का आरोप लगाया है. सांसद गुट के कांग्रेसी कार्यकर्ताओं का कहना है कि लोस चुनाव में सुखदेव भगत को हराने में जिस व्यक्ति ने एड़ी-चोटी का जोर लगा दिया था, उसे डॉ रामेश्वर उरांव ने अपना मंत्री प्रतिनिधि नियुक्त कर पार्टी कार्यकर्ताओं के मनोबल को तोड़ने का काम किया है.

जल्द रार खत्म नहीं हुआ, तो विस चुनाव में होगा नुकसान

लोहरदगा कांग्रेस में पहले से ही दो गुटों में बंटी हुई है. कई बार दोनों गुट में तीखा तकरार हो चुका है. अब जब चंद महीने बाद विधानसभा चुनाव होना है, तो अंतर्कलह और बढ़ गया है. पार्टी आलाकमान जल्द इस दिशा में ठोस पहल नहीं करता है, तो चुनाव में विपक्षी दलों को लोहरदगा कांग्रेस की इस फूट का भरपूर लाभ मिलेगा. साथ ही इंडिया गठबंधन को भारी नुकसान का सामना करना पड़ सकता है. राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि लोहरदगा कांग्रेस में छिड़ी अंतर्कलह पार्टी को भारी नुकसान पहुंचा सकती है.

मंत्री रामेश्वर उरांव .

सांसद सुखदेव भगत.

अतर्कलह बढ़ा

- अफसर कुरैशी को मंत्री प्रतिनिधि बनाने पर सुखदेव गुट हमलावर
- सांसद समर्थकों ने मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव पर गंभीर आरोप लगाए
- 'इंडिया' गठबंधन को हो सकता है नुकसान

लोस चुनाव के दौरान साथ बैठे चमरा लिंडा और हाजी अफसर कुरैशी.

मंइयां सम्मान योजना : सीएम का वादा, अगली सरकार बनने पर सालाना एक-एक लाख देंगे

कितना भी जोर लगा लो हम डरने वाले नहीं : हेमंत सोरेन

- पलामू, गढ़वा और लातेहार की महिलाओं को एक-एक हजार रुपये ट्रांसफर किये

विशेष संवाददाता। मेदिनीनगर/रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पलामू, गढ़वा और लातेहार जिले की महिला लाभुकों को मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना की पहली किस्त की राशि दी. यहां कुल पांच लाख 91 हजार 919 रुपये की राशि डीबीटी के माध्यम से ट्रांसफर किया गया. सीएम ने गुरुवार को वीर नीलांबर पीतांबर की धरती पर थे. इस मौके पर सीएम ने कहा कि आज हमने एक-एक हजार रुपये देना शुरू किया है. ये चलता रहेगा. आने वाले पांच सालों के अंदर हम हर घर तक एक-एक लाख पहुंचाने का काम करेंगे. यह हम वादा करते हैं.

मुख्यमंत्री ने भाजपा और केंद्र सरकार पर तीखे हमले किए. सोरेन ने कहा कि नवंबर-दिसंबर में राज्य में चुनाव होने जा रहा है. लोकसभा चुनाव में भी इन लोगों ने इतना हिंदू-मुस्लिम किया कि देश कि जनता ने इनको जबरदस्त तमाचा मारा. इन्हें सरकार बनाने के लिए बैसाखी का सहारा लेना पड़ा. इनके पास कोई मुद्दा, कोई एजेंडा भी नहीं है. पहले ये लोग हमे भ्रष्टाचारी कहते थे, हमको जेल में डाल दिया, पर हम आज आपके सामने खड़े हैं. जब यहां के नेताओं से इनकी पार्टी नहीं संभल रही, तो ये छत्तीसगढ़, असम और मध्य प्रदेश से नेता लाते हैं. यहां पर झूठी बयानबाजी करते हैं. विधायक और सांसदों को तोड़ने-फोड़ने का काम करते हैं. खैर हम इनसे डरने वाले नहीं है. ऐसे कई लोग आएंगे और जाएंगे. कार्यक्रम में मंत्री सत्यानंद भोक्ता, बैजनाथ राम, मिथिलेश कुमार ठाकुर, बेबी देवी, दीपिका पांडेय सिंह, विधायक रामचंद्र सहित कई गणमान्य व अन्य उपस्थित थे.

पलामू में महिला लाभुक को सांकेतिक चेक सौंपते सीएम हेमंत सोरेन और मंच पर मौजूद सूबे के मंत्रीगण.

केंद्र सरकार और भाजपा युवाओं को गर्त में ले गई

सीएम ने रांची में भाजपा की होने वाली युवा आक्रोश रैली पर तंज कसा. कहा कि युवाओं का भविष्य तो इन लोगों ने गर्त में डाल दिया. सबसे ज्यादा फौज में भर्ती होती थी, वहां नियुक्ति बंद है. कोल इंडिया में सबसे ज्यादा नियुक्ति होती थी, वो भी बंद हो गयी. बैंक में नियुक्तियों को भी बंद कर दिया गया. अब नियुक्तियों का सारा बोझ राज्य सरकार पर डाल दिया गया है.

हमने हार नहीं मानी, नियुक्ति पर नियुक्ति की : हेमंत ने कहा कि हमने हार नहीं मानी. हम हजारों नियुक्तियां दे रहे हैं. चाहे वह जेपीएससी के माध्यम से हो, पंचायत सचिव, शिक्षक या कृषि विभाग में नियुक्ति हो. हमने अनेक नियुक्तियां की. अभी सिपाही की भी बहाली होनी है, जिसकी प्रक्रिया अंतिम चरण में है. उत्पाद सिपाही की भी नियुक्ति होनी है.

हमारी नीतियों को कोर्ट में उलझा कर रखते हैं : मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा के शासनकाल में न कोई नियम बना, न ही कोई नीति. अगर, हम कोई नीति बनाते हैं, तो उसे अंवैधानिक कहते हुए कोर्ट ले जाकर उलझा देते हैं. हमलोग स्थानीय नीति, नियोजन नीति बनाए, तो ये लोग कोर्ट चले गये. ये लोग धर्म के नाम पर समाज में जहर घोलने का काम करते हैं.

हमारी सरकार हेडक्वार्टर से चलने वाली नहीं है : हेमंत ने कहा कि महागठबंधन की सरकार हेडक्वार्टर से चलने वाली सरकार नहीं है. यह गांव-देहात से चलने वाली सरकार है. जहां कभी कोई पदाधिकारी नहीं गया, उस गांव में पदाधिकारियों को पहुंचाया. गांव-गांव सरकार आपके द्वार कार्यक्रम चला कर योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति तक पहुंचाया गया.

कोरोना खत्म होते ही सरकार गिराने की साजिश हुई थी

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि कोरोना के समय में हमारी महिला दीदियों ने गांव-गांव पंचायत-पंचायत में गरीब-गुरबों को खाना खिलाया था. हमने साढ़े चार साल में जो लकीर खींची है, वो ये लोग 20 साल में तो क्या, 50 साल में भी नहीं कर पाएंगे. जब कोरोना का बादल छंटा, तो विपक्ष के लोग सरकार गिराने में लग गये.

मौसम था खराब, सीएम ने उठाया रिस्क

रांची। सीएम ने पलामू जाने के क्रम में बड़ा रिस्क उठाया. इसकी वजह खराब मौसम है. सीएम ने उन्होंने इस बात का जिक्र पलामू में आयोजित जनसभा में भी किया. सीएम ने कहा कि हवा का दबाव हेलीकॉप्टर पर पड़ रहा था. सुनने में समस्या हो रही थी. इसके बाद भी मैनें कैबिनेट मंत्रियों के साथ सफर किया. उन्होंने रांची से पलामू की सफर का जिक्र करते हुए कहा कि मौसम काफी खराब था. चिंता हो रही थी कि पहुंच पाएंगे या नहीं. मौसम खराब होने के वावजूद हेलीकॉप्टर पर सवार हुए. सीएम ढ़ाई बजे पलामू के चियांकी हवाई अड्डा पहुंचे. उनके साथ श्रम मंत्री सत्यानंद भोक्ता, पेयजल मंत्री मिथिलेश ठाकुर और कृषि मंत्री दीपिका पांडेय सिंह भी थीं.

युवा आक्रोश रैली आज भाजपा दिखाएगी ताकत

मोरहाबादी मैदान में भाजयुमो के युवा आक्रोश रैली को लेकर तैयार मंच. -फोटो- रमीज

संवाददाता। रांची

विधानसभा चुनाव नवंबर-दिसंबर में होने हैं. राज्य में राजनीतिक गतिविधियां बढ़ी हुई हैं. राजनीतिक दल अपने-अपने तेवर दिखा रहे हैं. इन सबके बीच भारतीय जनता युवा मोर्चा की झारखंड इकाई ने 23 अगस्त को युवा आक्रोश रैली का आयोजन किया है. रैली रांची के मोरहाबादी मैदान में होगी. रैली में भाजपा युवा मोर्चा के राज्य भर के पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल होंगे. इसके साथ ही प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी समेत झारखंड भाजपा के तमाम बड़े नेता भी रैली में शामिल होंगे.

जानकारी के मुताबिक रैली की तैयारी पूरी कर ली गई है. मोरहाबादी मैदान में मंच तैयार कर लिया गया है. साथ ही हर जिले में जिला के पदाधिकारियों ने बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं को रांची लाने की तैयारी की है. भाजपा किसी भी स्थिति में इस रैली को सफल बनाना चाहती है. यही कारण है कि संगठन के हर मोर्चा के पदाधिकारियों को रैली में भीड़ लाने का काम सौंपा गया है.

राज्य सरकार को घेरेंगे नेता : रैली के बहाने प्रदेश भाजपा हेमंत सरकार को भी घेरेगी. भाजपा ने युवाओं से आह्वान किया है कि प्रदेश के युवाओं को राज्य सरकार की वादाखिलाफी के खिलाफ आंदोलन में हिस्सा लेना चाहिए. जिस प्रकार मुंगेरीलाल के हसीन सपने झारखंडी युवाओं को दिखाए थे, उसका पर्दाफाश जरूरी है. भाजपा नेता लगातार यह कहते रहे हैं कि पिछले चार सालों में हेमंत सरकार झारखंड के युवाओं को ठग रही है. युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया गया है.

मोरहाबादी के आसपास निषेधाज्ञा लागू

रांची। मोरहाबादी मैदान के 500 मीटर की परिधि में (मैदान को छोड़कर) निषेधाज्ञा लागू की गयी है. निषेधाज्ञा 23 अगस्त की सुबह 11 बजे से रात के 11 बजे तक प्रभावी रहेगी. इस दौरान किसी प्रकार का धरना, प्रदर्शन, घेराव, जुलूस, रैली या आमसभा के आयोजन, अस्त्र शस्त्र आदि लेकर निकलने, क्षेत्र में पांच या पांच से अधिक व्यक्तियों का एक जगह जमा होने पर पाबंदी रहेगी. सदर एसडीओ उत्कर्ष कुमार ने इससे संबंधित आदेश जारी कर दिया है. जारी आदेश के मुताबिक, प्रशासन को आशंका है कि शुक्रवार को मोरहाबादी मैदान के आसपास शांति भंग हो सकती है. इसी मद्देनजर बीएनएसएस की धारा 163 लागू की गयी है.

ब्रीफ खबर

युवती से अभद्रता के विरोध में सड़क जाम

पुटकी। कोलकाता से चार्टर्ड अकाउंटेंट का इंटरव्यू देकर लौट रही 23 वर्षीय युवती के साथ करकेंद में घर के ही निकट बुधवार की रात दो बजे कुख्यात लाला पासवान ने शारीरिक दुर्व्यवहार किया. मारपीट करते हुए उसे सड़क पर घसीटा. रुपये की मांग करते हुए मोबाइल भी छीन लिया. सुनसान गली में कट्टा सटा कर करीब आधे घंटे से ज्यादा समय तक छेड़छाड़ की गई. दूसरे दिन खबर फैलते ही स्थानीय लोगों में आक्रोश भर गया और लोग सड़कों पर उतर आए. पुलिस के खिलाफ भी जमकर नारेबाजी की गई. इस बीच पुलिस ने आरोपी लाला को फिल्मी स्टाइल में लोयाबाद 5 नंबर से दौड़ा कर गिरफ्तार कर लिया. वह शाम पांच बजे खुले मैदान में ताश खेल देख रहा था. आधा दर्जन थाना की पुलिस पहुंची और लाला को खदेड़ कर पकड़ लिया.

- स्थानीय लोगों ने सड़क पर उतर कर पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की
- पुलिस ने शाम में खदेड़ कर आरोपी लाला पासवान को गिरफ्तार कर लिया

लापता विमान के प्रशिक्षक व प्रशिक्षु पायलट का शव बरामद

- आज से लापता विमान को खोजेगी भारतीय नौसेना

संवाददाता। चांडिल/जमशेदपुर

जमशेदपुर के सोनारी हवाई अड्डा से उड़ान भरने के बाद लापता हुए टू सीटर प्रशिक्षण विमान में सवार प्रशिक्षक व प्रशिक्षु पायलट का शव गुरुवार को चांडिल डैम में उपलाता हुआ बरामद किया गया. अल्केमिस्ट एविएशन के ट्रेनी विमान के प्रशिक्षु पायलट शुभ्रोदीप दत्ता का शव सुबह किस्टोपुर के पास बरामद किया गया, वहीं प्रशिक्षक पायलट जीत शत्रु आनंद का शव चांडिल डैम के किनारे स्थित पियालडीह के निकट बरामद किया गया.

टीम ने पायलट के यूनिफार्म पर लगे नेम टैग में लिखे नाम के आधार पर शव की पहचान की. बता दें कि शुभ्रोदीप दत्ता आदित्यपुर के रहने वाले थे, जबकि पायलट जीत शत्रु आनंद पटना (बिहार) के मीठापुर के रहने वाले थे. दोनों अल्केमिस्ट एविएशन के विमान से प्रशिक्षण के लिए मंगलवार को जमशेदपुर के सोनारी एयरपोर्ट से उड़ान भरे थे. लेकिन, उड़ान भरने के 15 मिनट बाद ही विमान का एयर ट्रैफिक कंट्रोल से संपर्क कट गया था. मंगलवार की रात कुछ प्रत्यदर्शियों के माध्यम से यह जानकारी सामने आई कि विमान चांडिल डैम में गिरा है.

चांडिल डैम में प्रशिक्षु पायलट के शव को बोट में रखती एनडीआरएफ की टीम.

बेटे का शव मिलने के बाद बिलख पड़ी मां

गुरुवार की सुबह एनडीआरएफ और स्थानीय तैराकों की टीम को वापस लौटती देख प्रशिक्षु पायलट शुभ्रोदीप दत्ता की मां शुभ्रा देवी चांडिल एसडीओ से बेटे की जानकारी लेने लगी. बेटे के वियोग में एसडीएम से लिपट कर चित्कार मारते हुए रोने लगी. इस दौरान समूचा डैम परिसर का माहौल गमगीन हो गया. जैसे ही लाश को बाहर निकाला गया मृत पायलट के परिजन एंबुलेंस के पास पहुंचे और लाश को देखने की जिद करने लगे. काफी मुश्किल से उन्हें एंबुलेंस से नीचे उतारा गया. सर्च ऑपरेशन के दौरान प्रशिक्षक पायलट जीत शत्रु आनंद के पिजा व अन्य परिजन भी चांडिल डैम में मौजूद रहे.

इसके बाद बुधवार सुबह से एनडीआरएफ की टीम के साथ स्थानीय प्रशासन विमान की खोज में लगा था.

डैम में लापता विमान की खोजबीन करेगी नौसेना : चांडिल डैम में गिरे एयरक्राफ्ट की खोज अब भारतीय नौसेना करेगी. शुक्रवार की सुबह से अभियान चलाया जाएगा. एसडीओ शुभ्रा रानी ने बताया कि शुक्रवार की सुबह नेवी की 15 सदस्यीय टीम, 4 हाइड्रोसेलर्स मशीन व अन्य आवश्यक उपकरणों के साथ 11 बजे चांडिल डैम पहुंची. नेवी और एनडीआरएफ की टीम विमान और लापता प्रशिक्षक पायलट की तलाश में सर्च ऑपरेशन शुरू किया. इस दौरान दोपहर में पायलट का शव बरामद हुआ. अब इंडियन नेवी की टीम शुक्रवार को लापता विमान की खोज शुरू करेगी.

मधु कोड़ा ने शुरू की खदान खोलो पदयात्रा

संवाददाता। किरीबुरु

पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा ने शुक्रवार को सारंडा व कोल्हान वन प्रमंडल की सभी बंद खदानों को खोलने, सरकार से वनाधिकार पट्टा दिलाने की मांग को लेकर आंदोलन सह पदयात्रा शुरू की. पदयात्रा के पहले दिन बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए. पदयात्रा का आयोजन भाजपा के बैनर तले तथा पूर्व सांसद गीता कोड़ा के नेतृत्व में शुरु किया गया है. पदयात्रा 22 से 27 अगस्त तक चलेगा. 28 अगस्त को बड़ाजामदा में आमसभा के साथ पदयात्रा का समापन होगा.

जानकारी के मुताबिक खदानों को खोलने और वन पट्टा की मांग को भाजपा बड़ा मुद्दा बनाना चाहती है. इसी के मद्देनजर भाजपा ने तीन सितंबर से सात सितंबर तक अलग-अलग जगहों पर धरना-प्रदर्शन करने की तैयारी की है. तीन सितंबर को नोवामुंडी में, चार सितंबर को मनोहरपुर में, पांच सितंबर को जगन्नाथपुर में, छह सितंबर को गोईलकेरा में और सात सितंबर को टोंटे प्रखंड कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन किया जायेगा.

उल्लेखनीय है कि कोल्हान इलाके में रुगंटा, ओएमएम, मिश्री लाल जैन, आर मेकडिल, एनके-पीके, आरजेएम, झंडीबुरु, राजाबेड़ा, देवका बाई लाल, केएस अहलुवालिया, जीलिंगबुरु, सुकरी, मेरेलगाड़ा, बिहार माइंस, बोकना माइंस, एसएमको, समीर सेन-सलील सेन, ओझा माईंस आदि खदानें कई सालों से बंद है.

प्रिंस गिरोह के औरंगजेब की संदिग्ध हालत में मौत

बोकारो। तेनुघाट जेल में बंद मो औरंगजेब की मृत्यु बोकारो सदर अस्पताल में इलाज के दौरान हो गई. इस घटना के बारे में तेनुघाट जेल के जेलर नीरज कुमार ने बताया कि औरंगजेब को आर्म्स एक्ट के एक मामले में छह साल की सजा मिली थी. गुरुवार की सुबह अचानक उसकी छाती में दर्द हुआ और वह बेहोश हो गया. इसके बाद उसे अनुमंडल अस्पताल तेनुघाट भेजा गया, जहां से चिकित्सक ने उसे बीजीएस रेफर कर दिया. यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी.

हायर एजुकेशन पीएम उषा योजना के तहत कॉलेज होंगे अपग्रेड, बढ़ेगी सुविधाएं

राष्ट्रीय औसत से 10.4% कम है नामांकन दर

रवि भारती। रांची

झारखंड में उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात राष्ट्रीय औसत से 10.4 फीसदी कम है. राष्ट्रीय औसत 26.4 फीसदी वहीं झारखंड के उच्च शिक्षण संस्थानों में सकल नामांकन अनुपात सिर्फ 18 फीसदी है. इसमें सुधार लाने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत सभी उच्चतर शिक्षण संस्थानों को बहुविषयक के रूप में विकसित किया जाना है. सकल नामांकन अनुपात को वर्ष 2025 तक 50 प्रतिशत करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है. इसी को देखते हुए उच्च शिक्षण संस्थानों में नामांकन दर बढ़ाने और गुणवत्ता में सुधार के लिए पीएम उषा (राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान) की शुरूआत की गई है. इसके लिए भारत सरकार और झारखंड सरकार के बीच एकरारनामा भी किया गया है. विभिन्न कॉलेजों के अपग्रेडेशन के लिए 24 करोड़ 67 लाख 32 हजार रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है.

सिदो-कान्हू यूनिवर्सिटी को मिले 6.63 करोड़ : वित्तीय वर्ष 2024-25 में पीएम-उषा के तहत सिदो-कान्हू यूनिवर्सिटी को छह करोड़ 63 लाख 97 हजार 700 रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है. इसके तहत एसपी महिला कॉलेज, दुमका में जी प्लस थ्री के एकेडेमिक भवन का निर्माण किया जाएगा. साथ ही अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी.

नीलांबर-पीतांबर यूनिवर्सिटी को 8.04 करोड़ : प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान के तहत नीलांबर पीतांबर यूनिवर्सिटी के जीएलए कॉलेज, डालटनगंज के अपग्रेडशन पर खर्च के लिए आठ करोड़ चार लाख 10 हजार 700 रुपये प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है. इस राशि से जी प्लस फोर का भवन बनाया जाएगा, जिसमें लाइब्रेरी भी रहेगी. इसके अलावा नीलांबर-पीतांबर यूनिवर्सिटी के सूरत पांडेय डिग्री कॉलेज में क्लास रूम, लाइब्रेरी और कंप्यूटर लैब स्थापित किया जाएगा. यह भवन जी प्लस टू होगा. इसके लिए चार करोड़ 99 लाख 91 हजार 500 रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है.

विनोबा भावे यूनिवर्सिटी को 4.99 करोड़ स्वीकृत : वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए विनोबा भावे यूनिवर्सिटी को कॉलेजों के अपग्रेडेशन के लिए चार करोड़ 99 लाख 32 हजार 100 रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है. इस राशि से वनांचल कॉलेज, टंडवा में एकेडेमिक भवन, क्लास रूम और लैब का निर्माण किया जाएगा. यह भवन जी प्लस टू होगा.

ब्रीफ खबरें

डोंकी ग्राम में वज्रपात से 10 पशु की मौत

लातेहार। मनिका प्रखंड के डोंकी ग्राम में गुरुवार को वज्रपात से 10 पशुओं की मौत हो गई है. इनमें यमुना सिंह के तीन, जयसर उरांव के तीन, धीरेंद्र सिंह के दो, राजू ठाकुर एक और सुरेश ठाकुर का एक पशु शामिल है. बताया जाता है कि सभी पशु खेतों में चार रहे थे, तभी तेज बारिश के साथ वज्रपात हो गई. अंचल निरीक्षक अमित कुमार ने बताया कि पशु चिकित्सा द्वारा पोस्टमार्टम रिपोर्ट भेजे जाने के बाद सरकारी मुआवजा का प्रावधान है. मुआवजा मिलेगा.

वज्रपात से कई दुकानों व घरों के उपकरण जले

मोहम्मदगंज। गुरुवार की दोपहर मोहम्मदगंज थाना क्षेत्र के मुख्य बाजार और आसपास के ग्रामीण इलाकों में बिना बारिश के अचानक वज्रपात की घटना से भारी नुकसान हुआ. इस वज्रपात से बाजार क्षेत्र स्थित मेहता इलेक्ट्रिकल दुकान में लगे कैमरे, बल्ब, और स्टैबलाइजर सहित कई उपकरण जलकर नष्ट हो गए. साथ ही मेहता वस्त्रालय के सभी बल्ब भी खराब हो गए हैं. इस वज्रपात की चपेट में आने से न केवल दुकानों को नुकसान पहुंचा, बल्कि सीएसपी केंद्रों और कई घरों के भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जल गए हैं.

पर्यटन स्थल विकास समिति की बैठक 25 को

कांडी। सतबहिनी विकास समिति की रविवार को एक विशेष बैठक बुलाई गई है. इसमें सभी कोटि के सदस्यों के साथ आम जनों से भी भाग लेने की अपील की गई है. झारखंड राज्य हिन्दू धार्मिक न्यास बोर्ड की एक निबंधित इकाई मां सतबहिनी झरना तीर्थ एवं पर्यटन स्थल विकास समिति के सचिव पं. मुरलीधर मिश्र ने जानकारी देते हुए कहा कि 25 अगस्त को कार्यालय प्रांगण में समिति की एक विशेष बैठक आहुत की गई है. इसमें समिति के विशिष्ट स्थायी सदस्य, स्थायी सदस्य व सामान्य सदस्यों के साथ आम जनों से भी भाग लेने का आग्रह किया गया है.

रजडेरवा उमवि का हाल : 2016 से ही एक शिक्षक ही बच्चों को पढ़ा रहे हैं

स्कूल में एक शिक्षक के भरोसे 115 बच्चों का भविष्य

कुमार राज। सतबरवा

सतबरवा प्रखंड क्षेत्र के उत्क्रमित मध्य विद्यालय रजडेरवा में एक शिक्षक के भरोसे 115 बच्चों का भविष्य गढ़ा जा रहा है. एक शिक्षक 115 बच्चों को कैसे पढ़ाते होंगे और बच्चे कैसी शिक्षा ग्रहण कर रहे होंगे, यह सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है. गांव के कुंदन कुमार ने कहा कि नेताओं को सिर्फ वोट चाहिए. गरीबों के बच्चों से उन्हें क्या लेना-देना है. चुनाव के समय सिर्फ बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं, पर हकीकत में वादे-वादे ही बनकर रह जाते हैं. किसी भी सरकार को गरीबों के बच्चों से प्यार नहीं है. कोई भी गरीबों का उत्थान नहीं चाहते हैं. जितेंद्र चौधरी ने कहा कि सरकार की मंशा गरीबों के बच्चों को शिक्षित करना नहीं है. अगर होती तो क्लास एक से 8 में आज एक शिक्षक के भरोसे 115 बच्चे नहीं रहते. अगर सरकार में जरा सी भी नीयत साफ हो, तो विद्यालय में शिक्षक की बहाली कर दे.

बच्चों को पढ़ाते शिक्षक.

क्या कहते हैं विद्यालय के शिक्षक सह हेडमास्टर

विद्यालय के एचएम विनोद चौधरी ने कहा कि क्लास एक से आठ तक में 115 बच्चों का नामांकन है. इसमें उपस्थिति करीब प्रतिदिन 80 बच्चों की है. पहले दो पारा शिक्षक हुआ करते थे. 2016 में एक पारा शिक्षक का चयन सरकारी शिक्षक के रूप में हुआ. उसे विभाग ने दूसरे विद्यालय में पदस्थापित कर दिया. 2016 से मैं अकेला इस विद्यालय में पढ़ा रहा हूं. और शिक्षक देने के लिए सतबरवा बीपीओ को लिखित आवेदन दिया पर आज तक उस आवेदन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई. मैं अकेला शिक्षक होने के कारण कहीं आ- जा नहीं सकता.

बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को लेकर कार्यशाला का आयोजन

फसल बीमा के लिए किसानों को देना होगा सिर्फ एक रुपया

- नामांकन की अंतिम तारीख 31 अगस्त

संवाददाता। गढ़वा

डीडीसी पशुपतिनाथ मिश्रा की अध्यक्षता में गुरुवार को समाहरणालय के सभाकक्ष में बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को लेकर जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया. कार्यशाला के माध्यम से फसल बीमा योजना के तहत प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया. इस दौरान उपस्थित सभी लोगों को प्रोजेक्टर के माध्यम से योजना की संपूर्ण जानकारी दी गई. मौके पर डीडीसी ने कहा कि कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग अंतर्गत किसानों की बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत खरीफ फसल 2024 के लिए फसल बीमा कराया जा रहा है. फसल बीमा के लिए आवेदक किसानों को बैंक खाते के सत्यापन के लिए टोकन राशि के रूप में किसानों को सिर्फ एक रुपया देना होगा. इससे छोटे और मध्यम वर्ग के किसानों को फायदा होगा व ज्यादा से ज्यादा किसानों को इसका लाभ मिलेगा, यह योजना चालू है, इसके लिए ऋणी किसान, अधिसूचित बैंक ग्रामीण बैंक के द्वारा केसीसी धारक किसानों का बीमा कराया जायेगा व गैर ऋणी किसान सहकारी शाख समितियों झारखण्ड राज्य सहकारी बैंक, प्रज्ञा केंद्र व इस योजना के पोर्टल www.pmfby.gov.in पर ऑनलाइन स्वतः आवेदन फार्मर लॉगिन के माध्यम से किया जा सकता है. आवेदन करने की अंतिम तिथि 31अगस्त तक है. झारखंड सरकार ने बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लिए किसानों का पंजीकरण शुरू किया है. पंजीकरण कराने में आधार कार्ड, पासबुक की छायाप्रति, भूमि स्वामित्व संबंधी प्रपत्र, बटाई प्रमाण पत्र (बटाई कृषक होने पर) फसल बुआई का स्व-सत्यापित प्रमाण पत्र एवं मोबाइल नंबर वांछित है.

डीडीसी ने मौके पर उपस्थित सभी बीडीओ, एटीएम, बीटीएम, किसान मित्र, एफपीओ समेत अन्य संबंधितों से इस योजना का व्यापक प्रचार प्रसार करने व लोगों को इसके बारे में ज्यादा से ज्यादा जानकारी देते हुए योजना के अंतर्गत फसल बीमा कराने की अपील की। साथ ही योजना से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए जिला सहकारिता कार्यालय एवं प्रखंड कार्यालय या कृषि रक्षक का टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 14447 पर संपर्क करने की बात कही. मौके पर जिला जिला परिषद अध्यक्ष शांति देवी, जिला परिषद सदस्य -सह-कृषि एवं उद्योग समिति के सभापति शंभू राम, जिला सहकारिता पदाधिकारी नीलम कुमारी, जिला योजना पदाधिकारी संजीव कुमार सिंह, जिला कृषि पदाधिकारी शिव शंकर प्रसाद, सभी प्रखंड कृषि पदाधिकारी, एटीएम, बीटीएम, एफपीओ, किसान मित्र, एचडीएफसी एर्गो कंपनी के प्रतिनिधि, पलामू सांसद के प्रतिनिधि आदि उपस्थित थे.

दीप प्रज्वलित कर कार्याशाला का उदघाटन करते डीसी पशुपतिनाथ मिश्रा व उपस्थित अन्य लोग.

बारिश से सड़क क्षतिग्रस्त, आवागमन हो सकती है बाधित

लातेहार। जिला मुखिया संघ के अध्यक्ष सुभाष सिंह ने लातेहार के उपायुक्त से पत्राचार किया है. उन्होंने अपने पत्र में बताया है कि गारू-मेदिनीनगर मुख्य पथ पर स्थित गेठा स्कूल के पास बारिश के कारण सड़क के किनारे की मिट्टी बह गई है. अगर इसे दुरुस्त नहीं किया गया तो आवागमन पूरी तरह बंद हो सकता है. उन्होंने कहा कि वर्तमान में इस मार्ग पर छोटे-बड़े वाहनों के अलावा आने-जाने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. सड़क के किनारे की मिट्टी के बहाव से सड़क के किनारे बड़े गड्ढे हो गए हैं, जिससे वाहनों के लिए इस मार्ग पर चलना बेहद जोखिम भरा हो गया है. पत्र में उन्होंने सड़क की वर्तमान स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा है कि अगर जल्द ही इस सड़क की मरम्मत नहीं की गई तो आने वाले दिनों में यहां आवागमन पूरी तरह से बाधित हो सकता है. उन्होंने कहा कि यदि बारिश जारी रही तो सड़क की स्थिति और भी खराब हो सकती है, जिससे गारू से मेदिनीनगर जाने वाले यात्रियों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा. सिंह ने उपायुक्त से आग्रह किया है कि सड़क की मरम्मत का कार्य को प्राथमिकता दी जाए ताकि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और उन्हें होने वाली असुविधा से बचाया जा सके.

- मुखिया संघ के अध्यक्ष सुभाष सिंह ने उपायुक्त को लिखा पत्र

एसपी को सौंपा ज्ञापन, न्याय दिलाने की लगायी गुहार

लातेहार। जिले के चंदवा थाना क्षेत्र के चकला मोड़ के समीप एक घर के बरामदे में फांसी के फंदे से झूलता हुआ युवती का शव बरामद किया गया था. इस कांड में एक नया मोड़ आ गया है. मृतका की मां ने गुरुवार को पुलिस अधीक्षक, लातेहार को एक ज्ञापन सौंप कर कहा कि उसकी बेटी ने आत्महत्या नहीं की थी, बल्कि उसके साथ दुष्कर्म व हत्या कर शव को घर के सामने लटका दिया दिया था. उन्होंने अपने आवेदन में बालूमाथ थाना क्षेत्र के एक युवक शाहरूख खान पर उसकी बेटी की हत्या कर फंदे से टांगने का आरोप लगाया. उसने अपने आवेदन में कहा कि 18 अगस्त की रात करीब 11:30 बजे रात में जब उसकी नींद खुली तो देखा कि उसकी 16 वर्षीय पुत्री बिस्तर पर नहीं है. जब उसकी खोजबीन वह करने लगी तो देखा कि उसकी बेटी घर के बाहर बने बरामदे में ओढनी से लटकी मिली.

बांस आधारित रोजगार की असीम संभावनाएं : साकेत

संवाददाता। लातेहार

वाटर बैंक संस्थान द्वारा नेतरहाट में 30 दिवसीय बांस प्रशिक्षण का आयोजन किया गया. गुरुवार को इसका समापन हुआ. इस प्रशिक्षण में ग्रामीणों को बांस से टेबुल, कुर्सी व अन्य उपयोगी घरेलू सामग्रियां बनाने का प्रशिक्षण दिया गया. इस प्रशिक्षण का आयोजन भारत सरकार के राष्ट्रीय बांस अभियान के द्वारा नार्थ ईस्ट कैन एंड बंबू डेवलमेंट कांउसिल के सहयोग से आयाजित किया गया. वाटर बैंक के अध्यक्ष साकेत कुमार ने कहा कि नेतरहाट व छेछाड़ी इलाके में बांस के माध्यम से रोजगार व स्वरोजगार की असीमित संभावनाएं हैं. लातेहार जिले को प्रकृति केंद्रित विकास का आदर्श बनाने में यह पहली सोपान है. लातेहार जिले में बांस के प्राकृतिक वास के लिए अनुकूल प्राकृतिक परिवेश है. अगले पांच सालों में दस हजार परिवारों को बांस अभियान से जोड़ने का लक्ष्य है. उन्होने बताया कि वाटर बैंक संस्थान बांस के उपर कार्यरत इन राष्ट्रीय संसथाओं के सहयोग से नेतरहाट के ताहिर गांव में बांस प्रसंस्करण व प्रौद्योगिकी केंद्र की स्थापना की है. इस केंद्र में कच्चे बांस के उपचार करने से ले कर बांस से विभिन्न वस्तुओं को बनाने की उपकरणों की व्यवस्था की गयी है. प्रशिक्षण में असम से आये बांस प्रशिक्षक आकाश देका व प्रणव दुहोतिया ने ग्रामीणों को प्रशिक्षण दिया. वाटर बैंक के स्वयंसेवी परदीप सिंह ने इस मासिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन के दौरान स्थानीय व्यवसायियों के उत्साह का आंकलन करते हुए कहा कि नेतरहाट में बांस आधारित सामगियों की मांग बढ़ी है.

खेत में पशु चराने पर दो पक्षों में मारपीट

हुसैनाबाद। हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के पिपरवार गांव में पशु चराने को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई. इसमें दोनों पक्ष के कई लोग घायल हो गए. सभी घायलों का इलाज हुसैनाबाद अनुमंडल अस्पताल में किया गया. मारपीट पिपरवार गांव निवासी हरेंद्र कुमार व सुबेदार बिगहा गांव निवासी जाफर अली खान के बीच खेत में पशु चले जाने को लेकर उत्पन्न विवाद में दोनों पक्षों के बीच जमकर लाठी-डंडे से एक दूसरे पर प्रहार किया गया. इस संबंध में प्रथम पक्ष के हरेंद्र कुमार ने हुसैनाबाद थाना में जाफर अली खान समेत 12 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है. दर्ज प्राथमिकी में कहा है कि मेरा एक दो पशु घास चरते-चरते जाफर अली के धान के खेत में चला गया था. यह पूछा गया कि खेत से पशुओं को लेकर कहां जा रहे हो. इतना सुनते ही जाति सूचक शब्द का प्रयोग करते हुए पीटना शुरू कर दिया. कुछ देरी के बाद जाफर अली खान समेत 10-12 लोग हमारे घर में घुसकर घर की महिलाओं के साथ छेड़छाड़ करने लगे. गांव के लोगों को आता हुआ देखकर सभी लोग वहां से फरार हो गए. वहीं जाफर अली खान ने दर्ज प्राथमिकी में कहा है कि हमारे खेत में जानवर घुसा था.

बेहतर सड़क कनेक्टिविटी से एक भी गांव नहीं रहेगा वंचित : मंत्री

संवाददाता। गढ़वा

गढ़वा विधानसभा क्षेत्र में लगभग 17 करोड़ रुपये की लागत से तीन सड़कों का निर्माण किया जाएगा. ग्रामीण कार्य विभाग झारखंड सरकार ने इसकी स्वीकृति प्रदान कर दी है. इनमें मेराल प्रखंड में दो व गढ़वा प्रखंड में एक सड़क का निर्माण कार्य शामिल है. शीघ्र ही निविदा की प्रक्रिया पूर्ण कर निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा. इसकी जानकारी देते हुए गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने बताया कि मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना से गढ़वा प्रखंड में एनएच 75 से छतरपुर तक 10 करोड़ 33 लाख 93 हजार 400 रुपये की लागत से 9.07 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण किया जाएगा, जबकि मेराल प्रखंड में रजबंधा पीएमजीएसवाई रोड देवी मंडप से भंडार बस्ती होते हुए भंडार स्कूल तक 3 करोड़ 95 लाख 27 हजार 600 रुपये की लागत से 3.23 किलोमीटर और गढ़वा मझिआव मुख्य पथ अटौला स्टैंड से कुम्हार टोली होते हुए औरइया मोड़ पीडब्ल्यूडी तक दो करोड़ 95 लाख 98 हजार 700 रुपये की लागत से 2.45 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण किया जाएगा.

मंत्री ठाकुर ने कहा कि बेहतर सड़क की कनेक्टिविटी से गढ़वा का एक भी गांव वंचित नहीं रहेगा. प्रत्येक गांव व टोला तक आवागमन की बेहतर सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी. इस दिशा में काफी तेजी से काम हो रहा है. उन्होंने कहा कि सड़क ही विकास का आईना होता है. क्षेत्र में यदि अच्छी सड़क न हो तो अन्य विकास कार्य भी अधूरे लगते हैं. उन्होंने कहा कि गढ़वा में अब तक अधिसंख्य गांव में सड़क, पुल, पुलिया आदि का निर्माण किया जा चुका है. शेष बचे क्षेत्र में शीघ्र ही पूर्ण कर लिया जाएगा. मंत्री ने कहा कि उक्त सड़कों की स्थिति अत्यंत जर्जर थी.

- 17 करोड़ रुपये की लागत से होगा तीन सड़कों का निर्माण, राज्य सरकार ने दी स्वीकृति

ऐलान

जब तक मांगें नहीं होंगी पूरी, तब तक आंदोलन जारी रहेगा

मुफ्फस्सिल लिपिक मोर्चा की हड़ताल जारी

संवाददाता। लातेहार

झारखंड राज्य मुफस्सिल लिपिक मोर्चा, झारखंड के आह्वान पर गुरुवार को नौवें दिन भी झारखंड राज्य शिक्षा विभाग के क्षेत्रीय कार्यालय, मुफस्सिल कार्यालय एवं सरकारी माध्यमिक विद्यालय प्लस टू लिपिकों की हड़ताल जारी रही. जिला अध्यक्ष कुमार गौरव ने बताया कि नियुक्ति तिथि से ग्रेड वेतन 2400 व एक समान प्रोन्नति व सेवा शर्त प्रदान करने की मांग को ले कर यह अनिश्चितकालीन हड़ताल की जा रही है. उन्होंने कहा कि जब तक दो सूत्री मांगों को पूरा नहीं किया जायेगा, आंदोलन जारी रहेगा. मौके पर जिला अध्यक्ष कुमार गौरव, जिला सचिव विजय कुमार, जिला उपाध्यक्ष ब्रजकिशोर ठाकुर, जिला कोषाध्यक्ष रोहित कुमार, मिथिलेश कुमार, संजय कुमार यादव, संजय मड़की, चंद्रशेखर प्रसाद सिंह, रोशनदान मिंज, राहुल कुमार, अरुण कुमार वर्मा, शुभम कुमार व प्रियंका कुमारी समेत कई लिपिक मौजूद थे.

हड़ताल पर नौवें दिन भी डटे रहे कर्मी.

मुनेश्वर सिंह का 16वां शहादत दिवस मना

पाटन (पलामू)। पाटन प्रखंड के राजकीय कृत उत्क्रमित मध्य विद्यालय प्रखंड कॉलोनी पाटन में सहायक अध्यापकों ने शहिद मुनेश्वर सिंह का 16वां शहादत दिवस मनाया गया. इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष हरेंद्र कुमार सिंह व संचालन सूरत राम ने की. मुख्य अतिथि आकलन सफल सह प्रशिक्षित सहायक अध्यापक संघ के प्रदेश अध्यक्ष ऋषिकांत तिवारी भी उपस्थित थे. श्री तिवारी ने कहा कि मुनेश्वर सिंह की शहादत को भुलाया नहीं जाएगा. वहीं हरेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि मुनेश्वर सिंह की कुर्बानी व्यर्थ नहीं जाने दिया जाएगा. मौके पर रोशन लाल यादव, विनोद सिंह, अखिलेश कुमार उर्फ मुन्ना, पूर्व अध्यक्ष जितेंद्र कुमार आदि मौजूद थे.

सीएम के कार्यक्रम का विरोध करने जा रहे आजसू छात्र नेता पुलिस हिरासत में

संवाददाता। मेदिनीनगर

चियांकी में आयोजित सीएम के कार्यक्रम का विरोध करने जा रहे आजसू छात्र संघ व आजसू पार्टी के नेताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है. हिरासत में लिए गए नेताओं में आजसू पार्टी केन्द्रीय सचिव बिकेश शुक्ला व बिजय मेहता, आजसू छात्र संघ के अभिशेख राज, हिमांशु रंजन, बिपिन शुक्ला, प्रियांशु राज, आयुष अंशू, राहुल मिश्रा आदि शामिल हैं. आजसू नेताओं ने कहा कि झुठा वादा व फरेब नौटंकी पर चलने वाली झारखंड सरकार के मुखिया का विरोध जारी रहेगा.

विरोध कर काला झंडा दिखाने पहुंचे आजसू नेताओं की

कक

गिरफ्तारी लोकतंत्र को गला घोंटना है. आजसू पार्टी के केन्द्रीय सचिव सतीश कुमार ने कहा कि राज्य को कलंकित करनेवाले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जो सत्ता संभालने से आज तक झूठ-लूट तिकड़म का सहारा लेकर सरकार चलानेवाले ने युवा, महिलाओं, झारखंड आंदोलनकारियों, किसान-मजदूरों को ठगा है. पूर्व में आपकी सरकार आपके द्वार की नौटंकी कर चुके अब मंईयां सम्मान योजना का ड्रामा कर रहे हैं.

न्यूज अपडेट

पर्यावरण संरक्षण के लिए पेड़ लगाना आवश्यक

लातेहार। वन विभाग के सहयोग से पूर्व वार्ड पार्षद मनोज कुमार गुप्ता ने गुरुवार को शहर के स्टेशन क्षेत्र स्थित आश्रय गृह व इसके आसपास के क्षेत्रों में 100 फलदार पौधे लगाए. वन विभाग के साथ साथ उन्होंने भी इसके देखरेख की जिम्मेदारी ली. इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पौधे हमारे लिए जीवनदायनी है. प्रकृति संरक्षण से ही हम सभी का जीवन बच सकता है. उसकी सुरक्षा करना हम सबकी की जिम्मेवारी है.उन्होंने कहा कि वार्ड छह में सामाजिक स्तर पर ज्यादा से ज्यादा पौधारोपण करने एवं वृक्षों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है. श्री गुप्ता ने कहा कि आज पर्यावरण असंतुलन का मुख्य कारण पेड़ों की अंधाधुंध कटाई है.

दिवंगत पारा शिक्षक मुनेश्वर को याद किया गया

लातेहार। कोलेबिरा, सिमडेगा के पारा शिक्षक स्वर्गीय मुनेश्वर सिंह की पुण्यतिथि पर 22 अगस्त को उन्हें श्रद्धांजलि और पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गयी. लातेहार सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा के जिला अध्यक्ष अतुल कुमार और महासचिव अनूप कुमार ने कहा कि आज ही के दिन 2007 में पारा शिक्षकों के आंदोलन के क्रम में पुलिस के लाठी चार्ज से घायल हो गए थे और इलाज के दौरान उनका निधन हो गया था. प्रतिवर्ष आज के दिन पारा शिक्षक शहादत दिवस मनाते हैं और उन्हें याद करते हैं. उत्क्रमित उच्च विद्यालय, करकट के प्रभारी मोहन प्रसाद ने कहा कि प्राथमिक शिक्षा में पारा शिक्षको का बहुत महत्वपूर्ण योगदान शुरू से रहा है. मुनेश्वर सिंह की शहादत को सदा याद रखा जाएगा.

अगस्त माह में औसत से अधिक बारिश: डीएओ

लातेहार। जून व जुलाई के सुखाड़ के बाद अगस्त माह में औसत से अधिक बारिश हो चुकी है. अगस्त माह का औसत वर्षापात 388.8 मिलीमीटर है. जबकि इन 20-22 दिनों में अब तक 431.3 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है. इस आशय की जानकारी देते हुए जिला कृषि पदाधिकारी (डीएओ)अमृतेश कुमार सिंह ने बताया कि जिले में अब तक धान की 93 प्रतिशत धनरोपणी हो चुकी है. शेष इलाकों में धनरोपणी किया जा रहा है. अगस्त माह तक शत प्रतिशत धनरोपणी हो जायेगी. उन्होने बताया कि जिले में मक्का का 96 प्रतिशत, दलहन का 69 प्रतिशत और तिलहन का 51 प्रतिशत बुआई किया जा चुका है. किसान नागेश्वर यादव व पंकज प्रसाद ने बताया कि पहले तो लगा था कि इस साल मानसून दगा दे देगी.लेकिन जुलाई के अंतिम सप्ताह से अच्छी बारिश हो रही है. बारिश अभी भी लगतार हो रही है. लेकिन बारिश अधिक हुई तो मक्का और दलहन की फसल को नुकसान पहुंचेगा.

छात्रों को सुविधा देने में भी विफल है सरकार :विनीत

मेदिनीनगर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर लोगों को चलने का आरोप लगाया है. परिषद के राष्ट्रीय प्रादेशिक विश्वविद्यालय सहसंयोजक विनीत पांडे ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार राज्य में व्याप्त शैक्षणिक अराजकता एवं गिरती शिक्षा व्यवस्था के लिए जिम्मेवार है. हेमंत सरकार ने बेरोजगारी भत्ता के नाम पर सिर्फ छात्रों को छलने का कार्य किया है. राज्य के सभी विश्वविद्यालय में व्याप्त शैक्षणिक अराजकता एवं सभी विभागों में व्याप्त घूसखोरी एवं जमाखोरी चरम पर है. राज्य के अधिकतर विश्वविद्यालय में कुलपति एवं प्रति कुलपति प्रभार के भरोसे चल रहा है. जेटेट के नाम पर छात्रों के पैसे का दोहन किया जा रहा है। 5 वर्षों के अंदर जितनी भी परीक्षाएं आयोजित हुई सभी परीक्षाएं संदेह के घेरे में है. युवा इस भ्रष्ट सरकार से परेशान है और आगामी विस चुनाव में बदलाव कर दिखाएंगे. परिषद के जिला संयोजक नितीश दुबे ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के कार्यों पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन छात्रों को मूलभूत सुविधा देने में भी असमर्थ हैं.

शिक्षिका आरती का असामयिक निधन, दी श्रद्धांजलि

शोकसभा आयोजित कर दो मिनट का मौन रख श्रद्धांजलि दी गई.

मेदिनीनगर। स्थानीय जनता शिवरात्रि महाविद्यालय के इंटरमीडिएट इकाई की मनोविज्ञान की शिक्षिका आरती सिंह का मस्तिष्क रक्तस्राव के कारण आकस्मिक निधन हो गया. उनके निधन पर महाविद्यालय परिसर में आयोजित शोकसभा में दो मिनट का मौन रख कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई और ईश्वर से उनके आत्मा की शांति की प्रार्थना की गई. महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एसके पांडेय ने कहा कि वह एक कर्तव्यनिष्ठ व मृदुभाषी शिक्षिका थीं. उनके असामयिक निधन पर पूरा महाविद्यालय परिवार स्तब्ध व शोकाकुल है. मौके पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक व शिक्षकेत्तर कर्मचारी उपस्थित थे. इधर, झारखंड अंगीभूत महाविद्यालय इंटरमीडिएट शिक्षक व शिक्षकेत्तर कर्मचारी मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष कमलेश कुमार पांडेय ने इंटरमीडिएट इकाई की शिक्षिका के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है और इसे संगठन और शिक्षा जगत के लिए अपूरणीय क्षति बताया है.

योग के अभ्यास से आयेगा जीवन में शुद्ध विचार

लातेहार। पतंजलि योग समिति, लातेहार की एक बैठक स्थानीय माको डाक बंगला में आयोजित की गयी. बैठक की अध्यक्षता जिला प्रभारी लाल रणविजय नाथ शाहदेव ने की. मौक पर बतौर मुख्य अतिथि राज्य प्रभारी रामजीवन पांडेय उपस्थित थे. उन्होने संबोधित करते हुए कहा कि पतंजलि का मुख्य उद्देश्य को जन जन तक पहुंचाना है. योग शिविर शिविर लगाना एवं लोगों को खान पान की शुद्धता के बारे में बताना है. उन्होने कहा कि योग के अभ्यास से ही जीवन में शुद्ध विचार आयेगें. स्वामी रामदेव ने पूरी दुनिया को निरोग बनाने का संकल्प लिया है और इसकी शुरूआत हो चुकी है.

ब्रीफ खबरें

विधायक भूषण बाड़ा ने दी बधाई

सिमडेगा । विधायक भूषण बाड़ा ने नवनियुक्त कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश से शिष्टाचार मुलाकात कर उन्हें बधाई दी. मौके पर विधायक ने उनका स्वागत किया, साथ ही झारखंड प्रदेश में स्वागत करते हुए शुभकामनाएं दी. विधायक ने कहा कि केशव महतो कमलेश को प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने से झारखंड में कांग्रेस कमेटी काफी मजबूत हुई है. आगामी विस चुनाव में नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष का अनुभव काम आएगा. निश्चित ही हर सीट पर कांग्रेस पार्टी एवं इंडिया गठबंधन प्रत्याशी को जीत मिलेगी. साथ ही राज्य में एक बार पुनः बहुमत के साथ सरकार बनेगी.

झारखंडी अधिकार मार्च का आयोजन

सिमडेगा । केंद्रीय समिति के निर्देशानुसार आज दिन के 11 बजे अल्बर्ट एक्का स्टेडियम में सिमडेगा झामुमो जिला समिति द्वारा झारखंडी अधिकार मार्च का आयोजन कार्यक्रम में जिला के सभी केंद्रीय समिति सदस्य जिला के सभी जिला समिति के पदाधिकारी नगर समिति के अध्यक्ष सचिव एवं सभी पदाधिकारी जिला के सभी वर्ग संगठन के अध्यक्ष सचिव एवं पदाधिकारी सभी प्रखंड के अध्यक्ष सचिव एवं सभी पदाधिकारी, पंचायत अध्यक्ष, सचिव एवं सभी नेता एवं कार्यकर्ता को आने का आदेश दिया गया है.

फरार दो अभियुक्त को भेजा जेल

मयूरहंड (चतरा) । मायूरहंड पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के फरार दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. एनडीपीएस एक्ट के एक अभियुक्त को मयूरहंड पुलिस ने गिरफ्तार किया. जानकारी के अनुसार थाना कांड संख्या 49/23 के तहत एक अभियुक्त राजेंद्र दांगी तथा थाना कांड संख्या 48/24 के एक अभियुक्त राजेश दांगी को गिरफ्तार किया गया.

बिजली चोरी के मामले में चार पर केस दर्ज

भंडरा/लोहरदगा । जिले के भंडरा प्रखंड क्षेत्र में अवैध रूप से बिजली चोरी कर लाइन कनेक्शन मामले पर सहायक विद्युत अभियंता मोहम्मद जिशान के नेतृत्व में भंडरा प्रखंड के मसमानो पंचायत अंतर्गत टोटो गांव में बिजली चोरी के खिलाफ छापेमारी अभियान चलाया गया. इस बीच बिजली चोरी करते हुए भंडरा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम टोटो निवासी जितेश्वर भगत, मनसा उरांव, विजय उरांव, मंगलेश्वर उरांव को पकड़ा गया. तत्पश्चात अवैध बिजली चोरी करने वाले लोगों के विरुद्ध बिजली चोरी का केस भंडरा थाना में एसडीओ मोहम्मद जिशान के द्वारा दर्ज कराया गया.

जांघिया विवाद में दो भाइयों में मारपीट

सतबरवा । सतबरवा थाना क्षेत्र के पोंची गांव में बुधवार की शाम दो सहोदर भाई आपस में भिड़ गए. जिसमें एक ही परिवार के चार लोग घायल हो गए हैं. घायलों को तुंबागड़ा नवजीवन अस्पताल में सतबरवा पुलिस ने भर्ती कराया है. मारपीट जांघिया अदली-बदली को लेकर होने की बात कही जा रही है. बताया जा रहा है कि घर के छत पर रस्सी पर सुखाने के लिए जांघिया डाला गया था, जांघिया हेरफेर होने के कारण मारपीट की घटना को अंजाम दिया गया. थाना प्रभारी अंचित कुमार ने बताया कि दो भाइयों में मारपीट हुई है.

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का बीडीओ व सीओ ने किया शुभारंभ

संवाददाता । भंडरा/लोहरदगा

जिले के भंडरा प्रखंड मुख्यालय में गुरुवार को बीडीओ प्रतिमा कुमारी तथा सीओ दुर्गा कुमार के संयुक्त नेतृत्व में एक पेड़ मां के नाम अभियान का शुभारंभ किया गया. मौके पर बीडीओ प्रतिमा कुमारी ने कहा कि भारत सरकार के द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान का शुभारंभ किया गया है, जिसके तहत हर व्यक्ति को अपने घर और आस पड़ोस में अपने मां के नाम पर एक-एक पेड़ जरूर लगाएं ताकि आने वाले पीढ़ी के लिए यादगार बनाया जा सके. उन्होंने इस मुहिम में ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ने की अपील की. मौके पर सीओ दुर्गा कुमार ने कहा आपके द्वारा लगाया गया एक-एक पेड़ आने वाले पीढ़ी के लिए यादगार साबित होगा, साथ ही पेड़ लगाना और बचाना हमारा दायित्व है. वहीं मनीष अग्रवाल ने कहा कि पेड़ से जलस्तर सही रहता है और वायुमंडल में प्रदूषण की मात्रा कम होती है. उन्होंने कहा कि लगातार जंगल का काटना भी एक गंभीर मुद्दा है हमें लोगों को जागरूक करना होगा और पेड़ पौधे के संरक्षण हेतु हमें संकल्प लेने की जरूरत है हम प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी को निभाएंगे. इस अभियान के मौके पर आरिफ अंसारी, जलील अंसारी के अलावा प्रखंड कर्मी मौजूद थे.

सीएचसी में बहाली को लेकर सीएस से मिले भाजपा नेता

लोहरदगा । जिले के कुड़ प्रखंड क्षेत्र की जनता और ग्रामीणों के शिकायत पर भाजपा युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष सरजू कुमार साहू एवं मीडिया प्रभारी आदित्य साहू के संयुक्त नेतृत्व में लोहरदगा सिविल सर्जन डॉ अमरेंद्र नाथ डे से मिलकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुड़ में पुरूष डॉक्टर बहाल कराए जाने की मांग किया है. ज्ञात हो कि पिछले लंबे समय से सीएचसी कुड़ में कोई भी पुरुष डॉक्टर की स्थाई बैहाली नहीं हो पाई है. जिसके कारण पूरे प्रखंड के लोगों को स्वास्थ्य जांच कराने हेतु काफी परेशानी हो रही है. यहां पर बता दें कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुड़ में पुरुष डॉक्टरों के अभाव के कारण रेफरल अस्पताल बनकर रह गया है. जिससे यहां के मरीजों को भी काफी परेशानियों से जूझना पड़ रहा है. इधर, द्वेय भाजपा नेताओं को सीएस के द्वारा सकारात्मक पहल किए जाने का भरोसा दिलाया.

विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन, बोले जिला जज-

बुजुर्गों के साथ बैठकर बातें करें वे अकेलापन महसूस नहीं करेंगे

जिला विधिक सेवा प्राधिकार, सिमडेगा के तत्वावधान में वरिष्ठ नागरिकों के लिए 'अकेले नहीं हैं आप' थिम पर कार्यक्रम का हुआ आयोजन

संवाददाता । सिमडेगा

वरिष्ठ नागरिकों के लिए अकेले नहीं है आप कार्यक्रम का उद्घाटन करते अतिथिगण

संत जेवियर कॉलेज सामटोली, सिमडेगा में जिला विधिक सेवा प्राधिकार, सिमडेगा के तत्वावधान में विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस के अवसर पर वरिष्ठ नागरिकों के लिए अकेले नहीं है आप थिम पर कार्यक्रम आयोजन किया गया. संत जेवियर्स कॉलेज के विद्यार्थियों द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत शॉल ओढ़कर एवं पौधा देकर किया. कार्यक्रम की शुरुआत प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष, न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, सिमडेगा, अध्यक्ष स्थायी लोक अदालत, प्राचार्य संत जेवियर कॉलेज, सामटोली, सिमडेगा के द्वारा संयुक्त रूप से द्वीप प्रज्वलन कर किया गया.

प्रधान जिला जज-सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, राजीव कुमार सिन्हा के द्वारा वरिष्ठ नागरिकों को कानून द्वारा मिलने वाली सुविधाओं के बारे में बताया गया, साथ ही जिला विधिक सेवा प्राधिकार, सिमडेगा द्वारा जारी क्यू आर कोड के बारे में भी जानकारी दी गई. उन्होंने कहा कि यह वह दिन है, जब पूरी दुनिया बुजुर्गों के सम्मान में एक साथ खड़ी होती है. बुजुर्गों को सम्मान देकर उन्हें यह बताना है कि वह हमारे लिए कितने महत्वपूर्ण है. घर के बुजुर्गों के साथ बैठकर बातें करने से उन्हें अकेलापन महसूस नहीं होता है.

बुढ़ापे में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना होता है. अगर कोई बुजुर्ग करदाता है तो उन्हें सामान्य करदाता के मुकाबले कई सारी रियायत दी जाती है. एक निश्चित सीमा तक आयकर में छूट भी मिलती है. इसके साथ ही उन्हें हवाई यात्रा, रेल यात्रा, बस यात्रा, टेलीफोन बिल इत्यादि पर भी छूट दी जाती है. साथ ही वरिष्ठ नागरिकों के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी. साथ ही उन्होंने राज्य में प्रतिमाह सीनियर सिटीजंस को मिलने वाले पेंशन से संबंधित पोर्टल के बारे बताया.

वहीं, डीसी अजय कुमार सिंह ने 'वर्ल्ड सीनियर सिटीजन डे-अकेले नहीं हैं हम' कार्यक्रम के दौरान संबोधन करते हुए कहा कि जापान में विश्व की सबसे ज्यादा बुजुर्ग वाला देश है जापान में वरिष्ठ नागरिकों के लिए चल रहे इकी गाय के बारे विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि आज के चैलेंजेस में सीनियर सिटीजन की समाज में उनके प्रति किस तरह के विचार की आवश्यकता है. उन्होंने कॉलेज की नई युवा पीढ़ी को अपने घर परिवार आस-पड़ोस दादा दादी सीनियर सिटीजन की किस तरह से देखभाल करने की आवश्यकता है जिसे के बारे में बताया.

इसके अलावा पुलिस अधीक्षक, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष, सचिव, अधिवक्ता भूषण सिंह के द्वारा वहां उपस्थित विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली सुविधाओं एवं अन्य जानकारियों के बारे में बताया गया. मौके पर कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन मरियम हेमरोम, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, सिमडेगा के द्वारा किया गया.

पीवीटीजी योजना के तहत खाद्यान्न वितरण की समीक्षा बैठक संपन्न, दिए गए निर्देश

संवाददाता । लोहरदगा

समीक्षात्मक बैठक की अध्यक्षता करते डीडीसी.

उप विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत की अध्यक्षता में आपूर्ति विभाग की बैठक समाहरणालय सभागार में आयोजित हुई. इस बीच बैठक में सर्वप्रथम जिला में एनएफएसए, हरा राशन कार्ड अंतर्गत प्राप्त खाद्यान्न वितरण, चना दाल का वितरण, एनएफएसए अंतर्गत राज्य में लोहरदगा जिला में खाद्यान्न वितरण की स्थिति, प्रखंडों में खाद्यान्न वितरण की स्थिति, हरा राशन कार्ड अंतर्गत वितरण किये गए. खाद्यान्न की स्थिति, पीवीटीजी डाकिया योजना से संबंधित लाभुकों के बीच खाद्यान्न वितरण की स्थिति, धोती, लुंगी, साड़ी वितरण की स्थिति समेत अन्य की समीक्षा की गई. उप विकास आयुक्त द्वारा खाद्यान्न का 100 प्रतिशत वितरण, पीवीटीजी डाकिया योजना अंतर्गत छुटे हुए लाभुकों के बीच शत-प्रतिशत वितरण का निर्देश जिला आपूर्ति पदाधिकारी को दिया गया.

वहीं क्षेत्र में जहां नेटवर्क की दिक्कत हो रहा हो वहां पर नेटवर्क की सुविधा को ठीक करने के लिए भी कहा गया. जिससे लाभुकों को परेशानियों का सामना न करना पड़े. इसे लेकर धोती, लुंगी, साड़ी का वितरण भी 100 प्रतिशत कराए जाने का निर्देश दिया गया. बैठक में अपर समाहर्ता जीतेंद्र मुंडा, जिला आपूर्ति पदाधिकारी ज्ञान शंकर जायसवाल समेत अन्य उपस्थित थे.

सुनील अग्रवाल ने अध्यक्ष पद के लिए खरीदा पर्चा

लोहरदगा । जय श्रीराम समिति जिला चुनाव को लेकर अध्यक्ष पद के लिए सुनील अग्रवाल ने पेपर खरीद कर अपनी मजबूत दावेदारी पेश की है. ज्ञात हो की रमेश राय उर्फ गुड्डू ने भी पर्चा खरीद अपनी दावेदारी पेश की थी. अब सुनील अग्रवाल के मैदान में आ जाने से मुकाबला जबरदस्त होने की संभावना जताई जा रही है. यहां पर अब तक अध्यक्ष पद के लिए दो महामंत्री के लिए एक और कोषाध्यक्ष पद हेतु एक पर्ची की बिक्री हुई है. आगामी 22 सितंबर को होने वाली जय श्रीराम समिति की चुनाव कई मायने में महत्वपूर्ण मानी जा रही है. इधर अध्यक्ष पद हेतु पर्ची लेने के बाद सुनील अग्रवाल ने कहा कि मेरे रग-रग और मेरे तन-मन में भक्ति भाव कूट-कूटकर भरी है.

दहेज प्रताड़ना का आरोपी हुआ गिरफ्तार, भेजा गया जेल

संवाददाता । भंडरा/लोहरदगा

आरोपी

दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर पत्नी के साथ आए दिन मारपीट करने वाले आरोपी पति को बुधवार को भंडरा पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. थाना प्रभारी अरविंद सिंह ने बताया कि भंडरा क्षेत्र के एक गांव की युवती की शादी न्यू आजाद बस्ती लोहरदगा निवासी स्वर्गीय अयूब कुरैशी के पुत्र सुभान कुरैशी के साथ हुई थी. शादी के कुछ दिनों बाद से ही सुभान कुरैशी व उसके परिवार के लोग महिला से दहेज की मांग करने लगे थे. कई बार पीड़ित महिला के परिजनों ने उनकी मांगें भी पूरी की थी. लेकिन बाद में फिर से दहेज में अन्य सामान लाने के लिए उसे प्रताड़ित करने लगे. आरोप है कि ससुराल पक्ष के लोगों ने विवाहिता को मारपीट कर घर से निकाल दिया था, जिसके बाद पीड़िता ने भंडरा थाना में लिखित आवेदन देकर मामला दर्ज कराया था. जिसे बुधवार को भंडरा पुलिस ने दबिश देकर आरोपी सुभान कुरैशी को लोहरदगा न्यू आजाद बस्ती उसके घर पर धर दबोचा और उसे कोर्ट में पेश कर कांड संख्या 38/24 के तहत उसे न्यायिक हिरासत में लोहरदगा जेल भेज दिया गया.

पीएम जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान पीएम जनमन आज से

संवाददाता । लोहरदगा

जनजातीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार के निर्देश पर आज से आगामी 10 सितंबर तक प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान पीएम जनमन जिला के पीवीटीजी बस्तियों में चलाया जाएगा. इस अभियान में आधार कार्ड रजिस्ट्रेशन व जारी करना, पीएम जनधन के खाते खोलना, सभी पात्र लाभार्थियों का प्रधानमंत्री आयुष्मान कार्ड में निबंधन करना, सभी पीवीटीजी को सामूहिक प्रमाण-पत्र जारी करना, स्किल सेल रोग व अन्य बुनियादी रोगों की जांच करना, वन पट्टा जारी करना के साथ-साथ छात्रवृत्ति, केसीसी, पीएम किसान सम्मान निधि आदि योजनाओं से लाभुक को आच्छादित किया जाएगा. लोहरदगा समाहरणालय परिसर से सुबह 11.30 बजे पीएम जनमन जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा.

बीडीओ मनीष कुमार ने की अपील, बोले-

प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए वृक्षारोपण ही उपाय है

संवाददाता । मयूरहंड(चतरा)

पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक पेड़ मां के नाम की शुरुआत कर देशवासियों से पेड़ लगाने का अपील की गई थी. इस मुहिम के तहत बीडीओ मनीष कुमार, बीपीओ सतीश कुमार मिश्रा ने प्रखंड मुख्यालय व पंचायत सचिवालय मंझगावा, हरिजन जनता उच्च विद्यालय में पौधरोपण कर आम लोगों से एक पेड़ मां के नाम अभियान को सफल बनाने का अपील की.

मौके पर बीडीओ ने कहा कि पेड़ लंबे समय तक प्रदूषण मुक्त वातावरण की कुंजी है क्योंकि वे ऑक्सीजन प्रदान करने, हवा की गुणवत्ता में सुधार, जलवायु सुधार, जल संरक्षण, मिट्टी संरक्षण और वन्य जीवन का समर्थन करने के लिए जिम्मेदार हैं. इन सभी कारणों से वर्तमान परिदृश्य में वृक्षारोपण आवश्यक हो गया है, क्योंकि प्रदूषण चरम पर है. कुछ हद तक प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए वृक्षारोपण ही एकमात्र उपाय है. पेड़ों के बिना, पृथ्वी पर जीवन नहीं होता. इस मुहिम में नया सवेरा वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा कदगावांकला पंचायत सचिवालय समेत अन्य स्थानों पर एक पौधा मां के नाम मुखिया अशोक कुमार भुईयां के उपस्थिति में लगाया गया.फाउंडेशन के संस्थापक विशाल कुमार ने कहा कि एक माह के अंदर ही देश भर में करोड़ों पौधे लगाए गए हैं और यह अभियान 140 करोड़ पेड़ लगाने के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहा है.

जिले के वरीय अधिकारियों ने लगाए एक पेड़ मां के नाम

सिमडेगा । जलवायु परिवर्तन की समस्या से निजाद पाने और धरती को हरा-भरा करने के उद्देश्य से केंद्र सरकार की पहल एक पेड़ मां के नाम के तहत सिमडेगा जिले के सभी आला अधिकारियों ने गुरुवार को पौधारोपण किया. सिमडेगा, नगर परिषद कार्यालय परिसर में एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, सिमडेगा राजीव कुमार सिन्हा, उपायुक्त अजय कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक सौरभ, उप विकास आयुक्त संदीप कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी सुमंत तिर्की, सदर प्रखंड विकास पदाधिकारी समीर रनयर खलखो, अंचलाधिकारी मो. इम्तियाज सहित कई अधिकारियों ने पौधारोपण किए. प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सिमडेगा ने पेड़ों के महत्व बताते हुए कहा कि मां अपने एक बच्चों को बड़ा करने में जिस तरह से देखभाल करती है इस तरह से गुरुवार को पेड़ लगाकर देखभाल करने की आवश्यकता है.

सिमडेगा उपायुक्त ने किया जनता दरबार का आयोजन

संवाददाता । सिमडेगा

आम जनमानस के समस्याओं के समाधान और त्वरित निष्पादन को लेकर उपायुक्त अजय कुमार सिंह के द्वारा जनता दरबार का आयोजन किया गया. इस दौरान जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने जनता दरबार में आकर अपनी समस्याओं को डीसी के समक्ष रखा.

इस दौरान उपायुक्त महोदय ने वहां उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएं सुनी एवं आश्वस्त किया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जांच कराते हुए जल्द से जल्द समाधान किया जाएगा. उपायुक्त के जनता दरबार में जाति प्रमाण निर्गत करने, जवाहर नवोदय विद्यालय, कोलेबिरा से टीसी प्रमाण पत्र दिलाने, जमीन विवाद, दिव्यांग पेंशन दिलाने, डीप बोरिंग का पेमेंट भुगतान करने, हर घर नल जल योजना से पानी आपूर्ति करने, स्थानांतरण एवं अन्य विषयों से संबंधित मामले आये. उपायुक्त ने जनता दरबार में शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को सुनने के पश्चात सभी संबंधित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करने हेतु अग्रसारित किया.

मंत्री पुत्र रोहित उरांव ने हाजी मोहम्मद अफसर कुरैशी को दी बधाई

लोहरदगा । कांग्रेस विधायक दल के नेता सह मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव के पुत्र रोहित उरांव ने गुरुवार को मंत्री प्रतिनिधि हाजी अफसर कुरैशी के न्यू रोड स्थित आवास पर मिलकर, मंत्री प्रतिनिधि बनाए जाने पर उन्हें बधाई देते हुए उनके सुखद भविष्य की कामना की है. इस दौरान जफर इमाम, इरशाद आलम, मोहम्मद दानिश, रबील खान, काजू कुरैशी के द्वारा मंत्री पुत्र को शॉल ओढ़ाकर व बुके देकर सम्मानित किया. उल्लेखनीय है कि लोहरदगा शहरी क्षेत्र निवासी हाजी मोहम्मद अफसर कुरैशी को मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव के द्वारा अपना प्रतिनिधि मनोनीत किए जाने पर बधाइयों का सिलसिला जारी है. इसी क्रम में प्रियदर्शी उरांव ने उनके आवास पर पहुंचकर उन्हें बधाई दी है. मौके पर रोहित उरांव ने कहा है कि मंत्री की सोच है कि कांग्रेस सबकी पार्टी है इसमें सबका प्रतिनिधित्व होना चाहिए. देर से ही सही एक अच्छी परंपरा की शुरूआत हुई है.

घोषणा झारोटेफ के चंदवा और मनिका कमेटी का किया गया पुनर्गठन

अनिल कुमार बने झारोटेफ के प्रखंड अध्यक्ष

- नव मनोनीत पदाधारियों को जिला अध्यक्ष ने प्रमाण सौंपा

संवाददाता । लातेहार

राजकीय कृत प्लस टू उच्च विद्यालय रोल, चंदवा में झारखंड ऑफिर्सस टीचर्स एंड इंपलाइज फेडेरेशन (झारोटेफ) चंदवा और मनिका इकाई का पुनर्गठन किया गया. सर्वसम्मति से झारोटेफ का प्रखंड अध्यक्ष अनिल कुमार को बनाया गया. वहीं प्रखंड सचिव प्रमोद कुमार सिंह, उपाध्यक्ष गोपाल प्रसाद व प्रशांत कुमार शाहदेव, कोषाध्यक्ष रामलाल राम और संयुक्त सचिव सत्येंद्र राम व ईश्वर मिस्त्री को बनाया गया. इसके अलावा कार्यकारिणी सदस्यों में पौलुस केरकेट्टा, संतोष पासवान, विनीत कुमार, जगेश्वर गंझू, हरेकृष्ण किशोर, प्रिया कुमारी, राधिका कुमारी व श्यामपति कुमारी को शामिल किया गया. नव मनोनीत पदाधारियों को जिला अध्यक्ष व जिला संयुक्त सचिव सह प्रखंड प्रभारी द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया.

प्रखंड स्तरीय कर्मचारी चेतना जागरण कार्यक्रम का भी हुआ आयोजन

इससे पहले मनिका प्रखंड इकाई का भी गठन किया गया. सर्वसम्मति से मनिका प्रखंड अध्यक्ष नीरज कुमार, प्रखंड सचिव गोविंद पासवान, उपाध्यक्ष अनु कुमार रवि और राजेश कुमार गुप्ता, कोषाध्यक्ष विकास चंद्र और संयुक्त सचिव सुरेंद्र कुमार गुप्ता व उपेंद्र प्रजापति को बनाया गया. बैठक में जिला अध्यक्ष ने झारोटेफ के 11 सूत्री चार्टर्ड ऑफ डिमांड की जानकारी दी. मौके पर जिला अध्यक्ष एवं जिला संयुक्त सचिव मुख्य रूप से मौजूद थे. इसके अलावा सुरेंद्र उरांव, राजेश कुमार, सीमा श्रीवास्तव, शंकर उरांव, प्रदीप कुमार, अजय कुमार, शैलेश कुमार, रंजीत कुमार सहित कई शिक्षक मौजूद रहे. इस अवसर पर प्रखंड स्तरीय कर्मचारी चेतना जागरण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया. बैठक का संचालन प्रमोद कुमार सिंह ने किया.

कस्तूरबा गांधी विद्यालय के शिक्षकों का प्रशिक्षण शुरू

लातेहार। उपायुक्त गरिमा सिंह के निर्देश पर जिला शिक्षा विभाग और उगम एजुकेशन फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में जिले के सभी कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के शिक्षकों का दो दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ गुरूवार को किया गया. केजीबीवी की इंचार्ज रोज मिंज ने बताया कि जिला शिक्षा पदाधिकारी के कार्यालय के सभागार में आयोजित इस प्रशिक्षण शिवर में कस्तूरबा गांधी बालिका वि. और झारखंड बालिका आवासीय वि. के सभी शिक्षकों को 21वीं सदी के शिक्षण कौशल विकास पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है. भारत सरकार कक्षा छह से 12 तक की लड़कियों के लिए आवासीय विद्यालय चलाती है. झारखंड में 204 केजीबीवी और 57 जेबीएवी संचालित हैं.

आपके खून की कुछ बूंदें किसी को खुशियां दे सकती हैं : मोहसीन

संवाददाता । लोहरदगा

सदर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत रामपुर गांव की मरीज रबीना खातून को बुधवार रात 11 बजे ऑपरेशन के दौरान एक यूनिट ए पॉजिटिव खून की जरूरत थी और ब्लड व्यवस्था नहीं होने के कारण उनके पति रब्बानी अंसारी ने युवा नेता मोहसिन अंसारी से संपर्क किया. तत्पश्चात मोहसीन अंसारी ने उनकी परेशानी सुनकर पहल करते हुए 11 बजे रात में सदर अस्पताल लोहरदगा ब्लड बैंक पहुंच कर ब्लड बैंक के इंचार्ज उमेश जी से बात की फिर मोहसिन अंसारी ने अल्ताफ अंसारी से संपर्क किया. अल्ताफ ने सदर अस्पताल पहुंचकर मरीज रबीना खातून को एक यूनिट खून देकर जान बचाई गई. इस बीच युवा नेता मोहसीन अंसारी ने कहा कि समाचार पत्रों के माध्यम से इलाके के लोगों से अपील करता हूं कि आप लोग भी रक्तदान कर गरीबों की मदद करें. खून देने से डरने या घबराने की जरूरत नहीं है बल्कि जरूरतमंद लोगों को खून देना सौभाग्य की बात है. मौके पर अफसर, अंसारी, जुनैद अंसारी, आसिफ कुरैशी शाहबाज़ अंसारी आदि लोग मौजूद थे.

संत कोलंबस कॉलेज के एनसीसी कैडेट्स 10 दिवसीय कैंप में भाग लेने के लिए रवाना

अनुशासन जीवन का अहम हिस्सा : डॉ सुशील कुमार टोप्पो

संवाददाता। हजारीबाग

संत कोलंबस कॉलेज के 28 एनसीसी कैडेट्स को 22 से 31 अगस्त तक चलने वाले वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के लिए गुरुवार को पूर्व प्राचार्य डॉ. सुशील कुमार टोप्पो, डॉ. अमित अमर सोरेन और कंपनी कमांडर ले. डॉ. एसके पांडेय ने संयुक्त रूप से शुभकामना संदेश देकर रवाना किया. 22 झारखंड बटालियन एनसीसी के कर्नल हरमीत सिंह के नेतृत्व में लगाए जा रहे इस कैंप में लगभग 500 कैडेट्स भाग लेंगे. कैंप गवर्मेंट पॉलीटेक्निक कॉलेज, सिलवार में लगाया जा रहा है. 10 दिवसीय शिविर में छात्रों को शस्त्र-प्रशिक्षण, निशानेबाजी, ड्रिल कंपटीशन, खेलकूद तथा विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाएगा.

कैडेट को रवाना करते पूर्व प्राचार्य डॉ. सुशील कुमार टोप्पो, डॉ. अमित अमर सोरेन व कंपनी कमांडर ले. डॉ. एसके पांडेय.

इस अवसर पर कैडेटों को विदा करते हुए डॉ. सुशील टोप्पो ने कहा कि एनसीसी अपने अनुशासन और कार्य के प्रति निष्ठा एवं प्रतिबद्धता के लिए जाना जाता है. एनसीसी आपके जीवन का अहम पड़ाव है. आप कैंप में जो कुछ भी सीखें अपने जीवन में उसे उतार कर समाज को लाभान्वित करें. उन्होंने अपने जीवन के एनसीसी अनुभव भी साझा किए. भूगोल विभाग के अध्यक्ष सह कॉलेज स्पोर्ट्स बोर्ड के निदेशक रेवरेंड अमित अमर सोरेन ने कहा कि हमने एनसीसी से ही अनुशासन सीखा है. आप सब कैडेट्स इसे जीवन में उतार कर अच्छे नागरिक का फर्ज निभा सकते हैं.

कैडेटों को कैंप के दौरान अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने की सलाह

कमांडर ले. पांडेय ने कैडेटों को कैंप के दौरान अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने की सलाह दी. साथ ही कहा कि वे इस कैंप में कम संसाधनों में कैसे जटिल परिस्थितियों से पार पाए और अनुशासन के मुख्य आयामों को सीखें. शिविर का मुख्य आकर्षण प्रतिष्ठित व्यक्तियों द्वारा दिए जाने वाले व्याख्यान होंगे. साथ ही, कैडेटों को बी और सी सर्टिफिकेट के लिए तैयार करना, व्यक्तित्व विकास के अवसर प्रदान करना, सामाजिक कार्य, जल संकट और पर्यावरण, स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति कैडेटों में रुचि पैदा करना भी इसका उद्देश्य है. बताते चलें कि आगामी रिपब्लिक डे कैंप के ड्रिल इवेंट में कर्तव्य पथ का चयन भी इसी कैंप के दौरान किया जायेगा. इस दौरान अंडर ऑफिसर अमन कुमार पांडेय, सार्जेंट रेशमी, कॉरपोरल विकाश कुमार कैडेट श्रवण, अभिनंदन और अन्य कैडेट्स उपस्थित रहे.

प्रखंड सह अंचल कार्यालय में किया गया पौधरोपण

पौधरोपण के लिए जुटे लोग.

संवाददाता। केरेडारी

प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत हलदर एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया. पौधरोपण अभियान के तहत प्रखंड परिसर में प्रमुख सुनीता देवी, प्रखंड विकास अधिकारी अमित कुमार, उप प्रमुख अमेरिका महतो, विधायक प्रतिनिधि सुरेश साव ने एक पेड़ मां के नाम अभियान शुरू किया गया. प्रमुख ने बताया कि हर एक व्यक्ति को पौधे लगाने चाहिए, जिससे वातावरण शुद्ध हो सके.

प्रखंड विकास अधिकारी अमित कुमार ने बताया कि पूरे प्रखंड में अभी तक 66 एकड़ में पौधरोपण की प्रक्रिया चल रही है और अभी प्रखंड में एक पेड़ मां के नाम अभियान सितंबर माह तक चलेगा और जिन व्यक्ति को बागवानी करनी हो पौधों के लिए ब्लॉक में आकर संपर्क कर सकते हैं.

ब्रीफ खबरें

स्कूल बैग व नोट बुक का किया गया वितरण

केरेडारी। एनटीपीसी की केरेडारी कोयला खनन परियोजना में कोयला खनन का कार्य कर रही बीजीआर मानिइंग एंड इंफ्रा कम्पनी और रोटरी क्लब हैदराबाद द्वारा सीएसआर मद से परियोजना से विस्थापित बसारिया गांव स्थित उत्क्रमित उच्च विद्यालय बसरिया में अध्ययनरत 850 छात्र-छात्राओं के बीच स्कूल बैग व नोट बुक का वितरण गुरुवार को किया गया. इस मौके पर बीजीआर कम्पनी के जीएम श्रीनिवास रॉव, विद्यालय के प्रधानाध्यापक विजय कुमार, मुखिया बजरंगी, रोटरी क्लब, की अध्यक्ष बेली कुमारी, प्रबंधक बाला कोटि रेड्डी, बीजीआर के सत्यनारायण चकित मौजूद थे.

बरकाकाना में मेंस पार्लर का उद्घाटन

रामगढ़। मार्केट कॉम्प्लेक्स नगर परिषद बरकाकाना में अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस रॉयल मेंस पार्लर का उद्घाटन किया गया. इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि थाना प्रभारी बरकाकाना मो अख्तर अली मौजूद थे. उन्होंने कहा कि कोई भी काम छोटा नहीं होता है. उन्होंने ईमानदारी से मेहनत करने की सलाह दी ताकि ग्राहक संतुष्ट होकर जाए. प्रोपराइटर इमरान रज़ा खान ने बताया कि इस नए तरह के सैलून में आपकी भी खूबसूरती निखरेगी. मौके पर मौलाना हबीब आलम, इम्तियाज़ अंबर, मो शाहिद, मनोज यादव, दुर्वेज आलम, जावेद आलम, वारिस खान, नवाब खान, आरिफ खान, मोबिन खान आदि मौजूद थे.

स्थानीय प्रशासन व ग्रामीणों के संयुक्त प्रयास ने दी महिला को नई जिंदगी

पत्थरों के बीच फंसी महिला मशक्कत के बाद निकाली गई

संवाददाता। हजारीबाग

कटकमसांडी प्रखंड के अंतर्गत आने वाली शाहपुर पंचायत के एक छोटे से गांव शाहपुर टोला डिबलबनथ में महोड़ा पहाड़ की ऊंचाई पर पत्थरों के बीच में फंसी महिला को स्थानीय प्रशासन व ग्रामीणों के संयुक्त प्रयास और कड़ी मशक्कत के बाद शाम चार बजे सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया. इससे पहले बृहस्पतिवार की सुबह यह चौंकाने वाली घटना उस वक्त सामने आई जब चरवाहों ने उक्त पहाड़ पर एक व्यक्ति पत्थरों के बीच में फंसा पाया. जिसका केवल पांव दिखाई बाहर दिखाई दे रहा है. इस रहस्यमयी घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी, और स्थानीय लोग और प्रशासन इस व्यक्ति को बचाने के लिए हर संभव प्रयास करने में जुट गए.

बताते चलें कि महोड़ा पहाड़ अपनी दुर्गमता और विशाल पत्थरों के लिए प्रसिद्ध है. घटनाक्रम के अनुसार, गांव के कुछ लोग जब पहाड़ की ओर गए, तो उन्हें वहां एक व्यक्ति का पैर दिखाई दिया, जोकि बड़े पत्थरों के बीच फंसा हुआ था. लोगों ने बताया कि अंदर से बचाव की आवाज आ रही थी. ग्रामीणों ने पहले तो खुद ही उसे बाहर निकालने का प्रयास किया, लेकिन जब उन्हें इस काम में सफलता नहीं मिली, तो उन्होंने तुरंत स्थानीय प्रशासन को सूचना दी. घटना की जानकारी मिलते ही जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर बचाव कार्यों के लिए एक टीम मौके पर भेजी गई. आपदा प्रबंधन टीम के साथ-साथ स्थानीय पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे. बचाव कार्य के दौरान बड़ी सावधानी बरती जा रही थी, क्योंकि पत्थर बहुत बड़ा और भारी था, जिसे हटाने के लिए भारी मशीनरी की जरूरत थी. वहीं गांव के लोग भी इस आपातकालीन स्थिति में अपने स्तर पर मदद कर रहे थे. स्थानीय युवा और बुजुर्ग सभी मिलकर प्रशासन के साथ कदम से कदम मिलाकर महिला को सुरक्षित बाहर निकालने का प्रयास कर रहे थे. आखिर में सफलता मिली और शाम के करीब चार बजे महिला को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया.

पत्थरों के बीच फंसी महिला .

खास बातें
- चरवाहों ने पहाड़ पर महिला को पत्थरों के बीच में फंसा पाया
- रहस्यमयी घटना से पूरे इलाके में सनसनी

इस घटना ने पूरे क्षेत्र के लोगों को एकजुट किया

इस घटना ने पूरे क्षेत्र के लोगों को एकजुट कर दिया. यह घटना दर्शाती है कि मानवता अभी भी जीवित है, और कठिन परिस्थितियों में लोग एक-दूसरे की मदद के लिए हमेशा तैयार रहते हैं. यह घटना न केवल हजारीबाग जिले बल्कि पूरे राज्य के लिए एक चेतावनी है कि प्राकृतिक आपदाओं और अनहोनी घटनाओं के प्रति सतर्क रहना कितना जरूरी है. महिला की जान बचाने के लिए किए गए एकजुट प्रयासों ने मानवता की एक नई मिसाल कायम की है, और यह साबित कर दिया है कि इंसानियत के आगे कोई भी बाधा बड़ी नहीं हो सकती. स्थानीय प्रशासन और ग्रामीणों के समर्पित प्रयास ने उक्त महिला को नई जिंदगी दी है. इस पूरे घटनाक्रम के दौरान पूरे इलाके में प्रार्थनाओं का दौर जारी रहा, और सभी की निगाहें इस घटना के सकारात्मक परिणाम की ओर टिकी हुई थी.

मंडई खुर्द के ग्रामीणों को मिलेगी जलभराव की समस्या से निजात

1.57 करोड़ से होगा नाला निर्माण

संवाददाता। हजारीबाग

नाला निर्माण कार्य का शिलान्यास करते सांसद मनीष जायसवाल.

सदर प्रखंड स्थित ग्राम पंचायत मंडई खुर्द के ग्रामीणों की नाली नहीं होने के कारण होने वाली जलभराव की समस्या दूर होने वाली है. क्षेत्रीय सांसद मनीष जायसवाल ने अपने वादे पूरे करते हुए बृहस्पतिवार को जिला परिषद अध्यक्ष उमेश प्रसाद मेहता और स्थानीय मुखिया उषा देवी आदि के साथ डीएमएफटी मद से करीब 1 करोड़ 57 लाख रुपये की राशि से मंडई खूर्द ग्राम बड़की खोरी मंडई में मनोज यादव के घर से न्यू पंचायत भवन मंडई होते हुए अंबेडकर चौक तक नाली निर्माण कार्य का शिलान्यास किया.

इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों की अन्य समस्याओं से भी रूबरू हुए. जायसवाल ने बताया कि नाली का निर्माण होने से ग्रामीणों को आवागमन और परिवहन में बड़ी सहूलियत होगी. मंडई खुर्द क्षेत्र के राणा मोहल्ला, सुमन नगर, गौरी मोहल्ला, महतो मोहल्ला, कसियाडीह की जनता को इससे सीधे लाभ मिलेगा.

सांसद ने मंडई खुर्द ग्राम वासियों से गुणवत्ता नाली निर्माण के लिए संवेदनशील रहने और स्टीमेट के अनुरूप संवेदक से गुणवत्तापूर्ण कार्य करवाने की अपील भी की. मौके पर भाजपा नेता विजय कुमार, अनिल पांडेय, महेश प्रसाद, राजकुमार महतो, रोहित कुशवाहा, लीलो महतो, यमुना यादव, शंकर दास, संजय यादव, रामचंद्र साव, दशरथ साव, युगल साव, हरदयाल साव, सीता राम साव, नरेश साव, राजू राम, भोला महतो, विजय साव, महेश साव, रंजन चौधरी आदि मौजूद रहे

'केशव का नेतृत्व कांग्रेस को नई दिशा देगा'

- दुलमी प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को दी बधाई

संवाददाता। रामगढ़

दुलमी प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष सुधीर मंगलेश ने रांची एयरपोर्ट पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नव-नियुक्त अध्यक्ष केशव महतो उर्फ कमलेश को बुके भेंट कर उन्हें बधाई दी और उनके सफल कार्यकाल की कामना की. सुधीर मंगलेश ने इस अवसर पर कहा, "केशव महतो का नेतृत्व प्रदेश कांग्रेस के लिए एक नई दिशा और ऊर्जा लेकर आएगा. उनके अनुभव और नेतृत्व में पार्टी निश्चित रूप से राज्य में और मजबूत होगी."

प्रदेश अध्यक्ष को गुलदस्ता देते सुधीर

उन्होंने आगे कहा कि कमलेश के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ता और अधिक जोश और समर्पण के साथ जनसेवा में जुटेंगे. इस कार्यक्रम में पार्टी के कई अन्य वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता भी उपस्थित थे. सभी ने कमलेश को अपनी शुभकामनाएं दीं और उनके नेतृत्व में पार्टी को और ऊंचाइयों पर ले जाने के संकल्प को दोहराया. कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं ने एकजुटता का प्रदर्शन किया और आने वाले चुनावों में कांग्रेस पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया. केशव ने इस मौके पर कहा कि यह सम्मान और जिम्मेदारी मुझे पार्टी कार्यकर्ताओं और प्रदेश की जनता की सेवा में और अधिक मेहनत करने की प्रेरणा देता है. मैं सबके सहयोग और समर्थन के लिए आभारी हूं. मौके पर कमलेश कुमार, सुनील चक्रवर्ती, छोटन कुमार आदि मौजूद थे.

युवा आक्रोश रैली को लेकर चौपारण भाजपा प्रखंड अध्यक्ष ने की बैठक

चौपारण से पहुंचेंगे सैकड़ों समर्थक

खास बातें
- हेमंत सरकार पर लगाया युवाओं को ठगने का आरोप
- पांच लाख युवाओं को नौकरी देने का वादा खोखला निकला

संवाददाता। चौपारण

रांची में शुक्रवार को होने वाली युवा आक्रोश महारैली को सफल बनाने के लिए बच्छई पंचायत भवन डुमरी में भाजपा प्रखंड अध्यक्ष राजेंद्र चंद्रवंशी की अगुवाई में बुधवार को बैठक की गई. बैठक का संचालन वरिष्ठ नेता बालेश्वर साव ने किया. प्रखंड अध्यक्ष चंद्रवंशी ने कहा कि झारखंड सरकार युवाओं को पांच वर्ष केवल ठगने का काम किया है. पांच लाख युवाओं को नौकरी और बेरोजगारी भत्ता देने का वादा खोखला साबित हुआ. चंद्रवंशी ने कहा कि झारखंड की सीमाएं असुरक्षित हैं. झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठियों के लिए छूट हैं. जो झारखंड के लिए शर्म की बात है. सभी वक्ताओं ने एक स्वर से हेमंत सरकार को हटाने के लिए युवा आक्रोश रैली में अधिक से अधिक संख्या भाग लेने का संकल्प लिया. कार्यक्रम में पूर्व प्रदेश मीडिया सह प्रभारी रंजीत चंद्रवंशी, वरिष्ठ नेता भरत सिंह, मुखिया संघ अध्यक्ष वीरेंद्र रजक, मंडल उपाध्यक्ष सुनील सिंह, अरविंद साव, पप्पू चंद्रवंशी, अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष विकास रजक, किसान मोर्चा अध्यक्ष नरेंद्र पांडेय, मुखिया मंटू सिंह, मोहन साव, कैलाश पासवान, सहदेव यादव, उप मुखिया संजय साव, अशोक प्रजापति, देवल यादव, मनोज साव, बद्री साव आदि मौजूद थे.

बैठक के दौरान चौपारण प्रखंड भाजपा इकाई नेता.

तेज रफ्तार बस ने बाइक सवार को मारी टक्कर, मौत

हजारीबाग। दारू थाना क्षेत्र के आगे पिपचो में एक भीषण सड़क दुर्घटना हुई, जिसमें एक मोटरसाइकिल सवार की मौत हो गई. प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह घटना सुबह की है जब मोटरसाइकिल सवार एक सामान्य दिन की तरह अपनी मंजिल की ओर बढ़ रहा था. अचानक, एक सवारी बस ने उसे टक्कर मार दी.

सूत्रों के अनुसार, मृतक व्यक्ति विष्णुगढ़ के मुर्गाओं का निवासी था. हादसे के बाद, स्थानीय लोगों ने उसे तुरंत शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज ले जाने का प्रयास किया. हालांकि, गंभीर चोटों के कारण उसे वहां पहुंचाने से पहले ही चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया. स्थानीय लोगों का कहना है कि सवारी बस उसे तेज गति से टक्कर मारकर मौके से भाग गई. यह घटना स्थानीय समुदाय में डर और चिंता का माहौल पैदा कर रही है. स्थानीय निवासियों ने इस घटना पर नाराजगी व्यक्त की है और कार्रवाई की मांग की है.

भाजपा नेता प्रदीप प्रसाद पहुंचे शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल, लिया जायजा

हाफ ट्रेंड नर्स, डॉक्टर भी समय पर नहीं आते

खास बातें
- अस्पताल में भर्ती मरीजों का नहीं हो पा रहा इलाज
- डॉक्टर्स से अपील-संवेदना के आधार पर मरीजो को देखें

संवाददाता। हजारीबाग

शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल चिकित्सीय लापरवाही की सूचना के बाद भाजपा नेता प्रदीप प्रसाद गुरुवार को मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल पहुंचे और स्थिति का लिया जायज़ा लिया. इस दौरान उन्होंने इमरजेंसी ओपीडी सहित अन्य वार्डों का दौरा किया. उन्होंने प्रेस को बताया कि सदर अस्पताल की स्थिति दयनीय है. यहां हाफ ट्रेंड नर्स हैं. डॉक्टर्स भी समय पर नहीं आते. ऊपर से कोलकाता की घटना के बाद डॉक्टर्स हड़ताल पर हैं. मरीजों की स्थिति गंभीर है. एक दो लोगों की मौत भी हो गयी है. उन्होंने डॉक्टर्स से अपील करते हुए कहा कि जो मरीज गंभीर अवस्था में हॉस्पिटल में भर्ती हैं उन्हें संवेदना के आधार पर डॉक्टर देखें, क्योंकि डॉक्टर्स को भगवान का दर्जा दिया गया है.

क्या कहा सिविल सर्जन ने : भाजपा नेता ने इस मामले को लेकर सिविल सर्जन एसपी सिंह से मिले और समस्या का समाधान करने को कहा. सिविल सर्जन ने कहा कि गंभीर मरीजों का इलाज किया जा रहा है. डॉक्टर्स मरीजों को देख भी रहे हैं. हां ये बात जरूर है कि डॉक्टर्स के हड़ताल पर जाने के कारण सर्जरी वाले मरीजों को परेशानी हो रही है. डॉक्टर्स की कुछ मांगे हैं, जिन पर सरकार अपने स्तर पर काम कर रही है. मांगें पूरी होते ही डॉक्टर्स हड़ताल खत्म कर देंगे तो परेशानी भी दूर हो जाएगी. अस्पताल की दयनीय स्थिति के बारे में उन्होंने बताया कि पहले और अब में बहुत अंतर है. पहले से अब अस्पताल बेहतर स्थिति में है. आने वाले समय में जो भी कमियां हैं उन्हें दूर कर दी जाएंगी.

सदर अस्पताल में भाजपा नेता प्रदीप प्रसाद व उनके समर्थक.

कार्यक्रम इचाक प्रखंड की डुमरौन पंचायत भवन में डाक चौपाल का किया गया आयोजन

डाक चौपाल विभाग की ऐतिहासिक पहल : ब्रजेश कुमार पासवान

संवाददाता। हजारीबाग

जिले के इचाक प्रखंड की डुमरैन पंचायत में भारतीय डाक विभाग की ओर से गुरुवार को डीसीडीपी के तहत डाक चौपाल का आयोजन किया गया. इसमें बतौर मुख्य अतिथि सहायक डाक अधीक्षक (सेंट्रल) ब्रजेश कुमार पासवान, विशिष्ट अतिथि उप डाकपाल राज सेठी, मुखिया चोहन महतो, उप मुखिया मनोज मेहता उपस्थित हुए. सहायक डाक अधीक्षक ने बताया कि डाक चौपाल डाक विभाग की एक ऐतिहासिक पहल है. इसका उद्देश्य आवश्यक सरकारी और नागरिक, केंद्रित सेवाओं को सीधे ग्रामीण क्षेत्रों में लाना है, जिससे पहुंच और सुविधा में सुधार होगा. हमारा उद्देश्य डाक सेवा को पूर्णतः जन सेवा के रूप में स्थापित करना है. यह तभी संभव है, जब हम आम जन के बीच उपस्थित होंगे. डाकघर में डाकघर बचत खाता, आवर्ती जमा खाता, टाइम डिपॉजिट खाता, सुकन्या समृद्धि खाता, महिला सशक्तिकरण खाता में सुरक्षित निवेश कर सकते हैं. ग्रामीण/डाक जीवन बीमा कम प्रीमियम पर अधिक बोनस देता है. 0 से 5 वर्ष के बच्चों का आधार नामांकन व आधार मोबाइल अपडेशन की सुविधा सभी ग्रामीण डाकघर में उपलब्ध है.

इचाक प्रखंड की डुमरैन पंचायत में आयोजित डाक चौपाल कार्यक्रम के दौरान विभागीय पदाधिकारी व अन्य.

विभिन्न लाभ डाकघर बचत खाता पर उपलब्ध

सरकार द्वारा डीबीटी के माध्यम से दिए जाने वाली सहायता जैसे वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, पीएम किसान, गैस सब्सिडी, स्कॉलरशिप, आवास योजना, मंईयां योजना आदि का लाभ डाकघर बचत खाता पर उपलब्ध है. इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक के 18 से 65 वर्ष के खाताधारक 320 रुपये में पांच लाख, 549 रुपये में 10 लाख, 749 रुपये में 15 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा का लाभ प्राप्त कर सकते हैं. इसमें दुर्घटना में मृत्यु व स्थायी विकलांगता पर पूरा भुगतान किया जाता है. साथ ही इलाज व बाल शिक्षा लाभ की सुविधा भी उपलब्ध है. साथ ही स्वास्थ्य और बीमा की सुविधा भी उपलब्ध है. मौके पर डाक अधिदर्शक राजीव कश्यप, डाक सहायक प्रियम राज, सेवानिवृत्त शाखा डाकपाल मंजू देवी, रंजीत कुमार, प्रयाग कुशवाहा, सरोज राणा, अनिल मेहता रणधीर उपाध्याय ऋषिकेश कुमार, कौशल तिवारी, सुमित कुमार, फ्रांसिस कुमार आदि उपस्थित थे.

हजारीबाग से आतंकी गिरफ्तार कड़ी सुरक्षा में कोर्ट में किया पेश

संवाददाता। हजारीबाग

एटीएस ने ने लोहसिंगना थाना अंतर्गत लोहसिंगना चौक से एक संदिग्ध आतंकी को गिरफ्तार किया है. उसे कड़ी सुरक्षा में हजारीबाग कोर्ट में पेश किया गया. इसके बाद एटीएस की टीम उसे अपने साथ रांची ले गई. गिरफ्तार आतंकी अलकायदा भारतीय उपमहाद्वीप का सक्रिय सदस्य बताया जा रहा है. गिरफ्तार संदिग्ध आतंकी का नाम फैजान अहमद है. 45 वर्षीय फैजान अहमद होलसेल का व्यापार हजारीबाग में करता है. आरोप है कि वह अपनी पहचान छुपा कर आतंकी संगठन के लिए काम कर रहा था. इसके माता-पिता मंडई में रहते हैं. और यह खुद लोहसिंघना के आजाद नगर में रहता था. एटीएस पिछले दो दिनों से झारखंड में बड़ी कार्रवाई कर रही है. एटीएस की टीम ने लोहरदगा के कैरो, हजारीबाग के लोहसिंघना समेत अन्य कई जिलों में पर छापेमारी कर सभी सात संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है. लोहरदगा से गिरफ्तार हुए आतंकी के पास से हथियार भी बरामद होने की सूचना है.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष विदेश यात्रा या कोई यात्रा का योग है. रोग या व्याधि में खर्च होगा. आकस्मिक व्यय से तनाव रहेगा. अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा. विवेक से कार्य करें. स्थानीय धर्मस्थल की परिवार के साथ यात्रा होगी.

वृष दिन का शुरुआत अनुकूलता प्रदान करेगा. लाभ के अवसर प्राप्त होंगे. शत्रु भय रहेगा. व्यापार-व्यवसाय में ग्राहकी अच्छी रहेगी. नौकरी में कार्य व्यवहार, ईमानदारी की प्रशंसा होगी. मशक्कत करने से लाभ होगा. चिंता होगी.

मिथुन कार्य की नई योजना बनेगी. मान-सम्मान मिलेगा. वाणी पर नियंत्रण रखें. स्त्री कष्ट संभव. कलह से बचें. कार्य में सफलता, शत्रु पराजित होंगे. विवेक से कार्य बनेंगे. पेट रोग से पीड़ित होने की संभावना. वस्त्राभूषण की प्राप्ति के योग. किस्मत का साथ मिलेगा.

कर्क समय सामान्य है.चन्द्र राहु का योग है. मानसिक तनाव होगा. कानूनी बाधा दूर होगी. देव दर्शन होंगे. राज्य से लाभ होने की संभावना. मातृपक्ष की चिंता. वाहन-मशीनरी का प्रयोग सावधानी से करें. धनागम की संभावना.

सिंह प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें. वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें. झंझटों में न पड़ें. आगे बढ़ने के मार्ग मिलने की संभावना. शत्रु पराजित होंगे. लाभ होगा. स्वास्थ्य ठीक न हो. अनजाना भय सताएगा.

कन्या जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा. राजकीय बाधा दूर होगी. नेत्र पीड़ा की संभावना. धनलाभ एवं बुद्धि लाभ होगा. शत्रु से परेशान होंगे. अपमान होने की संभावना. कष्ट की संभावना. धनहानि. कष्ट-पीड़ा.

तुला स्वास्थ्य कमजोर रहेगा. भागदौड़ रहेगी. भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी. उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे. धनागम सुस्त रहेगा. कार्य के प्रति अनमनापन रहेगा. दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है. कुछ लाभ की संभावना.

वृश्चिक शिक्षा में किया गया प्रयास सार्थक होगा. विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा. शत्रु पर विजय, हर्ष के समाचार मिलने की संभावना. कुसंग से हानि. धनागम सुखद रहेगा. प्रेमिका मिलेंगी. गुरु ग्रह को बल दे.

धनु गृह निर्माण में खर्च होगा. माता के स्वास्थ पर ध्यान दे. लाभ तथा पराक्रम ठीक रहेगा. दुःसमाचार प्राप्त होंगे. हानि तथा भय की संभावना, पराक्रम से सफलता, कलहकारी वातावरण बनेगा. भयकारक दिन रहेगा.

मकर बेकार के बहस से दूर रहेंगे. कोई सत्कर्म के लिए किया गया प्रयास सफल रहेंगे. यात्रा के योग बनेंगे. कुछ कष्ट होने की संभावना. लाभ के योग बनेंगे. स्त्री वर्ग को कष्ट. कुसंग से कष्ट. कलहकारक दिन रहेगा.

कुंभ धन के लिए दिन बहुत ही अच्छा है. पुराने मित्र व संबंधी मिलेंगे. स्वास्थ्य कमजोर रहेगा. आय में वृद्धि होगी. विरोध की संभावना, धनहानि, गृहस्थी में कलह, रोग से घिरने की संभावना, कुछ कार्यसिद्धि की संभावना. चिंताएं जन्म लेंगी.

मीन दिन की शुरुआत शुभ समाचार से होगा. समय बहुत ही उत्तम है. किया गया कार्य लाभ देगा. परिवार की चिंता रहेगी. लाभ होगा. अस्वस्थता का अनुभव करेंगे. चिंता से मुक्ति नहीं मिलेगी. शत्रु दबे रहेंगे. कलह-अपमान से बचें. संभावित यात्रा होगी.

हथियार के साथ तीन अपराधी गिरफ्तार, हथियार बरामद

मेदिनीनगर। पांकी थाना पुलिस ने अवैध हथियार व कारतूस के साथ तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया है. पकड़े गए अपराधियों में सरईडीह गांव निवासी रंजन कुमार (20), उलगाड़ा गांव निवासी लाल सूरज यादव (26) व गढ़गांव पिपराटांड निवासी गोल्डेन आलम (20) शामिल हैं. तीनों के पास से दो अवैध देशी कट्टे और 8 एमएम का एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया है व उनकी गिरफ्तारी पांकी थाना क्षेत्र के सरईडीह और उलगाड़ा गांव से हुई है. इस संबंध में थाना प्रभारी ने बताया कि तीनों की गिरफ्तारी गुप्त सूचना के आधार पर की गई है. गिरफ्तारी के दौरान अपराधियों के पास से एक टीवीएस आपाची मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है. उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अपराधी किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे, लेकिन समय रहते उन्हें पकड़ लिया गया. पुलिस अब इनके आपराधिक इतिहास और अन्य संदिग्ध गतिविधियों की जांच कर रही है, ताकि इनसे जुड़े अन्य मामलों का भी खुलासा हो सके.

लिपुंगा के जंगलों में नक्सली गतिविधियां बढ़ने से पुलिस अलर्ट

किरीबुरु। गुवा थाना के कोल्हान वन क्षेत्र के लिपुंगा गांव क्षेत्र के जंगलों में भाकपा माओवादी नक्सलियों की गतिविध अचानक बढ़ गई है. इससे कई गांवों के ग्रामीण परेशान व दहशत में हैं. उल्लेखनीय है कि इसी गांव क्षेत्र के जंगल में जुलाई माह में पुलिस व सीआरपीएफ ने भाकपा माओवादी के पांच कुख्यात नक्सलियों कांडे होनहागा व अन्य को मार गिराया था. सारंडा के हतनाबुरु गांव निवासी एरिया कमांडर पांडू हांसदा व एक महिला नक्सली को जिंदा पकड़ा गया था. इस मुठभेड़ में पांडू हंसदा की पत्नी सपनी हांसदा भी मारी गई थी. सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार लिपुंगा क्षेत्र के जंगलों में 22 अगस्त की अहले सुबह हथियारबंद नक्सलियों की गतिविधियां देखी गयी थी. इसकी जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने भी अपनी सक्रियता बढ़ा दी है. अगर पुलिस व नक्सली आमने-सामने हुए तो मुठभेड़ तय है. इस वजह से ग्रामीण दहशत में हैं और जंगल की ओर जाने से कतरा रहे हैं.

राज्य में आतंकी साया : सूबे में 13 साल में 28 आतंकी हुए गिरफ्तार

झारखंड के सात जिले बने आतंकी संगठनों के स्लीपर सेल

- रांची, जमशेदपुर, हजारीबाग, रामगढ़, लोहरदगा, पाकुड़ और गिरिडीह शामिल
- कई सालों से आतंकी गतिविधियों की रुपरेखा तैयार करते थे

सौरव सिंह। रांची

झारखंड के रांची, जमशेदपुर, हजारीबाग समेत सात जिला आतंकवादी संगठनों के स्लीपर सेल का ठिकाना बना हुआ है. इन सात जिलों में रांची, जमशेदपुर, हजारीबाग, रामगढ़, लोहरदगा, पाकुड़ और गिरिडीह जिला शामिल है. ये सभी जिले आतंकियों के स्लीपर सेल को पनाह देती रही है. यहां कई सालों से आतंकी अपनी गतिविधियों का रोड-मैप व साजिश की रूपरेखा तैयार करते रहे हैं. पिछले 13 साल के दौरान राज्य इन सभी सातों जिले से आतंकवादी संगठनों के 28 स्लीपर सेल गिरफ्तार हो चुके हैं.

पिछले कुछ सालों में सुरक्षा बलों को मिली सफलता

05 जून 2011: मध्य प्रदेश एटीएस ने मानगो के जाकिर नगर रोड नंबर 13 वेस्ट में दो मंजिला मकान में छापेमारी कर इंडियन मुजाहिद्दीन के आतंकी अबू फैजल और इरशाद को एक महिला के साथ गिरफ्तार किया था.

जून-2011: वर्ष-2008 में अहमदाबाद में सीरियल बम ब्लास्ट मामले में रांची के बरियातू का रहने वाला इंडियन मुजाहिद्दीन के आतंकी दानिश रियाज उर्फ शाकिन उर्फ अफाक इकबाल बड़ोदरा में पकड़ा गया था.

29 फरवरी 2012: हजारीबाग स्थित पगमिल मोहल्ले के कश्मीर हाउस से लश्कर के आतंकी तौफिक को गिरफ्तार किया गया था.

04 मार्च 2013: अहमदाबाद में सीरियल बम ब्लास्ट मामले में रांची के बरियातू का मंजर इमाम उर्फ जमील उर्फ अबू हनीफा कांके थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया था.

27 अक्टूबर 2013: पटना के गांधी मैदान में नरेंद्र मोदी की रैली के दौरान सीरियल बम ब्लास्ट के बाद पटना में ही मोहम्मद इम्तियाज व मोहम्मद तारिक पकड़ाए थे. मोहम्मद तारिक विस्फोट में जख्मी हो गया था, जिसकी बाद में मौत हो गई थी. दोनों रांची के धुर्वा के सिठियो गांव के रहने वाला था.

30 अक्टूबर 2013 : डोरंडा के मनीटोला स्थित फिरदौस नगर से उज्जैर अहमद को एनआईए ने गिरफ्तार किया था. उस पर कुख्यात आतंकी यासीन भटकल का सहयोगी होने का आरोप है.

21 मई 2014 : पटना ब्लास्ट के बाद फरार चल रहे धुर्वा सिठियो गांव के दो अन्य युवक नुमान उर्फ नोमान व मोहम्मद तौफिक के अलावा ओरमांझी के चकला गांव का मुजिबुल्ला व इरम लॉज में मुजिबुल्ला का रूम पार्टनर हैदर अली पकड़ा गया था.

अक्टूबर 2014 : एटीएस ने पश्चिम बंगाल के वर्द्धमान में हुए बम विस्फोट मामले में जमशेदपुर के आजाद नगर से शीश महमूद नाम के शख्स को गिरफ्तार किया था.

19 अप्रैल 2015: जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश का सक्रिय सदस्य और वर्धमान बम बलास्ट के आरोपी इब्राहिम शेख पाकुड से गिरफ्तार हुआ था.

08 अगस्त 2018: बोधगया और कोलकाता विस्फोट मामले में कोलकाता पुलिस के स्पेशल टास्क फोर्स ने झारखंड के पाकुड़ से जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) के एक और संदिग्ध आतंकवादी दिलबर हसन को गिरफ्तार किया था.

29 सितंबर 2015: रामगढ़ से जमात-उल-मुजाहिद्दीन के पांच लाख के ईनामी आतंकी तरीकुल इस्लाम उर्फ सादिक गिरफ्तार.

16 दिसंबर 2015: ओडिशा पुलिस ने अलकायदा आतंकी अब्दुल रहमान कटकी को गिरफ्तार किया था. उसने कबूला कि जमशेदपुर में वो कई युवकों को प्रशिक्षित कर चुका था.

18 जनवरी 2016: जमशेदपुर के बिष्टुपुर स्थित धतकीडीह निवासी अब्दुल समी को हरियाणा से दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया था.

25 जनवरी 2016: जमशेदपुर के धातकीडीह से मसूद और अख्तर गिरफ्तार हुआ था. उसके पास से हथियार बरामद हुआ था.

09 अगस्त 2017: अलकायदा के संदिग्ध आतंकी जमशेदपुर आजादनगर निवासी जीशान अली को दिल्ली की स्पेशल टीम ने गिरफ्तार किया था.

21 सितंबर 2019: झारखंड एटीएस ने आतंकी संगठन से जुड़े होने के आरोप में मानगो निवासी कलीमुद्दीन को टाटानगर रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया था.

25 दिसंबर 2020: अंडरवर्ल्ड सरगना दाउद इब्राहिम के करीबी मोस्ट वांटेड अब्दुल माजिद कुट्टी को गुजरात एटीएस ने जमशेदपुर से गिरफ्तार किया.

15 मार्च 2022: गिरिडीह जिला के गावां थाना क्षेत्र का रहने वाला इनामुलहक उर्फ इनाम इम्तियाज का नाम आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा था. उसे यूपी एटीएस ने गिरफ्तार किया था.

18 जुलाई 2023: लोहरदगा में आईबी, एनआईए और दिल्ली पुलिस ने संयुक्त छापेमारी कर आईएसआईएस का आतंकवादी शहबाज को गिरफ्तार किया था.

02 अक्टूबर 2023: हजारीबाग का रहने वाला आईएसआईएस आतंकी शाहनवाज को दिल्ली से एनआईए ने गिरफ्तार किया था.

19 दिसंबर 2023: एनआइए ने जमशेदपुर में छापेमारी कर आइएसआइएस एजेंट शाहबाज को गिरफ्तार किया था.

कांग्रेस व अन्य दल के सैकड़ों लोगों ने थामा भाजपा का दामन

झारखंड में इंडी गठबंधन का वजूद खतरे में : बाबूलाल

- भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित मिलन समारोह कार्यक्रम आयोजित
- डूबती नाव से भाग रहे लोग
- संघर्ष के साथियों का भाजपा में स्वागत

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि झारखंड में इंडी गठबंधन का वजूद खतरे में है. डूबती नाव से लोग भाग रहे हैं. वे गुरुवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित मिलन समारोह कार्यक्रम में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि कि भाजपा अभी प्रदेश में संघर्ष कर रही है. सत्तारूढ़ दल को छोड़कर भाजपा में शामिल होकर इस संघर्ष का साथी बनना एक बड़ी बात है. आप लोगों के योगदान से केवल सरायकेला, जमशेदपुर ही नहीं बल्कि पूरे झारखंड में पार्टी को ताकत और बल मिलेगा. साथ ही इससे राज्य में एक अच्छा मैसेज भी जाएगा. संघर्ष के साथियों का भाजपा में स्वागत है.

झारखंड सरकार हर मोर्चे पर विफल : मरांडी ने कहा कि आज झारखंड प्रदेश की जो हालत है, वह किसी से छुपा हुआ नहीं है. झारखंड सरकार हर मोर्चे पर विफल है. राज्य सरकार ने राज्य के युवा, किसान, महिला, आदिवासी, दलित, पिछड़ा यानि सभी वर्गों को ठगने का काम किया है. वर्तमान झारखंड सरकार के पाप का घड़ा पूरी तरह भर चुका है, यह सरकार बस अब कुछ दिनों की मेहमान है. विधानसभा चुनाव अब काफी नजदीक है. हम सबों को मिलकर इस वर्तमान भ्रष्ट और निक्कमी सरकार को यहां से हटाना बहुत जरूरी है.

बहू-बेटियों की इज्जत भी सुरक्षित नहीं

मिलन समारोह में भाजपा में शामिल होते कार्यकर्ता

: मरांडी ने कहा कि आज प्रदेश की कानून व्यवस्था की क्या हालत है, यह बतलाने की जरूरत नहीं है. चोरी, डकैती, हत्या, अपहरण चरम पर है, बहू बेटियों की इज्जत भी सुरक्षित नहीं है. जब तक किसी भी प्रदेश की कानून व्यवस्था ठीक नहीं होगी, भय का वातावरण जब तक समाप्त नहीं होगा, तब तक कोई भी प्रदेश प्रगति नहीं कर सकता है. आज झारखंड की यही स्थिति है. इस स्थिति में बाहर के निवेशकों की तो छोड़िए जो घर के संपन्न लोग होंगे, वह भी जंगलराज से तंग होकर राज्य छोड़ने को मजबूर होंगे. मरांडी ने 23 अगस्त को राज्यव्यापी युवा आक्रोश रैली में मिलन समारोह में पार्टी का दामन थामने वालों सहित राज्य के युवाओं व लोगों से अधिक से अधिक भागीदारी का आह्वान किया. सभी के सहयोग से 2024 के विधानसभा चुनाव में इस सरकार को उखाड़ फेंकना है.

इन्होंने थामा भाजपा का दामन : मिलन समारोह में कांग्रेस नेता सह इंटक के प्रदेश सह सचिव चंदन कुमार सिंह, आम आदमी पार्टी के प्रदेश उप संयोजक प्रेम कुमार, सरायकेला खरसावां कांग्रेस के जिला महामंत्री विनोद कुमार सिंह, सरायकेला खरसावां कांग्रेस के जिला सचिव राम विचार राय, कांग्रेस नेता नीरज कुमार सिंह, शैलेश गुप्ता, पंकज कुमार सिंह राघवेंद्र सिंह, संजय कुमार सिंह सहित सैकड़ों लोगों ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की.

राज्य सरकार से जनता हर हाल में पाना चाहती है मुक्ति: रवींद्र राय

पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र कुमार राय ने कहा कि राज्य सरकार से जनता हर हाल में मुक्ति पाना चाहती है. वह घड़ी नजदीक आ चुकी है. इस दौरान पूर्व विधायक अरविंद कुमार सिंह उर्फ मलखान सिंह, गणेश महली भी उपस्थित थे. मंच संचालन झारखंड प्रदेश के मीडिया सह प्रभारी योगेंद्र प्रताप सिंह ने किया.

चंपाई सोरेन मामले में कल्पना ने तोड़ी चुप्पी, कहा-

अपनी बातें पार्टी अध्यक्ष से कहते तो अच्छा होता

विशेष संवाददाता। रांची

पिछले एक सप्ताह से पूर्व सीएम चंपाई सोरेन को झारखंड की राजनीति में उठापठक के बीच मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी और विधायक कल्पना सोरेन ने अपनी चुप्पी तोड़ी. उन्होंने कहा कि चंपाई वरिष्ठ नेता हैं और उन्होंने मन की बात लिखी है, इसपर मैं कुछ कहना नहीं चाहती हूं. उन्होंने कहा कि मैं झारखंड मुक्ति मोर्चा की सिपाही हूं. चंपाई भी जेएमएम के सिपाही, उन्हें जो भी बात कहनी थी उसे पार्टी के अध्यक्ष, कार्यकारी अध्यक्ष से कहते तो अच्छा रहता. कल्पना से जब पूछा गया कि चंपाई के जाने से पार्टी को कितना नुकसान हो सकता. इस सवाल को उन्होंने टाल दिया.

चंपाई सोरेन

कल्पना सोरेन

अपने विस क्षेत्र में सुनी लोगों की समस्या : इससे पहले गुरुवार की दोपहर में कल्पना सोरेन गिरिडीह परिसदन भवन पहुंचीं. यहां पर सदर विधायक सुदिव्य कुमार और झामुमो जिलाध्यक्ष संजय सिंह की मौजूदगी में कार्यकर्ताओं से बात की और उनकी समस्या को समझा. इसके अलावा कई लोग यहां अपनी फरियाद लेकर पहुंचे तो उनकी भी बातों को कल्पना सोरेन ने सुना.

लोगों को दिया चेक

परिसदन भवन में ही कल्पना सोरेन के हाथों आपदा राहत, मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी उपचार योजना समेत विभिन्न योजनाओं के तहत लोगों को राहत का चेक दिया गया. यहां डीडीसी और उपनगर आयुक्त संग बैठक करते हुए कई निर्देश भी दिए.

गांजा की खेती करने वाले को पुलिस ने भेजा जेल

प्रतापपुर (चतरा)। अवैध रूप से गंजा की खेती करने के आरोपी प्रतापपुर थाना क्षेत्र के ननई गांव निवासी राजू साव को पुलिस ने गिरफ्तार कर गुरुवार को जेल भेज दिया. इस संदर्भ में थाना प्रभारी कासिम अंसारी ने बताया कि प्रतापपुर थाना क्षेत्र के ननई गांव निवासी रामवृक्ष साव का पुत्र राजू साव अपने खेत में गंजा की खेती किए जाने को लेकर एनडीपीएस एक्ट में कांड संख्या 7/22 का आरोपी है और फरार चल रहा था. गुप्त सूचना के आधार पर आरोपी को उसके घर से गिरफ्तार किया.

बीबीएमकेयू, धनबाद के कॉलेजों में इंटर की पढ़ाई शुरू हो

राज्यपाल को सौंपा मांग पत्र

संवाददाता। रांची

बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय (बीबीएमकेयू) धनबाद के अंगीभूत महाविधालय में इंटरमीडिएट की पढ़ाई को चालू करने को लेकर सिंदरी के पूर्व विधायक आनंद महतो ने राज्यपाल से मुलाकात की. उन्होंने राज्यपाल को मांग पत्र सौपा. आनंद महतो ने बताया कि बीबीएमकेयू से अंगीभूत कॉलेजों में इंटरमीडिएट की पढ़ाई को बंद कर देने से छात्र-छात्राओं का पढ़ाई बाधित हो रही है. इन कॉलेजों में गरीब मजदूर परिवार से आने वाले बच्चे पढाई करते है. बीबीएमकेयू के अंतर्गत 13 अंगीभूत कॉलेजों में इंटरमीडिएट की पढ़ाई शुरू होने से लगभग 15,000 छात्र नामांकन ले सकेंगे.

आनंद महतो ने बताया कि राज्य के दूसरे विश्वविद्यालयों के अंगीभूत कॉलेजो में इंटर की पढ़ाई को सुचारू रूप से चल रहा है. इसलिए उन्होंने राज्यपाल महोदय को सारे विषय वस्तु से अवगत कराया है. साथ ही बीबीएमकेयू में इंटर की पढ़ाई को शुरू करने के लिए आग्रह किया गया. राज्यपाल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रधान सचिव नितिन मदन कुलकर्णी को इंटरमीडिएट की पढ़ाई शुरु करने की प्रक्रिया चालू करने का निर्देश दिया है. आनंद महतो के साथ मासस के केंद्रीय सचिव कॉमरेड चंद्रदेव महतो, पंसस रोहित कुमार महतो थे मौजूद थे.

कांग्रेस ने ईडी कार्यालय के समक्ष किया प्रदर्शन

विशेष संवाददाता। रांची

राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत गुरुवार को कांग्रेस ने रांची सहित पूरे देश में ईडी कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन किया गया. यह प्रदर्शन अडाणी महाघोटाला जांच के लिए जेपीसी गठन कर कराने की मांग की गयी. इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि कांग्रेस द्वारा अडाणी महाघोटाले की जांच की मांग बार-बार की गई, मगर केंद्र सरकार द्वारा इसे हमेशा नकारा गया. अभी हिंडनबर्ग के ताजा खुलासे से कांग्रेस के आरोप सच साबित हो रहे हैं. कांग्रेस द्वारा जांच के लिए जेपीसी की मांग की जा रही है लेकिन केंद्र सरकार का इससे भागना ही साबित करता है कि वह अपने मित्रों को बचाना चाहती है.

उन्होंने कहा कि देश की जांच एजेंसी केंद्र सरकार के हथियार के रूप में काम कर रही है. जो सत्ता के इशारे पर विरोधी नेताओं पर झूठे आरोप लगाकर उन्हें जेल भेजने और राज्यों की गैर भाजपा शासित सरकारों को गिराने में केंद्र के टूल किट के रूप में उपयोग हो रही है. उन्होंने इडी अधिकारियों को स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में केंद्र में हमारी सरकार बनेगी, तब सारा दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा.

ईडी कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन करते कांग्रेसी.

देश बड़े आर्थिक घोटाले की जद में : रामेश्वर उरांव

कांग्रेस विधायक दल नेता डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा कि देश आर्थिक घोटाला की जद में है, मध्यम वर्गीय परिवारों के पैसों की रखवाली करने वाली सेबी जैसी संस्थाएं भी इस सूची में शामिल हो गई हैं लेकिन केंद्र सरकार सोई हुई है. अगर अडानी महाघोटाले की जांच जेपीसी करती है तो केंद्र सरकार में बैठे हुक्मरानों का पर्दाफाश हो जाएगा शायद इसी वजह से इस मामले पर पीएम मोदी चुप हैं. कार्यक्रम में मंत्री दीपिका पांडे सिंह, प्रदीप यादव, ममता देवी, अमूल्य नीरज खलखो, सतीश पॉल मुंजनी, अजय नाथ शाहदेव, सोनाल शांति, कमल ठाकुर, गुंजन सिंह, राकेश महतो आदि शामिल थे.

कार्यक्रम मेकॉन में वेंडर विकास कार्यक्रम और संपर्क सत्र का आयोजन

वेंडर्स को वित्तीय पहलुओं व टेंडर प्रक्रिया की जानकारी दी

संवाददाता। रांची

मेकॉन लिमिटेड ने यूटिलिटी उपकरण निर्माताओं और ईपीसी कॉन्ट्रैक्टर्स के लिए एक दिवसीय वेंडर विकास कार्यक्रम और संपर्क सत्र का आयोजन किया. मेकॉन कम्युनिटी हॉल में आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय इस्पात उद्योग में संभावित आवश्यकताओं के बारे में वेंडरों को जागरूक करना और भविष्य की व्यावसायिक संभावनाओं के लिए मजबूत वेंडर बेस बनाना था.

कार्यक्रम में देश भर के करीब 100 कांट्रैक्टर्स ने भाग लिया. मेकॉन के वित्त निदेशक मुकेश कुमार, परियोजना निदेशक पीके दीक्षित, मुख्य सतर्कता अधिकारी सतीश कुमार, कार्यपालक निदेशक एसके भट्टाचार्जी आदि ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उदघाटन किया. वित्त निदेशक मुकेश कुमार ने कार्यक्रम में वित्तीय पहलुओं की जानकारी दी. साथ ही टेंडर प्रक्रिया के संबंध में बताया. परियोजना निदेशक पीके दीक्षित ने सामग्रियों के भंडारण व रख-रखाव में कंपनियों की भूमिका और जिम्मेदारी पर चर्चा की. मुख्य सतर्कता अधिकारी ने वेंडर विकास कार्यक्रम के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि यह सभी के लिए फायदेमंद है.

मेकॉन की संविदा विभाग और द्रव प्रणाली एवं पाइपिंग प्रभाग (एफएसएंडपीडी) ने जल, गैस एवं एचवीएसी समूह के बारे में प्रेजेंटेशन दिया. साथ ही वेंडरों, ईपीसी कांट्रेक्टरों और मेकॉन के अधिकारियों के बीच चर्चा इस पर चर्चा की गई. सभी ईपीसी से आग्रह किया कि मेकॉन से जुड़े रहें.

देशभर के 100 प्रतिभागियों ने लिया भाग

एक दिवसीय वेंडर विकास कार्यक्रम में शामिल प्रतिभागी.

प्रदेश जदयू कार्यालय में आयोजित अभिनंदन कार्यक्रम

सरयू के आने से झारखंड में एक विधायक जदयू का हो गया: खीरू

प्रमुख संवाददाता। रांची

जदयू के प्रदेश अध्यक्ष सह सांसद खीरू महतो ने कहा है कि सरयू राय के आने से झारखंड में जदयू का एक विधायक हो गया है. साथ ही झारखंड में पार्टी को एक मजबूत और वरिष्ठ नेता मिला है. वे हमलोगों का मार्गदर्शन करेंगे. खीरू गुरुवार को प्रदेश जदयू कार्यालय में आयोजित अभिनंदन कार्यक्रम में बोल रहे थे. इस दौरान सरयू राय का नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अभिनंदन किया. अभिनंदन कार्यक्रम में सरयू राय ने कहा कि सरकार असली मुद्दों से भटकाते हुए भावनात्मक मुद्दों को आगे कर रही है. असली मुद्दों पर चर्चा से सरकार पीछे हट रही है. राज्य में घुसपैठ पर राय ने कहा कि जो 125 साल से झारखंड में रह रहे हैं. अपना काम कर रहे हैं, उन्हें बाहरी कहना ठीक नहीं.

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद : पूर्व मंत्री सुधा चौधरी, पूर्व विधायक कामेश्वर दास, श्रवण कुमार, उपेंद्र सिंह, बिगा मिंज, राजू महतो, मनोज दूबे, अशोक शर्मा, अनुराधा शर्मा, रूद्रकांत लाल दास, हारून रशीद, धनलाल दूबे, महेश्वर चौधरी, प्रदीप महतो, संजय सिंह, सागर कुमार, दुष्यंत पटेल, अखिलेश राय, आशा शर्मा, आशा सोनी सहित अन्य नेता-कार्यकर्ता मौजूद रहे.

पेज 1 का शेष...

गिद्धों की चाहत से...

कुछ लोग कल्याण मार्ग का रास्ता पूछ रहे हैं. ऐसी ही दुआएं तब भी की जा रही थीं जब श्रीलंका में उथल-पुथल मची थी. उस समय उनकी दुआएं कुबूल नहीं हुईं, लेकिन इस बार तैयारी पहले से है. हमारे एक बड़े नेता विदेश में जाकर अमेरिका, यूरोप से मदद की मांग कर ही चुके हैं. युवा प्रधानमंत्री को डंडे से मारेंगे, यह अभिलाषा प्रकट हो चुकी है. कोई माथा फोड़ना चाहता है, कोई बोटी-बोटी काटने पर आमादा है. कोई उन्हें हिटलर की मौत मारना चाहता है तो कोई कुत्ते की तरह मरने की कामना कर रहा है. तो क्या भारत में ये प्रार्थनाएं, कामनाएं स्वीकार होंगी ? प्रधानमंत्री ने इस बार लाल किले के प्राचीर से इंगित कर दिया है कि चुनौतियां अंदर से भी हैं और बाहर से भी. लेकिन इन चुनौतियों को चुनौती देने का सामर्थ्य भारतवासियों में है.

वैसे भी गिद्धों की चाहत से गाय नहीं मरती है. हमारा लोकतंत्र न आयातित है, ना ही थोपा हुआ. लोकतंत्र हमारी रगों में है. इसकी जड़े मजबूत हैं. यों नहीं भारत लोकतंत्र की जननी है. जब इमरजेंसी के दौरान सभी नागरिक अधिकार छीन लिये गये थे, नेताओं, युवाओं को जेल में डाल दिया गया था, तब भी इस देश में सशस्त्र या हिंसक विरोध नहीं हुआ. आंदोलन के अगुआ जयप्रकाश नारायण का आदेश था कि विरोध हिंसक नहीं होना चाहिए. इंदिरा गांधी की कुर्सी गई तो चुनाव से, लोकतांत्रिक हथियार से. 1984 में उनकी हत्या भी हुई तो उसके पीछे कोई षडयंत्र या विरोध प्रदर्शन नहीं था. स्वर्ण मंदिर में गोलियां चलवाने के कारण सिख नाराज थे और दो सिरफिरे संतरियों ने यह घृणित कर्म कर दिया था. फिर भी राजीव गांधी बिना किसी विरोध के प्रधानमंत्री बने. राजीव गांधी की हत्या भी किसी फौजी या पुलिसवाले ने नहीं, लिट्टे के आतंकवादियों ने की थी.

पाकिस्तान और बांग्लादेश 1947 तक तो भारत का ही हिस्सा थे. लेकिन विभाजन के बाद उनके यहां वह जम्हूरी तमीज, तहजीब विकसित नहीं हुई जिसकी जड़ें भारत में पहले से गहरी थीं और आज भी भीतरी-बाहरी साजिशों के बावजूद उन जड़ों में मट्ठा डालने की हैसियत किसी की नहीं है. फिर भी हमें देश में छिपे बहुरंगी, बहुभाषी, बहुभेषी गद्दारों की शिनाख्त तो करनी ही चाहिए और उनसे सचेत भी रहना चाहिए. हमारे लोकतंत्र की मजबूती का एक बड़ा कारण हमारा सनातन होना या सनातनियों का बाहुल्य भी है. सनातन में ष्शास्त्रार्थ की परंपरा रही है. हम विष्व के कल्याण के लिए प्रार्थना करते हैं. हम सबके स्वस्थ सुखी रहने की कामना करते हैं और सबसे बड़ी बात यह है कि हमारे बुजुर्गों ने आजाद भारत को ऐसा संविधान दिया है जिसकी अवहेलना कोई नही एंकर सकता है, न विधायिका, न कार्यपालिका, न न्यायपालिका और ना ही फौज.

रिटेल सेक्टर में उतार-चढ़ाव

भारत में एक ओर जहां खुदरा व्यापार में तेज वृद्धि की संभावनाएं व्यक्त की जा रही हैं, वहीं दूसरी ओर संगठित रिटेल सेक्टर (खुदरा व्यापार) पिछले वित्त वर्ष (2023-24) में किन हालात से गुजरा, इसकी एक झलक अब सामने आई है. यह खबर आम भारतीयों की माली हालत का एक आईना भी है. पिछले वित्त वर्ष में संगठित रिटेल सेक्टर में हजारों कर्मचारियों की छंटनी की गई. सिर्फ पांच बड़े रिटेलर्स-रिलायंस इंडस्ट्रीज की रिटेल शाखा, टाइटन, रेमंड, पेज और स्पेन्सर्स ने अपने 52 हजार कर्मचारी हटा दिए. रिटेल सेक्टर में कर्मचारियों की कटौती की सूचना खुद कंपनियों की वार्षिक रिपोर्ट से सामने आई है. अब संगठित रिटेल का यह हाल हो तो असंगठित क्षेत्र का अंदाजा लगाया जा सकता है. उल्लेखनीय है कि कृषि के बाद रिटेल सेक्टर ही भारत में सबसे ज्यादा लोगों को रोजगार मुहैया कराता है. इस क्षेत्र के जानकारों ने कहा है कि 2022 की दिवाली के बाद से रिटेल सेक्टर मंदा पड़ने लगा. उपभोक्ताओं ने वस्त्र, लाइफस्टाइल प्रोडक्ट्स, इलेक्ट्रॉनिक्स आदि पर खर्च घटा दिए. साथ ही बाहर जाकर खाने के चलन में भी बड़ी गिरावट देखने को मिली है. कुल मिला कर पिछले वित्त वर्ष में रिटेल सेक्टर के कारोबार में चार प्रतिशत की गिरावट आई. कोरोना महामारी के बाद इस क्षेत्र में उछाल देखने को मिला था, लेकिन वह दौर अब गुजर चुका है. रिटेल सेक्टर में मंदी की पुष्टि एक दूसरे आंकड़े से भी होती है. बीते पांच साल से इस क्षेत्र में नए स्टोर खोलने के लिए क्षेत्र विस्तार की दर गिरती चली गई है. जाहिर है, जब बाजार में मांग बढ़ रही होती है तो नए स्टोर खुलते हैं और उनमें नई नौकरियां पैदा होती हैं. मांग का सीधा संबंध आय बढ़ने से है, जबकि भारत की असल कहानी यह है कि औसत वास्तविक आय में गिरावट दर्ज हुई है. कमरतोड़ महंगाई ने लोगों की आमदनी का मूल्य गिरा दिया है. परिणामस्वरूप कारोबार सिकुड़े हैं और नौकरियां घटी हैं. इस तरह देश एक दुश्चक्र में फंस गया है. यह बात आम शख्स से लेकर विशेषज्ञ अर्थशास्त्रियों तक के सामने स्पष्ट है. यह सिर्फ केंद्र सरकार ही है, जो इस सच को स्वीकार नहीं करती और गढ़े गए आंकड़ों के जरिए फर्जी कथानक तैयार करने में जुटी रहती है. किर्यनी रिसर्च के अनुसार, भारत का खुदरा उद्योग 2019-2030 के दौरान 9% की दर से बढ़ने का अनुमान है, जो 2019 में 779 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2026 तक 1,407 बिलियन अमेरिकी डॉलर और 2030 तक 1.8 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक हो जाएगा. भारत के प्रत्यक्ष बिक्री उद्योग का मूल्य 2025 के अंत तक 7.77 बिलियन अमेरिकी डॉलर होने की उम्मीद है. भारत में ई-रिटेल शॉपर्स की संख्या तीसरी सबसे ज्यादा है (चीन और अमेरिका से पीछे). नए जमाने के लॉजिस्टिक्स प्लेयर्स से 2030 तक 2.5 बिलियन डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर शिपमेंट डिलीवर करने की उम्मीद है. अगले 10 सालों में ऑनलाइन यूज्ड कार ट्रांजैक्शन की पहुंच नौ गुना बढ़ने की उम्मीद है. हाल ही में आई इंडस्ट्री रिपोर्ट के अनुसार, ई-कॉमर्स इंडस्ट्री ने ऑर्डर वॉल्यूम के मामले में साल दर साल 36.8% की शानदार वृद्धि देखी है.

> कमरतोड़ महंगाई ने लोगों की आमदनी का मूल्य गिरा दिया है. परिणामस्वरूप कारोबार सिकुड़े हैं और नौकरियां घटी हैं. इस तरह देश एक दुश्चक्र में फंस गया है. यह बात आम शख्स से लेकर विशेषज्ञ अर्थशास्त्रियों तक के सामने स्पष्ट है.

सुभाषित

अर्थाः भवन्ति गच्छन्ति लभ्यते च पुनः पुनः।
पुनः कदापि नायाति गतं तु नवयौवनम्॥

धन मिलता है, नष्ट होता है. नष्ट होने के बाद फिर से मिलता है, परन्तु जवानी एक बार निकल जाए, तो कभी वापस नहीं आती. इसलिए उस अवधि में पुरुषार्थ को सिद्ध करने की दिशा में प्रयत्न किया जाना चाहिए. एक बार समय हाथ से निकल जाये तो वह वापस नहीं आता.

दिलचस्प होगा झारखंड विधानसभा चुनाव

रांची में भी भाजपा ने उत्कृष्ट जीत दर्ज की है. आजसू पार्टी ने भी तिकोना संघर्ष में 35. 67% मतों के साथ विजय पताका फहरायी है. राजनीतिक पंडित लोकसभा चुनाव के विधानसभा क्षेत्रवार परिणाम के आलोक में आगामी चुनाव परिणाम को देखते हैं, पर यह एक भ्रम सिद्ध होता रहा है. उदाहरण स्वरूप 2019 लोकसभा चुनाव में विधानसभा सीट वाइज अधिक वोट और सीट पाने वाली भाजपा विधानसभा चुनाव में 25 पर ही सिमट कर रह गयी.

जम्मू कश्मीर और हरियाणा विधानसभा की चुनावी घोषणा के उपरांत स्पष्ट हो गया है कि झारखंड और महाराष्ट्र राज्य विधानसभा के चुनाव समय पर ही होंगे. परंतु इन दोनों राज्यों में भी अब चुनावी हलचल तेज हो गयी है. महाराष्ट्र में जहां दो मोर्चों (युति) के बीच संघर्ष स्पष्ट है, वहीं झारखंड में भी कमोबेश लड़ाई एनडीए और इंडी अलायंस के बीच ही है. हालिया लोकसभा चुनाव में दोनों का आंकड़ा 9 और 5 का रहा है. पूर्व में 11 लोकसभा सीटों पर काबिज भारतीय जनता पार्टी आठ पर सिकुड़ गई है तो उसके सहयोगी आजसू पार्टी को गिरिडीह में मिली विजय को 2024 में भी बचाने में महारत मिली है. 2024 के चुनाव में न केवल दरका है, अपितु मतों का अनुपात भी नीचे खिसका है. विशेष कर अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित पांच सीटों में चार पर मिले वोट 40% से कम पर आ गए हैं. मात्र एक सीट दुमका में भाजपा उम्मीदवार को 44.32% वोट मिले. 2019 में दुमका सीट भाजपा की झोली में थी, पर इस बार का प्रयोग नया रहा. केंद्रीय मंत्री और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री तथा झारखंड के लोकप्रिय नेता अर्जुन मुंडा को भी खूंटी में(शायद जीवन की पहली) करारी हार देखनी पड़ी. लोहरदगा चाईबासा और राजमहल के सारे प्रयोग धरे के धरे रह गए और सभी ट्राइबल सीटों पर इंडी एला. ने कब्जा जमा लिया, जबकि तीन सीटों पर 2019 में भाजपा को सफलता मिली थी. भाजपा का सीता-गीता प्रयोग भी काम नहीं आया. दूसरी ओर भाजपा ने सामान्य सीटों पर बेहतर अनुपात में मतों के साथ शत प्रतिशत सफलता हासिल की है, तो पलामू के आरक्षित सीट को भी बरकरार रखने में सफलता पाई है. कोडरमा, गोड्डा, चतरा, धनबाद, जमशेदपुर, हजारीबाग, पलामू में मतों की उपलब्धि 50% से अधिक रही है. रांची में भी भाजपा ने उत्कृष्ट जीत दर्ज की है. आजसू पार्टी ने भी तिकोना संघर्ष में 35. 67% मतों के साथ विजय पताका फहरायी है. राजनीतिक पंडित लोकसभा चुनाव के विधानसभा क्षेत्रवार परिणाम के आलोक में आगामी चुनाव परिणाम को देखते हैं, पर यह एक भ्रम सिद्ध होता रहा है. उदाहरण स्वरूप 2019 लोकसभा चुनाव में विधानसभा सीट वाइज अधिक वोट और सीट पाने वाली भाजपा विधानसभा चुनाव में 25 पर ही सिमट कर रह गयी. प्रायः चुनाव पार्टी, उम्मीदवार, कार्यकर्ता, प्रबंधन, कार्य, राज्य- क्षेत्र, मुद्दों पर निर्भर करते हैं. इसमें अब जाति की भूमिका बहुत बड़ी हो गई है. मतदाता चर्चा संवाद में भले ऊंची-ऊंची बातें कर लें, बड़ा धड़ा चुनाव में इन्हीं संकरी गलियों से गुजरता है. ऐसे में राष्ट्रीय पार्टियों विशेष कर मुद्दों, समस्याओं, प्रश्नों को लेकर मैदान में उतरने वाले दलों के लिए वातावरण बहुत अनुकूल नहीं होता! उदाहरण के तौर पर गिरिडीह के हालिया चुनाव को देखा जा सकता है. एक नवोदित उम्मीदवार को 27 % से अधिक मत मिले. झारखंड विधानसभा के चुनावी ट्रेंड में कोई भारी उथल-पुथल होगा, ऐसा नहीं लगता. भाजपा और इंडी ग्रुप अर्थात झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस अपने-अपने ढंग से नेरिटिव गढ़ रहे हैं, पर छिटपुट घटनाओं को छोड़कर कोई बड़ी हलचल मतदाताओं में दिखाई नहीं देती. जनजातीय क्षेत्र जहां से 2019 के विधानसभा चुनाव में झामुमो को बड़ी सफलता प्राप्त हुई थी, वहां उनके सामने अपनी सीटों की रक्षा का प्रश्न है तो महज दो सीटों पर सिमटी भाजपा के लिए बढ़त बनाना सामान्य चुनौती नहीं है. विगत आम चुनाव में भाजपा को केवल खूंटी और तोरपा से ही जीत मिली थी, दूसरी ओर अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित नौ सीटों में से भाजपा ने छः सीटों अर्थात देवघर, सिमरिया, जमुआ, चंदन क्यारी, कांके और छतरपुर पर कब्जा जमाया था. पर अनुसूचित जनजाति सीटों से भाजपाई खूंटा उखड़ सा गया था. अबकी बार जहां जनजातीय क्षेत्रों में भाजपा को भारी मशक्कत करनी होगी, वहीं अनारक्षित क्षेत्र में जाति, समीकरणों, क्षेत्रीय समस्याओं से दो हाथ भी करना पड़ेगा. वहीं इंडी अलायंस के झामुमो को जनजातीय सीटों को बचाने के लिए जद्दोजहद करनी होगी. जोबा मांझी, नलिन सोरेन जैसे दो दिग्गजों की खाली सीटें भी चुनौती देंगी. इसी प्रकार लाख प्रयास के बावजूद सत्ता की इनकम्बेंसी और चंपई सोरेन प्रकरण के साथ संथाल क्षेत्र की बदलती डेमोग्राफी तथा सरकार की क्षीण उपलब्धियों भी राह में रोड़ा बनेंगी. आज का राजनीतिक प्रशासन बड़ी तेजी से कर राजस्व के बूते अनुत्पादक रेवड़ियां बांटकर वोट का प्रबंध करता है .यह तात्कालिक प्रभाव तो उत्पन्न करता है, पर इसका दूरगामी परिणाम समग्रता में हितकर नहीं होता! पर चलन तो इसी का है ? भाजपा ने अपनी सांगठनिक पद्धति के अनुकूल क्षेत्र प्रभारी, राज्य प्रभारी, संगठन महामंत्री के ऊपर दो मूर्धन्य संगठन महारथियों को इस चुनाव के लिए झारखंड में उतारा है. तात्कालिक रूप से कार्यकर्ताओं में बेहतर संचार संपर्क एवं संवाद की स्थिति बनने की उम्मीद लोग कर रहे हैं, पर मतदाताओं के ऊपर विशेष कर जनजाति क्षेत्र में यह प्रयोग कितना प्रभावी होगा, सफल होगा देखने की बात है. झारखंड विधानसभा चुनाव में भाजपा- झामुमो में कांटे का टक्कर होगा, यह तो संभावित है, पर कांग्रेस और आजसू भी अपनी मजबूत स्थिति के लिए संघर्ष को तेज करेंगे, इसकी भी उम्मीद की जाती है. इसी बीच कहीं-कहीं अन्य क्षेत्रीय पार्टियों भी अपनी पहचान के लिए कुलांचें मारेंगी. इधर एनडीए के घटकों में से कई कुछ दल इस बार चुनाव को प्रभावित करने की कवायद में सक्रिय दिखाई दे रहे हैं. संभव है उपस्थिति दर्ज करायें. कुल मिलाकर झारखंड विधानसभा का आगामी चुनाव कई मामलों में दिलचस्प होगा, महत्वपूर्ण भी.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• देश-काल

अयोध्या नाथ मिश्र

• बोधि-वृक्ष सुज्ञ

जैसा अन्न, वैसा मन

हमारे मनीषियों ने काफी साधना और विचार मंथन के बाद शास्त्रों और पुराणों ने स्पष्ट किया कि मनुष्य के मनोमस्तिष्क पर आहार और व्यवहार का सीधा प्रभाव पड़ता है. आपके आहार के अनुसार आपकी मनोवृत्ति में परिवर्तन होता चला जाएगा और आपको पता भी नहीं चलेगा. इसलिए भोजन की शुद्धता पर अधिक जोर दिया गया है, ताकि लोगों का मनोमस्तिष्क संतुलित रह सके. यदि भोजन अशुद्ध होगा तो उसका प्रभाव तत्काल समझ में आने लग जाएगा.भोजन की शुद्धता इस बात पर भी निर्भर करता है कि जो अन्न आप ग्रहण कर रहे हैं, उसका उपार्जन कैसे हुआ है. अगर उपार्जन का स्रोत गलत होगा तो उससे प्राप्त अन्न भी उचित प्रभाव नहीं दे पाएगा. इसका एक दृष्टांत है- एक साधु ग्रामानुग्राम विचरण करते हुए जा रहे थे और एक गांव में प्रवेश करते ही शाम हो गई. ग्रामसीमा पर स्थित पहले ही घर में आश्रय मांगा,वहां एक पुरुष था, जिसने रात्रि विश्राम की अनुमति दे दी और भोजन के लिए भी कहा. साधु भोजन कर बरामदे में पड़ी खाट पर सो गया. चौगान में गृहस्वामी का सुन्दर हृष्ट पुष्ट घोड़ा बंधा था. साधु सोते हुए उसे निहारने लगा. साधु के मन में दुर्विचार ने डेरा जमाया, 'यदि यह घोड़ा मेरा हो जाय तो मेरा ग्रामानुग्राम विचरण सरल हो जाय'. वह सोचने लगा, जब गृहस्वामी सो जायेगा आधी रात को मैं घोड़ा लेकर चुपके से चल पड़ूंगा. गृहस्वामी को सोया जानकर साधु घोड़ा ले उड़ा. कोस एक कोस जा कर पेड़ से घोड़ा बांधकर सो गया. प्रातः उठकर नित्यकर्म निपटाया और घोड़े के पास आकर फिर उसके विचारों ने गति पकड़ी. 'अरे! मैंने यह क्या किया? एक साधु होकर मैंने चोरी की?' यह कुबुद्धि मुझे क्योंकर सूझी?' उसने घोड़ा गृहस्वामी को वापस लौटाने का निश्चय किया और उल्टी दिशा में चल पड़ा. उसी घर में पहुंच कर गृहस्वामी से क्षमा मांगी और घोड़ा लौटा दिया. साधु ने सोचा कल मैंने इसके घर का अन्न खाया था, कहीं मेरी कुबुद्धि का कारण इस घर का अन्न तो नहीं, जिज्ञासा से उस गृहस्वामी को पूछा- 'आप काम क्या करते हैं, आपकी आजीविका क्या है?' अचकचाते हुए गृहस्वामी ने साधु जानकर उसे अपनी सारी सच्चाई बता दी- 'महात्मा जी मैं चोर हूं और चोरी करके अपना जीवनयापन करता हूं'. साधु का समाधान हो गया, चोरी से उपार्जित अन्न का आहार पेट में जाते ही उसके मन में कुबुद्धि पैदा हो गई थी. जो प्रातः नित्यकर्म में उस अन्न के निहार हो जाने पर ही सद्बुद्धि वापस लौटी. नीति-अनीति से उपार्जित आहार का प्रभाव प्रत्यक्ष था.

जम्मू-कश्मीर : बनते बिगड़ते गठबंधन

• चुनाव चर्चा

कल्याणी शंकर

जम्मू और कश्मीर में 18 सितंबर, 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को तीन चरणों में विधानसभा चुनाव होंगे, जिसमें 90 विधायकों का चुनाव होगा. अगस्त 2019 में भारत के संविधान की धारा 370 के निरस्त होने और राज्य के विभाजन के बाद यह पहला चुनाव होगा.नये चुनाव कराने में देरी कई सालों से विवाद का विषय रही है. हालांकि, समय-सीमा तय करने में हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय का निर्देश महत्वपूर्ण था. अब जब चुनावों की घोषणा हो गई है, तो सभी राजनीतिक दलों ने इसका स्वागत किया है.कश्मीर लंबे समय से भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष का एक महत्वपूर्ण स्रोत रहा है. दोनों देश कश्मीर पर दावा करते हैं, हालांकि वे इसके केवल एक हिस्से पर शासन करते हैं. पाकिस्तान ने इस मुद्दे का अंतरराष्ट्रीयकरण भी कर दिया है, जिसे संयुक्त राष्ट्र में भी लाया गया है.2019 में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा राज्य को विभाजित करने के फैसले के बाद मिली-जुली प्रतिक्रियाएं सामने आईं. इस फैसले के कारण कश्मीर ने अपना झंडा, आपराधिक संहिता और संवैधानिक सुरक्षा खो दी. कश्मीरियों के लिए सरकारी नौकरी के अवसर कम हो गये और अब वे गैर-निवासियों के लिए खुले हैं. चुनौतियों के बावजूद, राज्य ने सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह के बदलाव देखे हैं. प्रधानमंत्री की पहल ने विकास को बढ़ावा दिया है और जम्मू-कश्मीर में निवेश करने में खाड़ी देशों की बढ़ती दिलचस्पी एक आशाजनक भविष्य का संकेत देती है, जिससे निवासियों में उम्मीद जगी है. गृह मंत्रालय ने बताया कि 2019 में सुरक्षा बलों की हताहतों की संख्या 80 से घटकर 2023 में 33 हो गई है और 2019 में 44 से घटकर 2023 में 12 नागरिकों की मौतें हुई हैं.पिछले राज्य चुनाव 2014 में हुए थे. 2024 के लोकसभा चुनावों में उच्च मतदान ने विधानसभा चुनावों को कराने के उत्साह को जन्म दिया है. कश्मीर में हाल ही में हुए संसदीय चुनावों में ऐतिहासिक 58.46 प्रतिशत मतदान हुआ, जो 2019 के आम चुनाव से 30 अंकों की वृद्धि है. सरकार ने 2019 में भारत के संविधान की धारा 370 को हटाने और विभाजन के बाद 2022 में परिसीमन अभ्यास पूरा किया. 2022 के परिसीमन के बाद जम्मू और कश्मीर में विधानसभा सीटें 87 से बढ़कर 114 हो गईं, जिसमें पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) की 24 सीटें शामिल हैं. अपेक्षित है कि यह वृद्धि संभावित रूप से सत्ता के संतुलन को बदल सकती है और आगामी चुनावों में राजनीतिक दलों की रणनीतियों को प्रभावित कर सकती है. राजनीतिक दलों ने आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारी शुरू कर दी है, जिसमें प्रचार रणनीति, गठबंधन और उम्मीदवार चयन शामिल हैं. कांग्रेस, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी और नेशनल कॉन्फ्रेंस ने चुनावों की योजना बनाने के लिए बैठकें कीं. यदि विधानसभा चुनाव निर्धारित समय पर होते हैं, तो पार्टी ने नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी के बीच मुकाबला देखने को मिलेगा. इसके अलावा, लोकसभा चुनावों के दौरान जिस ध्रुवीकरण और अलगाववादी कथानक ने जोर पकड़ा था, वह विधानसभा चुनावों के दौरान और तेज हो जायेगा. 2014 के जम्मू-कश्मीर चुनाव में किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिला था. 49 दिनों तक राष्ट्रपति शासन लागू रहा, जब तक कि पीडीपी की महबूबा मुफ्ती को भाजपा के समर्थन से मुख्यमंत्री नहीं बना दिया गया. बाद में भाजपा ने सत्तारूढ़ गठबंधन से अपना समर्थन वापस ले लिया, जिसके कारण फिर से राष्ट्रपति शासन लागू हो गया. नवंबर 2018 में विधानसभा भंग कर दी गई और दिसंबर 2018 में राष्ट्रपति शासन फिर लागू कर दिया गया. तब से राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू है. सरकार को यह तय करना होगा कि नरम अलगाववाद से निपटने के लिए कश्मीर घाटी में हस्तक्षेप करना है या चुनाव से पहले पुनर्गठन योजना पर विचार करना है. संसदीय चुनावों के दौरान, कांग्रेस और एनसी ने गठबंधन किया था. एनसी ने कश्मीर में तीन सीटों पर चुनाव लड़ा, जबकि कांग्रेस ने जम्मू और उधमपुर में चुनाव लड़ा. इंडिया गठबंधन का हिस्सा पीडीपी को समायोजित नहीं किया गया और उसने नेशनल कॉन्फ्रेंस के खिलाफ कश्मीर में तीन सीटों पर उम्मीदवार उतारे. आगामी विधानसभा चुनावों के लिए परिदृश्य स्पष्ट नहीं है. कांग्रेस और एनसी एक साथ आ सकते हैं. उमर अब्दुल्ला ने कहा कि पीडीपी के साथ गठबंधन करना मुश्किल होगा क्योंकि संसदीय चुनाव में दोनों एक दूसरे के खिलाफ खड़े हुए थे.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> कश्मीरियों के लिए सरकारी नौकरी के अवसर कम हो गये और अब वे गैर-निवासियों के लिए खुले हैं. चुनौतियों के बावजूद, राज्य ने सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह के बदलाव देखे हैं. प्रधानमंत्री की पहल ने विकास को बढ़ावा दिया है और जम्मू-कश्मीर में निवेश करने में खाड़ी देशों की बढ़ती दिलचस्पी एक आशाजनक भविष्य का संकेत देती है, जिससे निवासियों में उम्मीद जगी है.

आंदोलनों के बाद चुनावी चौराहे पर श्रीलंका

• देशांतर

पुष्परंजन

पद राष्ट्रपति का हो, या फिर प्रधानमंत्री का, श्रीलंका में दोनों को चुनाव के जरिये सत्ता में आना है. अमेरिका में शरणागत बेसिल राजपक्षे ने संसदीय चुनाव पहले कराने का दबाव डाला था. राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने बेसिल राजपक्षे से कहा था कि संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार राष्ट्रपति चुनाव ही पहले होना है, लेकिन, अगर आपके सभासदों को जल्दी संसदीय चुनाव की आवश्यकता है, तो उन्हें संसद में इस आशय का प्रस्ताव पारित करवाना चाहिए था. इसके लिए केवल साधारण बहुमत की आवश्यकता है. महिंदा राजपक्षे ने भी पहले संसदीय चुनाव के प्रस्ताव का समर्थन किया था. महिंदा राजपक्षे को लगता है कि रानिल विक्रमसिंघे कोई बड़ा खेल कर रहे हैं, इस वजह से अपने पुत्र नमल को चुनाव मैदान में उतारा है. संसद के 225 सदस्यों में से 196 आनुपातिक प्रतिनिधित्व की प्रणाली के माध्यम से 22 चुनावी जिलों से चुने जाते हैं. शेष 29 को प्रत्येक पार्टी के सचिव द्वारा पार्टी को प्राप्त मतों की संख्या के अनुपात में नियुक्त किया जाता है. 2020 में संसदीय आम चुनाव महिंदा राजपक्षे की पार्टी 'श्रीलंका पोडुजना पेरमुना (एसएलपीपी)' ने सबसे अधिक सीटें प्राप्त की थीं. 2022 में विद्रोह, और राजपक्षे कुनबे को कुर्सी से खदेड़ दिये जाने के बावजूद संसद भंग नहीं हुई, चुनांचे संसदीय चुनाव 2026 में ही होंगे. श्रीलंका में राष्ट्रपति का डिप्टी, प्रधानमंत्री होता है, जो संसद में सत्तारूढ़ दल का नेता भी होता है. संसद में अविश्वास प्रस्ताव पारित होने की स्थिति में राष्ट्रपति, मौजूदा मंत्रिमंडल को भंग करने और नए मंत्रिमंडल की नियुक्ति करने के लिए जिम्मेदार होता है. नवम्बर 2019 में महिंदा राजपक्षे के छोटे भाई गोटाबाया राजपक्षे ने श्रीलंका के राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल की थी. उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी, सत्तारूढ़ यूनाइटेड नेशनल पार्टी (यूएनपी) के सजित प्रेमदासा ने हार स्वीकार करते हुए कहा कि वह 'लोगों के फैसले का सम्मान करेंगे.' प्रेमदासा इस बार फिर राष्ट्रपति के लिए चुनाव मैदान में हैं. 2019-20 के कालखंड में पूरा राजपक्षे कुनबा बेशर्मी से सत्ता पर क़ाबिज़ हुआ था. महिंदा राजपक्षे प्रधानमंत्री, गोटबाया राजपक्षे राष्ट्रपति, एक और भाई चमल राजपक्षे सिंचाई मंत्री, सबसे छोटे भाई बेसिल राजपक्षे वित्त मंत्री, पुत्र नमल खेल मंत्री.75 साल के गोटाबाया राजपक्षे और 78 साल के महिंदा राजपक्षे शारीरिक रूप से थकने, और जनता द्वारा तिरस्कृत किये जाने के बावजूद, अपनी विरासत को बचाने की कवायद में नमल राजपक्षे की इंट्री कराई है. 38 साल के नमल को राष्ट्रपति चुनाव में उतारकर महिंदा राजपक्षे परीक्षण करना चाहते हैं कि श्रीलंका की राजनीति में उनके कुनबे को स्वीकार या नकार की क्या स्थिति है. लंदन विश्वविद्यालय से कानून स्नातक नमल पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के सबसे बड़े बेटे हैं. पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक के रूप में नमल 'एसएलपीपी' का फ्रंटलाइन चेहरा बनकर उभरे हैं, लेकिन यह कहना मुश्किल है कि नमल राजपक्षे की लोकप्रियता का ग्राफ अब कहां जाकर टिका है? नमल राजपक्षे की इंट्री ने राष्ट्रपति चुनाव में मुकाबले को चतुष्कोणीय बना दिया है. राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ में नमल राजपक्षे के अलावा निवर्तमान राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे, मुख्य विपक्षी नेता साजिथ प्रेमदासा और मार्क्सवादी जेवीपी नेता अनुरा कुमारा दिसानायके भी शामिल हैं. नमल की देर से इंट्री हुई है, उससे पहले राजपक्षे की पार्टी के 100 से ज्यादा सांसद रानिल विक्रमसिंघे की निर्दलीय उम्मीदवारी को समर्थन देने का ऐलान कर चुके थे. एसएलपीपी आलाकमान ने रानिल विक्रमसिंघे का समर्थन करने वालों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने को कहा है.रानिल विक्रमसिंघे महिंदा राजपक्षे के लिए भरोसे के आदमी नहीं रहे. राजपक्षे कुनबे को लगता है, कि यदि रानिल विक्रमसिंघे की जड़ें मजबूत हुईं, तो हमारा कुनबा जमीन से उखड़ जायेगा.सत्ता से भगाये राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे के सबसे छोटे भाई और पूर्व वित्त मंत्री बेसिल राजपक्षे की भी रानिल विक्रमसिंघे से नहीं बन रही थी. ऐसा लगता है, कि कोलंबो 'पूर्ण परिवर्तन' के लिए राष्ट्रपति चुनाव चाहता है. न केवल 'पूर्ण परिवर्तन' बल्कि एक बहुत बड़ा परिवर्तन, जिसमें संपूर्ण राज्य तंत्र और स्थानीय निकायों तक की राजनीति का पुनर्गठन शामिल है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> संसद के 225 सदस्यों में से 196 आनुपातिक प्रतिनिधित्व की प्रणाली के माध्यम से 22 चुनावी जिलों से चुने जाते हैं. शेष 29 को प्रत्येक पार्टी के सचिव द्वारा पार्टी को प्राप्त मतों की संख्या के अनुपात में नियुक्त किया जाता है. 2020 में संसदीय आम चुनाव महिंदा राजपक्षे की पार्टी 'श्रीलंका पोडुजना पेरमुना (एसएलपीपी)' ने सबसे अधिक सीटें प्राप्त की थीं.

मीडिया में अन्यत्र

आर्थिक जनगणना की दिशा में ठोस पहल

केंद्र सरकार ने आठवीं आर्थिक जनगणना की तैयारी शुरू कर दी है. माना जा रहा है कि अगले वर्ष उसकी औपचारिक शुरुआत कर दी जाएगी. आर्थिक जनगणना एक अहम उपाय है जो देश भर के प्रतिष्ठानों के ढांचों और परिचालन को लेकर विस्तृत डेटा मुहैया कराता है. इसके आधार पर आर्थिक गतिविधियों, स्वामित्व और श्रम शक्ति संबद्धता को लेकर अंतर्दृष्टि हासिल की जा सकती है. यह आंकड़ा राज्य और जिला स्तर पर सामाजिक आर्थिक नियोजन के लिए भी महत्वपूर्ण है. बहरहाल चिंताएं बरकरार हैं. सबसे ताजा आंकड़े छठी जनगणना के हैं जो 2013 में हुई थी. इसके नतीजे 2016 में प्रकाशित किए गए, सातवीं आर्थिक जनगणना 2019 में हुई थी लेकिन उस दौरान कई बाधाएं आईं. आरंभ में प्रक्रिया कोविड-19 महामारी से बाधित हुई थी और उसके बाद संग्रहित आंकड़ों की गुणवत्ता को लेकर तमाम चिंताएं उत्पन्न हो गईं. सातवीं गणना के आंकड़ों का जारी होना जरूरी है ताकि अलग-अलग अवधि के लिए सार्थक तुलना और विश्लेषण किया जा सके. एक तथ्य यह भी है कि यह प्रक्रिया बिना किसी आधिकारिक स्पष्टीकरण के बाधित हुई. इससे प्रक्रिया की ईमानदारी को लेकर तमाम सवाल पैदा होते हैं. यह समूची सांख्यिकी प्रणाली की मजबूती पर भी प्रश्नचिह्न लगाता है. आंकड़ों की गुणवत्ता और पुराने अनुभवों से सीखे गए सबक की बात करें तो इसके लिए पारदर्शिता बहुत आवश्यक है और डेटा को सार्वजनिक किया जाना चाहिए. इससे न केवल कमियों को दूर करने में मदद मिलेगी बल्कि सांख्यिकीय प्रक्रिया में विश्वास बहाल होगा तथा यह सुनिश्चित हो सकेगा कि भविष्य में होने वाली ऐसी गणना में आंकड़ों तथा विश्वसनीयता का ध्यान रखा जाए. इसके अलावा सरकार नैशनल सैंपल सर्वे के 80वें दौर को अंजाम देने पर विचार कर रही है जिसमें स्वास्थ्य, घरेलू यात्रा और पर्यटन संबंधी व्यय आदि शामिल होंगे. सेवा क्षेत्र का एक व्यापक सर्वेक्षण भी उसके तत्काल बाद कराया जा सकता है. इससे राष्ट्रीय स्तर पर डेटा संग्रह के प्रयासों का दायरा बढ़ेगा. इसके साथ ही सरकार ने हाल ही में कई बड़े सैंपल सर्वे के आंकड़े जारी किए हैं. उदाहरण के तौर पर परिवार खपत व्यय सर्वे के आंकड़े 2011 के बाद पहली बार जारी किए गए. इन कोशिशों को राष्ट्रीय सांख्यिकी और अन्य प्रमुख सूचकांकों के लिए आधार वर्ष में परिवर्तन के लिए सलाहकार समितियों की स्थापना के जरिये पूरा किया जाता है. इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि देश की सांख्यिकीय प्रणाली की प्रासंगिकता बरकरार रहे और वर्तमान आर्थिक वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करे. नीति निर्माण को बेहतर बनाने तथा समग्र सांख्यिकीय ढांचे को मजबूत बनाने के लिए अद्यतन और बेहतर आंकड़ों का होना आवश्यक है.

(बिजनेस स्टैंडर्ड)

शब्द चर्चा डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

ढूंढना/ढूँढ़ना

आज जब कॉलम लिखने बैठा, तो एकाग्रता बन ही नहीं रही थी. सोचा कि कुछ पुराने गाने सुन लूं. लता के गीत यू-ट्यूब पर सुनने लगा. पहला गीत फिल्म 'बेमिसाल' का था, जिसे राखी और अमिताभ बच्चन पर फिल्माया गया है. गीत लिखा है आनंद बख्शी ने और गाया है लता मंगेशकर ने. बोल थे 'ए री पवन, ढूंढे किसे तेरा मन चलते-चलते...' गीत सुनते ही बूढ़ा बंदर गुलाटी मारना नहीं भूलता. इसी तर्ज पर कहना चाहता हूं कि भले मन एकाग्र न हो, लेकिन शब्दों को सुनने-समझने की लत है, तो वह जोर मारती रहेगी. यही हुआ मेरे साथ भी. गीत सुनते ही ध्यान गया कि गीत में 'पवन' का इस्तेमाल स्त्रीलिंग रूप में हुआ है, जबकि हिंदी के तमाम शब्दकोश 'पवन' को पुल्लिंग बताते हैं. इसी गीत में लता के उच्चारण की ओर भी ध्यान गया कि वह 'ढूंढे किसे तेरा मन' गा रही हैं, यानी 'ढूंढे' नहीं. ध्यान आया कि 1974 में बनी फिल्म ठोकर के लिए मुकेश ने भी एक गीत गाया था, जिसके बोल थे 'मैं ढूंढता हूं जिनको...' मुकेश ने भी 'ढूंढना' ही गाया है 'ढूंढना' नहीं. इसी तरह फिल्म घरौंदा का भी एक गीत है जिसमें 'ढूंढना' शब्द का इस्तेमाल हुआ है. अमोल पालेकर और जरीना वहाब पर फिल्माए गए इस गीत को भूपेंद्र और रुना लैला ने गाया है, गीत लिखा है गुलज़ार ने. बोल हैं 'दो दीवाने शहर में, रात में या दोपहर में आबूदाना ढूंढते हैं इक आशियाना ढूंढते हैं'. वास्तव में 'आबूदाना' शब्द फारसी का 'आब-ओ-दाना' है, जिसका मतलब जल और अन्न है यानी अन्न-जल, दाना-पानी है. यहां भी 'ढूंढते' ही गाया गया है, 'ढूंढ़ते' नहीं. फिल्म मदर इंडिया में नरगिस पर फिल्माया गाना है 'नगरी-नगरी द्वारे-द्वारे, ढूंढूं रे सांवरिया...' लता ने यहां भी 'ढूंढूं' ही गाया है. मुझे कालिका प्रसाद का कोश ध्यान आया, जिसमें 'ढूंढना' बताया गया है. यानी अब 'ढूंढना' का 'ढ' बदल कर 'ढ़' हो चला है और प्रचलन में 'ढूंढना' हो चुका है.

मेरे मोहल्लेवाले रखते हैं व्रत

• तीर-तुक्का

डॉ. एसके पाण्डेय

हिंदुस्तान में व्रत रखने की बहुत ही प्राचीन परम्परा है. और हिन्दुस्तानी परम्परा को बनाये रखना जानते हैं. किसी भी रूप में ही सही. यह इनकी अनेकों खासियतों में से एक है. पहले हमारे ऋषि-मुनि व पूर्वज व्रत रखा करते थे. आज भी व्रत रखा ही जाता है. मेरे मोहल्ले में बहुत से लोग व्रत रखते हैं. यह तो खुशी की ही नहीं, बल्कि गर्व की बात है. दीगर है कि बहुत से लोग बिना कोई व्रत लिए ही व्रत रखते हैं. वैसे व्रत रखने के लिए कई चीजों का व्रत लेना पड़ता है. जैसे अन्न न ग्रहण करने का व्रत. संयमित दिनचर्या का व्रत, आदि . आराध्य-आराधना भी व्रत का एक प्रमुख अंग होता ही है. कुछ भी हो व्रत रखने वालों में मेरे मोहल्लेवालों और वालियों का कोई जोड़ नहीं है. आजकल मेरे मोहल्ले में व्रत की धूम है. मेरे एक पड़ोसी हैं जो व्रत नहीं रखते. लेकिन इनकी श्रीमतीजी व्रत के मामले में माहिर हैं. मेरे पड़ोसी के पास एक से एक खबर है. बता रहे थे कि तिवारीजी कहते हैं कि व्रत रखने का मतलब यह नहीं है कि अपनी काया जला डालो. इसलिए वे दिन भर व्रत रखते हैं और शाम को पूरी-सब्जी, दाल-भात आदि दबा कर खाते हैं. मतलब अन्न से कोई परहेज नहीं और व्रत भी रख लेते हैं. श्रीमती शर्मा, तिवारी जी की बहुत बुराई करती हैं. इनका कहना है कि भूखे नहीं रह सकते तो न रहें. लेकिन अन्न क्यों खाते हैं ? मैं तो अन्न को हाथ नहीं लगाती. सिंघाड़े का आटा लाती हूं, उसी की पूड़ी और आलू-टमाटर की सब्जी बनाती हूं, सेंधा नमक इस्तेमाल करती हूं. बाकले की दाल और तिन्नी का चावल तथा चौराई का साग. यही सब खाकर व्रत रखती हूं. लेकिन अन्न नहीं छूती हूं. श्रीमती वर्मा जी के घर में उनकी देवरानी व्रत नहीं रखती. लेकिन इनके फलाहार का सारा इंतजाम करती है. दिन भर में कम से कम डेढ़ किलो दूध, दो दर्जन केला, दो किलो सेब, संतरा, अंगूर आदि तथा जूस और दही मिला चीनी का रस, मूंगफली, बादाम, छुहारा, किसमिस इत्यादि ऊपर से. कल दोनों में कुछ खटपट हो गयी. देवरानी किसी से बोली कि दीदी के फलाहार का इंतजाम करने जा रही हूं, आधा घंटा कम से कम लग जाता है. इस पर वर्मा जी बोली कि भूखी न पियासी और फलाहार के लिए लबर-लबर किये रहती है. अब देवरानी की बारी थी बोली इतना सब खाकर व्रत रखना हो तो कौन नहीं रख लेगा ? मैं तो हंसी-खुशी महीनों रह जाऊं. सच है व्यवस्था और इतनी व्यवस्था हो तो कुछ लोग तो कई महीने तक व्रत रखने के लिए तैयार हो जायेंगे. बहुत से लोग दर्शन के बहाने शहर निकल जाते हैं. और पार्कों आदि में घूम कर आनंद मनाते हैं. कुछ लोग तो सिनेमा देखकर व दिखाकर मनोरंजन करते हैं. एक महिला जो पूरे दिन घूम कर आई थी. सहेली से बता रही थी, शेर देखा हाथी देखा. अब तक तो ठीक था. सुनने वाली समझते थे कि दर्शन करके आई है. लेकिन आगे और सुनने पर पता चला कि वह चिड़ियाघर देख कर आई थी. खैर कुछ लोग कुछ भी देखने को और दिखाने को ही दर्शन बोलते हैं. आज का समय ही ऐसा है कि हर चीज की परिभाषा बदल रही है.

मोटिवेशन

'क्या अदा, क्या जलवे!'

उदित नारायण का एक सुप्रसिद्ध गाना है - 'क्या अदा क्या जलवे तेरे पारो." हर स्त्री की अपनी अदाएं और जलवे होते हैं. अफसोस, पुरुष इन अदाओं और जलवों को अनदेखा करने की गलती कर बैठते हैं. जाने-अनजाने गलतियां करते हैं और महिलाओं के कोपभाजन का शिकार बनते हैं. ऐसी कई आदतें हैं जो महिलाओं को खास बनाती हैं. अगर रिश्ते में मिठास चाहिए तो पुरुषों को इन आदतों को समझना चाहिए और उनका सम्मान करना चाहिए. चलिए, जानते हैं महिलाओं की कुछ अनोखी आदतों के बारे में और पुरुषों को उन आदतों को कैसे लेना चाहिए !

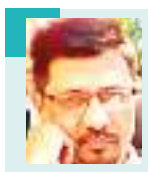

डॉ कुमार संजय
शिक्षाविद

1. **सलाह :** महिलाएं जब कुछ बता रही हों, तो आप पूरे ध्यान से सुनें. भले ही आप वह बात 10 बार सुन चुके हों. और कुछ नहीं तो, कम से कम सुनने का दिखावा ही करें. टीवी या मोबाइल में न उलझें. माइंड इट, आपको सिर्फ सुनना है, सलाह नहीं देनी. सलाह देने का मतलब है आग में घी डालना, जो अधिकांश पुरुष करते हैं. महिलाएं/पत्नियां अपनी भड़ास निकाल कर हल्का महसूस करती हैं. 'सही बोल रही हो,' 'बिल्कुल सही,' 'तुम्हारी बातों से मैं पूरी तरह सहमत हूं,' 'सच, कितनी दूर की सोचती हो तुम!' ऐसे जुमलों का प्रयोग बीच-बीच में करते रहें. यकीन मानिए, आपकी 75% समस्याएं निपट जाएंगी. आपको अंदाजा भी न होगा कि सिर्फ सुनने से आपके रिश्ते कितने मजबूत हो सकते हैं.

2. **तारीफ :** पत्नी के सामने किसी अन्य महिला की तारीफ! सपने में भी न करें. महिला मित्र या सहकर्मी की तो बिल्कुल नहीं, बल्कि अपनी चहेती फिल्म अदाकारा की भी नहीं. किसी दूसरी महिला की तारीफ सुनकर उनके तन-बदन में आग लग जाती है. और यह आग बुझने वाली नहीं होती, लंबे समय तक सुलगने वाली होती है. समझदार पुरुष जिस महिला की तारीफ करनी होती है, सिर्फ उसी के सामने करते हैं. समझे आप? अगर तारीफ करनी ही है, तो अपनी पत्नी की कीजिए. जितनी ज्यादा तारीफ करेंगे, उतने फायदा में रहेंगे.

3. **बहस :** किसी महिला से बहस! तौबा-तौबा! आप किसी भी महिला से, चाहे वह सब्जी वाली हो या आपकी पत्नी या बॉस, इस जन्म में बहस नहीं जीत सकते. आपको उनकी बात कितनी भी गलत लगे, व्यक्त न करें. अपने पर कंट्रोल करें. यही आपकी सेहत के लिए बेहतर होगा. महिलाओं का अपना ही लॉजिक होता है जो पुरुषों के लॉजिक से बिल्कुल मैच नहीं करता. इसलिए समझाने का बीड़ा न उठाएं. जब सीता मैया को लक्ष्मण जी स्वर्ण मृग की मायावी उपस्थिति का तर्क देकर न समझा सके, तो आप किस खेत की मूली हैं?

4. **सीक्रेट :** औरतों के पेट में कोई बात नहीं पचती, यह मुहावरा तो आपने सुना ही होगा. मुहावरे ऐसे ही हवा में थोड़े ना बनते हैं. समझदारी इसी में है कि पत्नी को उतनी ही बात बताएं, जितनी बताने से काम चल जाए. पुरुष 'कल क्या खाया था या पहना था,' याद नहीं रखते, और महिलाएं? हिस्ट्री में भले कमजोर हों, लेकिन उनके अपने रिसेप्शन में किसने क्या पहन रखा था, किसने क्या दिया था, किसने क्या कहा था, सब याद रहता है. आप कोई बात पत्नी के साथ शेयर कर भूल जाते हैं, पर वह इस बात को कब, कहां, हथियार की तरह इस्तेमाल कर लेगी, खुदा भी नहीं जानता. पत्नी को डार्क में न रखें लेकिन ऑफिस, दोस्त, रिश्तेदार आदि से जुड़ी बातें कम से कम शेयर करें. चैन से रहिएगा.

5. **शॉपिंग :** पत्नी शॉपिंग के लिए जाना चाहती है, तो जाने दें. ऑनलाइन कुछ मंगा रही है, तो मंगाने दें. "कल ही तो गई थी," "पिछले सप्ताह ही तो खरीदा था," "इसकी क्या जरूरत है" जैसे वाक्य बोलकर घंटों प्रवचन सुनने का बीड़ा न उठाएं. उनके फेवरेट सीरियल के बीच खाने-पीने की फरमाइश करने से बचें. जब वह मां-बहन से वह गुफ्तगु कर रही हो, तो बीच में खलल न डालें. इससे घर की आवोहवा में ताजगी बनी रहेगी. समझ रहे हैं न आप मेरी बात!

मूल मंत्र फिल्म 'सफर' में मुकेश ने कितना सही गाना गाया है – "जो तुमको है पसंद वही बात करेंगे, तुम दिन को अगर रात कहो, रात कहेंगे." खुशहाल वैवाहिक जिंदगी का यह मूल मंत्र है, याद रखें. खुदा ने स्त्री और पुरुष को अलग-अलग आदतों से नवाजा है. दोनों एक-दूसरे को बदलने की कोशिश न करें, बल्कि एक-दूसरे की आदतों को समझें और उनका सम्मान करें.

प्रकृति पर निछावर बेफिक्री के पल

जिस आसमान पर कबूतर, शफ़क़, पतंग और सितारे न हों, ऐसे आसमान की तरफ़ नज़र उठा कर देखने को जी नहीं चाहता... शायर मुश्ताक अहमद यूसुफी की ये पंक्तियां हमारे-आपके दिल को ही तो बयां करती है. आज का दौर कुछ ऐसा ही हो रहा कि जहां सिर उठाएं तो आसमां की जगह कंक्रीट के ऊंचे-ऊंचे पहाड़ से नजर आते. कौवे और बुलबुल ने आंगन या मुंडेर पर आना छोड़ दिया है. विकास के रथ पर सवार हो कर हम आगे तो बढ़ रहे, पर जैसे हरियाली की कीमत पर. कंक्रीट का जंगल जैसे जैसे बढ़ रहा, हरियाली को लेकर हमारी तलब भी उतनी ही बढ़ रही. कितना सुकून देती है हरियाली. नजरों भर आकाश हो, पांवों तले हरी घास. कलकल करता झरना तो मन के तारों को झंकृत सा कर जाता है.

प्रकृति की गोद में जाकर हम जैसे रिचार्ज हो जाते. ऐसा लगता है मानों जिंदगी की परेशानियों से जूझने के लिए नई ऊर्जा से मिल गई. पर कहां मौका मिल पाता है कि प्रकृति की इस सुंदरता पर अपने कुछ बेफिक्र पल न्यौछावर कर दें. यह सच है कि हम सब चाहते हैं किसी प्राकृतिक स्थल पर जाना, पर हर बार यह सुयोग कहां बन पाता है. जी हां, कभी हम छुट्टियों का रोना रोते हैं तो कभी जेब की हालत हमारे इस ख्वाब को पूरा होने से रोकती है. आइए, कुछ ऐसे उपाय ढूंढे जिससे कंक्रीट के जंगल में रहते हुए भी प्रकृति के सौन्दर्य को निहारने का मौका मिल जाए. ऐसी कोशिश करते हैं जिससे भले हम प्राकृतिक स्थल तक नहीं पहुंचे, प्रकृति ही हमसे मिलने आ जाए.

महसूस करें पानी की आवाज

दोपहर का खाना ऑफिस में अपने डेस्क की बजाय ऑफिस कैंपस या पास के किसी फाउंटेन के नीचे बैठकर लेने की कोशिश करें. अमेरिकन साइकोलॉजिस्ट मिलिया ऑक्टन कहती हैं कि इस दौरान सांसों की गति थोड़ी धीमी रख कर करीब पांच से दस मिनट तक पानी की आवाज को महसूस करने की कोशिश करें. अगर फाउंटेन सहज उपलब्ध नहीं तो इन दिनों सहज हो रही बारिश की आवाज को ही महसूस करें. बेलगाम दिमाग को शांत करने में पानी कितना असरदायक है, आप खुद महसूस करेंगे.

फूलों की खूशबू, पत्तों की हरियाली

आपके घर के आसपास, दफ्तर के रास्ते में कभी किसी हरी-हरी पत्तियों से भरे पेड़, सुगंधित फूलों से लदी डाली, सुन्दर टहनियों ने आपके कदम रोके हैं. शायद नहीं. आने जाने की हड़बड़ाहट में कभी ठहरे ही कहां आप. इस बार कुछ पल प्रकृति के सौन्दर्य को महसूस करने में गुजारें. उसकी खूबसूरती को निहारें. कमरे की खिड़की को खोल कर फैलाएं अपनी आंखों को. सामने जो पेड़ दिख रहा, उसे निहारें. उसकी पत्तियों और डालियों की खूबसूरती पर जरा ठिठकें. हवा के साथ पत्तियों के हिलने का संगीत महसूस करें. वैज्ञानिक मोर्टाली कहते हैं कि प्रकृति पर मोहित होने के ये कुछ पल आपकी ध्यान शक्ति में इजाफा करेंगे, वहीं काम करने की क्षमता भी बढ़ेगी.

समेट लाएं घर में

आपकी आंखों को हक है हरियाली निहारने का. इसके लिए बाग, बगीचे और मुक्कमल जगह आपके घर हो ही, इसकी दरकार नहीं. आप अपनी बालकोनी, विंडो स्पेस, बरामदे और ऑफिस के डेस्क पर भी हरियाली समेट सकते. स्पाइडर प्लांट, जेड, मनी प्लांट, पीस लिली जैसे प्लांट दीवारों के भीतर हरियाली समेटने का खूबसूरत माद्दा रखते हैं. ऑफिस वर्क प्लेस हो या खिड़की का एक छोटा सा कोना, लगा कर देखिए इन पौधों को....थकान कम होगी, आंखों को सुकून मिलेगा और मूड बेहतर होगा.

कुछ पल इनके पास

टहलने के लिए तो सुबह या शाम आप पार्क, बगीचे आदि जगहों पर जाते ही होंगे. क्या इस दौरान कोई ऐसा पेड़ दिखता है जहां मन जरा ठिठक सा जाता है. कुछ फील गुड सा होता है. कुछ पल को ऐसे ही किसी पेड़ के नीचे बैठ जाएं, और आंखों में सांसों के आने जाने को महसूस करें. पेड़ों के आसपास गुजर रही हवा को महसूस करें. कुछ ही दिनों में आपको इस प्रैक्टिस के लाभ महसूस होंगे. अभ्यास के बाद आंखें खोल कर अपने परिवेश को महसूस करें. अगर एक निश्चित जगह कुछ दिनों तक लगातार आप यह करते हैं तो संभव है कुछ दिनों बाद प्रकृति के सूक्ष्म बदलावों से आप आश्चर्यचकित से रह जाएं. इतना तय है कि प्रकृति के साथ आपका रिश्ता इससे मजबूत होगा.

पन्नों पर करें कैद

आसमां में झुंड बना कर उड़ती चिड़ियां कितनी खूबसूरत लगती हैं. बारिश की बूंदों के बीच किसी पेड़ के पत्तों के बीच बचने की कोशिश करता नन्हां परिंदा, अपनी चहचहाहट से आपका ध्यान खींच लेने वाले पक्षी, चोंच में तिनका लेकर आशियाने का ख्वाब बुनता परिंदा, उगता सूरज, कल फिर आने का वादा करके दूर कहीं आसमां में डूबता सूरज, मानसून में लुकाछिपी खेलता सा सूरज, फूल, पौधे, किसी बगीचे में फुदकते नन्हें खरगोश, कहीं किसी खिड़की से झांकती बिल्ली....क्या प्रकृति का यह सौन्दर्य आपके भीतर हलचल नहीं जगाता. मन नहीं करता उकेर दूं इन्हें कैनवास पर या फिर शब्दों में ढाल कर इन्हें अपनी डायरी के पन्नों में समेट लूं. इस बार प्रकृति के बीच कागज, कलम और ब्रश के साथ पहुंचे. जो महसूस करें, उसे लिखने की कोशिश करें या फिर रेखाचित्र में उकेरें. संभव है चिड़ियों की चहचहाहट, बादलों के रंग, सूरज का डूबना या किसी फूल का खिलना आपके कागज पर कविता बन सिमट जाए या रंगों का खूबसूरत जादू कैनवास पर बिगड़ जाए. बेशक इसके लिए लंबे अभ्यास की दरकार है, पर एक बार यह सध गया तो आपके मन को सुकून देगा. दूसरों को भी प्रेरित करेगा.

हरी दूब पर आपके पांव

बाहर जब भी निकलती हैं, सैंडल, जूते, चप्पल पहन कर ही. धूल गंदगी ये बचाने के लिए जुराबें पहनन भी अच्छा लगता है. पर इस बार जब पार्क जाएं तो संभव हो तो नंगे पांव टहलें. शोधकर्ताओं का कहना है कि नंगे पांव जब हम टहलते हैं तो पृथ्वी के तत्वों से जुड़ने का मौका मिलता है. बेहतर तो होगा कि पार्क की हरी घास में टहले, पर यदि वह उपलब्ध नहीं तो पार्क के कंक्रीट पर ही जूते उतार कर टहलें. पृथ्वी की सतह के मुक्त इलेक्ट्रॉनों से जुड़ने का मौका मिलेगा. धरती की स्थिरता को महसूस करेंगे. यह आपके दिमाग को शांत करेगा.

खुशबू का माद्दा

सुकून और बेफिक्री के पलों में भीनी भीनी खुशबू....आह! अहसास ही मन में उमंग घोल देता है. घर की बालकोनी या विंडो स्पेस में बागवानी करती हैं तो कुछ पौधे सुगंध के लगाएं. रजनी गंधा, रात की रानी, मोगरे, बेली, जूही, चंपा के पेड़ अच्छे विकल्प हैं. रेडिमेड बिना परेशानी के कुछ आजमाना चाहती हैं तो एक बढ़िया टूल एसेंशियल ऑयल डिफ्यूजर है. शोध में जाहिर हुआ है कि पाइन ट्री की सुगंध हमारे नर्वस सिस्टम को सुकून देने का माद्दा रखती है. इससे हमारी प्रतिरोधात्मक क्षमता भी बढ़ती है. साइप्रस, एवरग्रीन और पाइन के एसेंशियल ऑयल इसके लिए बहुत लाभप्रद हैं.

एकाग्रता बढ़ाएगा मंत्र ध्यान

ऋषि रंजन
योग एक्सपर्ट

हमारा दिमाग दिन भर में लाखों विचारों को प्रोसेस करता है. हालाकि, कुछ विषय ऐसे होते हैं जो हमारे दिमाग में घर कर जाते हैं और हमें परेशान करते रहते हैं. यह आपको मानसिक रूप से थका सकता है. इस कारण ना तो आप किसी काम पर फोकस कर पाते हैं और ना ही इसके लिए कोई समाधान खोज पाते हैं. ऐसे में ध्यान दिमाग को आराम देने के लिए प्रभावी तरीकों में से एक है.

मंत्र ध्यान क्या है?

मंत्र ध्यान किसी ध्वनि, शब्द (जिसे मंत्र कहा जाता है) का जोर से या चुपचाप उच्चारण करके मन को शांत करने और ध्यान केंद्रित करने की प्रक्रिया है. मंत्र ध्यान का उद्देश्य आध्यात्मिक विकास, या मन की शांति के लिए है. मंत्र एक संस्कृत शब्द है, जिसमें मन का अर्थ है मन और त्र का अर्थ है मुक्ति. मंत्र का उपयोग करने से जागरूकता बढ़ती है और एकाग्रता में सुधार होता है. चूंकि यह आपको ध्यान केंद्रित रखने में मदद करता है, इसलिए इससे ध्यान से बेहतर परिणाम मिल सकते हैं.

मंत्र मेडिटेशन करने का सही तरीका

सबसे पहले मेडिटेशन करने का समय चुनें. आप इसे कभी भी कर सकते हैं लेकिन सुबह के समय यह अधिक फायदेमंद है. ऐसी जगह चुनें जहां कोई आपको परेशान न कर सके. आपको किसी भी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस और किसी भी व्यक्ति से पूरी तरह मुक्त होना चाहिए. आप शांतिपूर्ण जगह चुनें. अब आंखें बंद कर लें और किसी भी चीज़ पर अपना ध्यान फोकस करें. यह कोई वस्तु, भगवान का मुख या कोई अन्य चीज़ हो सकती है. अब आप जिस भी मंत्र को पसंद करते हैं, या जो मंत्र आपके याद है या जिसमें आप आस्था रखते हैं उसका उच्चारण करें. आप चाहें तो ध्वनि के साथ या फिर मन में ही इसे दोहरा सकते हैं. आप मंत्र की जगह कोई भी शब्द, शब्दों का समूह या वाक्य को दोहरा सकते हैं जो कि आपको शांति देता हो या प्रेरित करता है. मंत्र के जाप के साथ-साथ गहरी सांस लेते रहें और छोड़ते रहें. इस दौरान अपनी सांसों पर ध्यान दें और फोकस हटने ना दें. जितनी देर आप सहज हों, उतनी देर इसका अभ्यास करें. धीरे-धीरे आप समय बढ़ा सकते हैं.

मंत्र मेडिटेशन के फायदे

मंत्र मेडिटेशन उन विचारों को कम करता है जो आपके दिमाग को भटकाते हैं और यह जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाता है. यह दिमाग को शांत करते आपको रिलैक्स करने में मदद करता है. साथ ही तनाव को दूर करता है. यह नर्वस सिस्टम को शांत करता है, साथ ही इसके अभ्यास से आप सेल्फ-केयर के महत्व को समझने लगते हैं. इस मेडिटेशन के जरिए तनाव, क्रोध, ईर्ष्या और दिमाग की अन्य नकारात्मक अवस्थाओं को दूर करने में मदद मिल सकती है.

मैं आपको कुछ मंत्र बताता हूं जिन्हें आप मंत्र ध्यान के दौरान जप सकते हैं :

1. गायत्री मंत्र :
ॐ भूर्भुवः स्वः
तत्सवितुर्वरेण्यम
भर्गो देवस्य धीमहि।
धियो यो नः प्रचोदयात।।

2. शांति मंत्र
ॐ सह नाववतु।
सह नौ भुनक्तु।
सह वीर्यं करवावहै।
तेजस्विनावधीतमस्तु मा विद्विषावहै।।
ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः।।

3. ॐ का उच्चारण
निष्कर्ष : आप अपनी पसंद के अनुसार किसी भी मंत्र का जाप कर सकते हैं.

रमता जोगी

शेक्सपीयर का यह गांव

नूपुर अशोक

कोई देश या समाज अपनी विरासत पर कितना गर्व करता है यह इससे पता चलता है कि उसने अपने साहित्य और साहित्यकारों का कितना संरक्षण किया है. शेक्सपीयर से हम सब परिचित हैं. परिचित हम प्रेमचंद और जयशंकर प्रसाद से भी हैं. लेकिन जितना संरक्षण इंग्लैंड ने शेक्सपीयर का किया है हम उसके आसपास भी कहीं नहीं हैं.

▪ आज भी होता है वहां नाटकों का मंचन

टेम्स नदी के किनारे ग्लोब थियेटर के नाम से उस नाट्यशाला को आज भी देखा जा सकता है जहां शेक्सपीयर के नाटकों का मंचन उनके जीवनकाल में हुआ करता था. आज भी यहां उनके ही नाटकों का मंचन होता है, हर दिन होता है और हॉल लगभग भरा हुआ रहता है, हालांकि इसके टिकटों की कीमत कुछ कम नहीं है. आज भी यहां वही पुरानी व्यवस्था है – ऊपर से खुला हुआ वृत्ताकार हॉल, लकड़ी की बेंचें, मंच के सामने हॉल के बीच में खुला हुआ आंगन, किसी माइक का कोई इस्तेमाल नहीं. आंगन के टिकट सबसे सस्ते होते हैं लेकिन यहां आप बैठ नहीं सकते और अगर बारिश होने लगे तो भीग भी सकते हैं. लकड़ी की बेंचों पर आप चाहें तो अतिरिक्त शुल्क देकर कुशन ले सकते हैं. हमने यहां शेक्सपीयर का 'मच अडो अबाउट नथिंग' देखा. उसी काल की वेषभूषा में सज्जित कलाकारों के अभिनय ने पूरे तीन घंटे दर्शकों को बांधे रखा. बिना माइक के भी एक-एक शब्द स्पष्ट था और बीच में हुई बारिश के बावजूद खुले आंगन में खड़े दर्शकों में से कोई भी नहीं हिला.

▪ संरक्षित है जन्मस्थल

शेक्सपीयर के जन्मस्थान स्ट्राट्फोर्ड ऑन एवॉन, जो लंदन से कुछ ही दूरी पर है, को भी पूरी तरह से संरक्षित रखा गया है. उनका घर, उनका स्कूल, वह थियेटर जहां उन्होंने शुरुआत की थी, उसके अंदर उस समय व्यवहार की जाने वाली वस्तुएं – सब कुछ पर्यटकों के लिए प्रदर्शित है. छोटे से इस गांव में हर दिन हजारों पर्यटक आते हैं और टिकट लेकर एक-एक जगह देखते हैं.

▪ कविता के संग मानवीय संवेदना

सबसे अधिक जिस बात ने मेरा ध्यान आकर्षित किया, वह थी लंदन की रेलों के अंदर प्रदर्शित कविताएं. जहां आज एक-एक इंच जगह विज्ञापनों से भर दी जाती है, उसमें कविता के लिए जगह बनाना एक सुसंस्कृत समाज का परिचायक है। ऐसा नहीं कि वहां विज्ञापन नहीं थे, लेकिन उनके बीच जगह-जगह पर 'पोएट्री ऑन द अंडरग्राउंड' शीर्षक से छोटी-छोटी कविताएं भी प्रदर्शित थीं. हर दिन की आपाधापी के बीच मानवीय संवेदना को जगाए रखने के लिए कविता का महत्व जिस देश और समाज ने समझ लिया हो उसने मुझे यह सोचने पर विवश किया कि हम महानता के नारे तो लगाते हैं, लेकिन हमने किस साहित्यकार को और किस साहित्य को इस तरह संरक्षित करके रखा है?और अगर कहीं भूले-भटके कोई छोटी सी जगह हो भी तो कितने लोग उसके बारे में जानते हैं? कितने लोग वहां जाने में रुचि रखते हैं? मनसा-वाचा-कर्मणा में से हम केवल 'वाचा' यानी बातों में ही उलझे हुए हैं. मन और कर्म से अपनी विरासत के प्रति अपने प्रेम को, अपने गर्व को हम कब प्रदर्शित करेंगे?

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

ईस्ट बंगाल एएफसी चैलेंज लीग में नेजमेह, बंसुधरा किंग्स और पारो के साथ

कुआलालंपुर । इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) क्लब ईस्ट बंगाल को एएफसी चैलेंज लीग के ग्रुप ए में लेबनान के क्लब नेजमेह एससी, बांग्लादेश के बंसुधरा किंग्स और भूटान के पारो एफसी के साथ रखा गया है. ग्रुप ए के मुकाबले थिम्पू में चांगलिमिथांग स्टेडियम में खेले जायेंगे. ईस्ट बंगाल ने इस साल कलिंगा सुपर कप में खिताब की बदौलत इस प्रतियोगिता में जगह बनाई. इस महीने के शुरु में ईस्ट बंगाल ने एएफसी चैम्पियंस लीग दो के लिए क्वालीफाइंग मैच खेले थे, जिसमें उसे तुर्कमेनिस्तान के एल्टिन असिर एफसी से 0-2 से हार मिली थी, जिससे वह एएफसी चैलेंज लीग में रेलीगेट हो गई थी.

सतीश जापान ओपन के दूसरे दौर में हारे

योकोहामा (जापान)। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी सतीश कुमार करूणाकरन ने गुरुवार को जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में थाईलैंड के कंटाफोन वांगचारोएन के खिलाफ हारने से पहले कड़ी चुनौती पेश की. सतीश (23 साल) 70 मिनट तक चले मुकाबले में दुनिया के 40वें नंबर के खिलाड़ी से पहले गेम की बढ़त गंवाकर 21-18 18-21 8-21 से हार गये. इस तरह टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती भी खत्म हो गई.

कभी कभार थोड़े से भाग्य की जरूरत होती है : द्रविड़

मुंबई । महान क्रिकेटर राहुल द्रविड़ मानते हैं कि कभी कभी थोड़ी सी किस्मत भी बड़े मैच के नतीजों को प्रभावित कर सकती है जिसके लिए उन्होंने वनडे विश्व कप फाइनल में भारत को ऑस्ट्रेलिया से मिली दिल तोड़ने वाली हार और अपनी टीम की टी20 विश्व कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शानदार जीत का उदाहरण दिया. भारत पिछले साल लगातार 10 मैच में जीत के बाद वनडे विश्व कप फाइनल में पहुंचा था लेकिन टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ टीम जब खिताबी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ी तो उसके लिए कुछ भी कारगर नहीं था.

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड की आपात बैठक बुलाई गई, जिसमें लिया गया निर्णय, पूर्व अध्यक्ष लंदन चले गए हैं

फारूक अहमद ने बीसीबी के नए अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला

भाषा। ढाका

पूर्व क्रिकेटर और मुख्य चयनकर्ता फारूक अहमद को नजमुल हसन पापोन की जगह बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है. बीसीबी ने बुधवार को एक आपात बैठक की, जिसमें 58 वर्षीय अहमद को अध्यक्ष चुना गया.

नजमुल हसन ने देश में व्याप्त राजनीतिक अशांति के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया था और वह अभी अपनी पत्नी के साथ लंदन में

नजमुल हसन पापोन

फारुख अहमद

हैं. उनका बीसीबी अध्यक्ष के रूप में यह चौथा कार्यकाल था. नजमुल हसन 2009 से शेख हसीना की अगुवाई वाली पार्टी अवामी लीग के सांसद थे. उन्होंने 16 अन्य निदेशकों के साथ पांच अगस्त को ढाका छोड़ दिया था. बांग्लादेश में व्याप्त अशांति के बीच शेख हसीना की सरकार को बर्खास्त कर दिया गया थाऔर उसकी जगह अंतरिम सरकार ने कामकाज संभाला.

क्रिकबज के अनुसार फारूक ने कहा, मैंने पहले चयनकर्ता के पद से इस्तीफा दे दिया था, क्योंकि मैंने इस व्यवस्था का विरोध किया था. अब मेरा लक्ष्य एक ऐसी प्रणाली बनाना है जो बोर्ड को सुचारू रूप से चला सके. फारूक ने 1988 और 1999 के बीच बांग्लादेश के लिए सात वनडे मैच खेले. उन्होंने दो बार (2003 से 2007 और 2013 से 2016 तक) बीसीबी के मुख्य चयनकर्ता के रूप में भी काम किया. उन्होंने चयन प्रक्रिया पर असहमति के बाद अपना दूसरा कार्यकाल पूरा किए बिना ही इस्तीफा दे दिया था.

इस बीच राष्ट्रीय खेल परिषद (एनएससी) ने जलाल यूनुस और अहमद सज्जादुल आलम की जगह अहमद और एक प्रमुख स्थानीय कोच नजमुल आबेदीन को अपना नया निदेशक नियुक्त किया. बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने स्टार क्रिकेटर और अवामी लीग के विधायक शाकिब अल हसन को पाकिस्तान के खिलाफ दो टेस्ट मैच की श्रृंखला में खेलने अनुमति दे दी, लेकिन फारूक ने कहा कि वह इस ऑल राउंडर की स्थिति पर चर्चा करेंगे. उन्होंने कहा, हम शाकिब की स्थिति पर चर्चा करेंगे और यह भी देखेंगे कि क्या वह मौजूदा परिस्थितियों में खेलना जारी रख सकते हैं. हम दौरे के दौरान खिलाड़ियों के आचरण के संबंध में नियमों को जोड़ने पर भी विचार कर रहे हैं. बीसीबी अध्यक्ष ने चंडिका हथुरुसिंघा को राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच के रूप में बरकरार नहीं रखने पर भी अपना रुख दोहराया.

उन्होंने कहा, मुझे चंडिका हथुरुसिंघा के साथ अनुबंध के बारे में विस्तार से पता नहीं है लेकिन इस बारे में मेरी राय पहले की तरह ही है. मैंने पहले जो कहा था, मैं अब भी उस पर कायम हूं.फारूक ने कहा था कि अगर वह अध्यक्ष बनते हैं तो श्रीलंका के इस पूर्व क्रिकेटर की सेवाएं समाप्त कर देंगे.

ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने खिलाड़ियों को दी बधाई

ओलंपिक खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली हॉकी टीम को किया सम्मानित

भाषा। भुवनेश्वर

ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने इस महीने की शुरुआत में पेरिस में ओलंपिक खेलों में लगातार दूसरा कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कुछ सदस्यों को गुरुवार को यहां सम्मानित किया. पेरिस ओलंपिक में भारत ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए स्पेन को 2-1 से हराकर कांस्य पदक जीता था. पटनायक की अगुवाई वाली ओडिशा की पिछली सरकार ने भारतीय हॉकी को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाई थी. ओडिशा 2018 से राष्ट्रीय पुरुष और महिला टीमों को प्रायोजित कर रहा है. पटनायक ने उम्मीद जताई की भारतीय टीम 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतेगी. पटनायक ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा, मुझे उम्मीद है कि अगली बार आप स्वर्ण पदक लाएंगे. इस मौके पर हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की के साथ सुमित, ललित कुमार उपाध्याय, अभिषेक और संजय मौजूद थे. सुमित ने उस समय हॉकी का समर्थन करने के लिए पटनायक को धन्यवाद दिया जब खेल को इसकी सबसे अधिक आवश्यकता थी. उन्होंने कहा,मैं नवीन पटनायक सर को तहे दिल से धन्यवाद देना चाहता हूं, खासकर हॉकी इंडिया और पूरी टीम की ओर से हॉकी के प्रति उनके अपार समर्थन के लिए. जब भारतीय हॉकी का कोई प्रायोजक नहीं था, तब उन्होंने आगे बढ़कर टीम को इतनी बढ़ी प्रायोजन राशि दी.

कांस्य पदक जीतने वाली हॉकी टीम को सम्मानित करते पूर्व सीएम नवीन पटनायक.

हॉकी खिलाड़ी नीलकांत शर्मा को मणिपुर पुलिस ने सम्मानित किया.

स्टार खिलाड़ी अमित रोहिदास को चार करोड़ मिले

ललित ने कहा कि ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री ने व्यापक पैमाने पर इस खेल का उद्धार किया. सबसे पहले मैं यह कहना चाहूंगा कि हॉकी में नवीन पटनायक सर की भूमिका एक नायक की है और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने हॉकी के लिए जो कुछ भी किया है वह अकल्पनीय है. जब वहां कोई नहीं था तब उन्होंने हॉकी का हाथ थामा. सर ने ओडिशा को भारत की खेल राजधानी बनाने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. इससे पहले भारतीय टीम का बुधवार को यहां पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया था और ओडिशा सरकार ने उसे सम्मानित किया. राज्य के मौजूदा मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने टीम के सदस्यों के लिए नकद पुरस्कार की घोषणा की, जिसमें राज्य के स्टार खिलाड़ी अमित रोहिदास को चार करोड़ रुपये दिए गए.

ओलंपियन मीराबाई चानू, नीलकांत शर्मा सम्मानित

इंफाल । पेरिस ओलंपिक में भाग लेने वाली भारतीय भारोत्तोलक मीराबाई चानू और हॉकी खिलाड़ी नीलकांत शर्मा को यहां मणिपुर पुलिस ने सम्मानित किया. यहां जारी बयान के अनुसार पुलिस महानिदेशक राजीव सिंह ने यहां एक समारोह में मीराबाई और नीलकांत को सम्मानित किया. नीलकांत पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के सदस्य थे. भारत ने तीसरे स्थान के मैच में स्पेन को हराकर लगातार दूसरे ओलंपिक खेल में कांस्य पदक हासिल किया. बयान के अनुसार, मणिपुर पुलिस को उनकी उपलब्धियों और राष्ट्र के प्रति योगदान पर गर्व है और उनके भविष्य के प्रयासों में हर संभव प्रोत्साहन और समर्थन का आश्वासन दिया जाता है. मीराबाई राज्य पुलिस में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हैं, जबकि नीलकांत भारतीय रेलवे में काम करते हैं.

मेकॉन क्रिकेट टीम के लिए कोच का चयन, इंटरव्यू आठ सितंबर को

संवाददाता। रांची

मेकॉन क्रिकेट टीम के लिए मेकॉन स्पोर्ट्स क्लब द्वारा आठ सितंबर को सत्र 2024-25 के लिए क्रिकेट कोच का चयन किया जाएगा. मेकॉन स्पोर्ट्स क्लब के सचिव पी के दास ने बताया कि मेकॉन स्टेडियम में आठ सितंबर को कोच के उम्मीदवारों का इंटरव्यू होगा. उम्मीदवार को अपने करियर के दौरान कम से कम 10 मैचों के लिए सीनियर स्टेट चैंपियनशिप टूर्नामेंट खेलने का अनुभव होना चाहिए. साथ ही जिला क्रिकेट टीम या किसी भी सार्वजनिक उपक्रम की क्रिकेट टीम के साथ कोचिंग का अनुभव होना चाहिए. चयनित उम्मीदवार को मेकॉन स्पोर्ट्स क्लब के दिशा-निर्देशों के अनुसार अभ्यास सत्रों में भाग लेने के लिए शारीरिक और चिकित्सकीय रूप से फिट होना चाहिए और वर्तमान में किसी भी क्लब/क्रिकेट टीम के साथ खिलाड़ी के रूप में पंजीकृत नहीं होना चाहिए. उम्मीदवारों को मेकॉन स्पोर्ट्स क्लब के क्रिकेट विंग के सचिव विकास कुमार सिंह को रिपोर्ट करना है.

मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के बीच मुकाबला दो सितंबर को

भाषा। लखनऊ

नवाबों का शहर लखनऊ पहली बार दो परंपरागत प्रतिद्वंद्वी फुटबॉल टीमों मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के बीच जोरदार मुकाबले का गवाह बनेगा. यह मुकाबला आगामी दो सितंबर को राजधानी के के.डी. सिंह ''बाबू'' स्टेडियम में खेला जाएगा. प्रदेश के खेल निदेशक आरपी. सिंह ने गुरुवार को बताया कि मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के बीच दो सितंबर को होने वाले इस मुकाबले की तैयारियां तेज कर दी गयी हैं. यह मैच दूधिया रोशनी में खेला जाएगा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मुकाबला देखने आयेंगे. उन्होंने बताया कि लखनऊ में पहली बार देश की दो बड़ी फुटबॉल टीमों के बीच मुकाबला खेला जाएगा. इसमें 10 हजार दर्शकों के जुटने की संभावना है. मुकाबले की तैयारियों के तहत स्टेडियम में हाल ही में लगी फ्लड लाइट का परीक्षण का काम शुरू कर दिया गया है. इसके अलावा खिलाड़ियों के लिये ड्रेसिंग रूम व अन्य सुविधाओं का प्रबंध किया जा रहा है. सिंह ने बताया कि अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने पिछले दिनों लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की थी. इस दौरान उन्होंने प्रदेश में फुटबॉल के विकास की अच्छी सम्भावनाएं बताते हुए राज्य में इस खेल को बढ़ावा देने की जरूरत जतायी थी.

एम्मा नवारो मॉन्टेरी ओपन के क्वार्टर फाइनल में

एजेंसी। मॉन्टेरी (मैक्सिको)

अमेरिका की दूसरी वरीयता प्राप्त एम्मा नवारो ने गुरुवार को यहां तीन सेट तक चले कड़े मुकाबले में कोलंबिया की कैमिला ओसोरियो को 3-6, 7-5, 7-6 (2) से हराकर मॉन्टेरी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया. नवारो हार्ड कोर्ट पर खेली जा रही इस डब्ल्यूटीए 500 प्रतियोगिता के अंतिम आठ में पोलैंड की नौवीं वरीयता प्राप्त मैग्डेलेना फ्रेच से भिड़ेंगी, जिन्होंने एक अन्य मैच में लीना ग्लुशको को 6-7 (2), 6-3, 6-1 से हराया. इससे पहले बुधवार को तीसरी वरीयता प्राप्त एकातेरिना अलेक्जेंड्रोवा ने स्थानीय खिलाड़ी रेनाटा ज़राज़ुआ को 6-3, 6-4 से हराया. अलेक्जेंड्रोवा का सामना सातवीं वरीयता प्राप्त चीन की यू युआन से होगा, जिन्होंने पेट्रा मार्टिच को 6-4, 6-1 से पराजित किया. पांचवीं वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना ने एलिना अवनेस्यान को 6-4, 6-3 से शिकस्त दी.

क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला छठी वरीयता प्राप्त लिंडा

नोस्कोवा से होगा, जिन्होंने ज़ियू वांग पर 6-4, 7-6 (11) से जीत दर्ज की. एक अन्य क्वार्टर फाइनल में एरिका एंड्रीवा का मुकाबला लुलु सुन से होगा. 17 वर्षीय एंड्रीवा ने एक दिन पहले शीर्ष वरीयता प्राप्त डेनिएल कोलिन्स को हराया था.

लीड्स, बर्मिंघम, लॉर्ड्स, मैनचेस्टर, ओवल में मैच

लंदन। डब्ल्यूटीसी के अपने अगले चक्र का आगाज इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला के साथ करेगी, जिसका शुरुआती मुकाबला 20 जून को हेडिंग्ले में होगा. अगला डब्ल्यूटीसी चक्र 2025 से 2027 तक चलेगा. ईसीबी ने रणनीतिक रूप से उन स्थानों पर मैच रखे हैं जहां इंग्लैंड के स्विंग गेंदबाजों को विशेष लाभ मिलेगा. दूसरा टेस्ट दो से छह जुलाई तक बर्मिंघम के एजबेस्टन में होगा. तीसरा टेस्ट 10 से 14 जुलाई के बीच लॉर्ड्स मैदान पर होगा, जबकि मैनचेस्टर का ओल्ड ट्रैफर्ड 23 से 27 जुलाई के बीच चौथे टेस्ट की मेजबानी करेगा. यह दौरा 31 जुलाई से चार अगस्त तक ओवल में अंतिम टेस्ट होगा.

ससेक्स ने पुजारा से करार खत्म किया

लंदन। भारत के टेस्ट विशेषज्ञ चेतेश्वर पुजारा अगले साल की काउंटी चैंपियनशिप के लिए ससेक्स की टीम में वापसी नहीं करेंगे, क्योंकि इंग्लैंड के क्लब ने ऑस्ट्रेलिया के डेनियल ह्यूज की सेवाएं बरकरार रखने के लिए उन्हें कार्यमुक्त करने का विकल्प चुना है. बाएं हाथ के बल्लेबाज ह्यूज अगले सत्र में सभी चैंपियनशिप और टी20 विटैलिटी ब्लास्ट मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे.

पहली पारी में सऊद शकील और रिजवान ने ठोंके शतक

एजेंसी। रावलपिंडी

पाकिस्तान और बांग्लादेश टेस्ट सीरीज

पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच टेस्ट सीरीज का पहला मैच रावलपिंडी में खेला जा रहा है. गुरुवार को मुकाबले के दूसरे दिन पाकिस्तान ने छह विकेट खोकर 448 के स्कोर पर अपनी पहली पारी घोषित की. टीम से सऊद शकील और मोहम्मद रिजवान ने सेंचुरी लगाई. बांग्लादेश ने दिन का खेल खत्म होने तक अपनी पारी शुरू कर दी. टीम ने 12 ओवर में बगैर नुकसान के 27 रन बना लिए. पाकिस्तान ने पहले दिन चार विकेट पर 158 के स्कोर पर अपनी पारी खत्म की थी. शकील 57 और रिजवान 24 रन बनाकर नॉटआउट थे. दोनों ने पारी आगे बढ़ाई और पाकिस्तान को 200 के पार पहुंचा दिया. पहले सेशन में टीम ने कोई विकेट नहीं गंवाया और 256 रन बना दिए. रिजवान 89 और शकील 86 रन बनाकर नॉटआउट रहे.सेकेंड सेशन में रिजवान और शकील दोनों ने सेंचुरी जड़ दीं. दोनों यहीं नहीं रुके और टीम का स्कोर 350 के पार भी पहुंचा दिया. शकील 141 रन बनाकर आउट हुए और उनकी रिजवान के साथ 240 रन की पार्टनरशिप टूट गई. तीसरे सेशन में 14 ओवर का खेल बाकी था, तभी पाकिस्तान ने पारी डिक्लेयर कर दी. रिजवान 171 रन बनाकर नॉटआउट रहे, उनके साथ शाहीन अफरीदी 29 रन बनाकर नॉटआउट लौटे. सलमान अली आगा 19 रन बनाकर शाकिब अल हसन का शिकार हुए.

क्लब थ्रोअर प्रणव सूरमा की नजर पैरालंपिक में पदक जीतने पर

पेरिस पैरालंपिक

भाषा। नयी दिल्ली

ऐसा अक्सर नहीं होता है कि जीवन बदल देने वाली दुर्घटना से अपाहिज हुआ कोई व्यक्ति उस त्रासदी को अपने लिए वरदान बना दे लेकिन जल्द ही पैरालिंपियन बनने वाले प्रणव सूरमा ने ऐसा ही कुछ कर दिखाया. वह तब 16 साल के थे जब 2011 में उनके घर की छत उनके ऊपर गिर गई. उनकी जिंदगी व्हील चेयर तक सिमट गई थी लेकिन उन्होंने हौसला बनाए रखा और अब वह 28 अगस्त से पेरिस में होने वाले पैरालंपिक खेलों में पदक जीतने की तैयारी में लगे हुए हैं.

पेशे से बैंकर सूरमा ने पीटीआई से कहा, मेरी शुरू से खेलों में रुचि रही है, लेकिन मैंने कभी खेल को करियर विकल्प के रूप में नहीं लिया लेकिन मैं हमेशा अपने जीवन में कुछ अच्छा करना चाहता था और विडंबना यह है कि मुझे यह तब मिला जब मैं लकवाग्रस्त हो गया. मैं इसे अपने लिए आशीर्वाद मानता हूं. सूरमा 30.01 मीटर के एशियाई खेलों के रिकॉर्ड के साथ पुरुषों की क्लब थ्रो

एफ51 स्पर्धा में मौजूदा एशियाई चैंपियन हैं. पैरालंपिक खेलों में उन्हें पदक का प्रबल दावेदार माना जा रहा है. मैंने खेल को अपनी पहचान बनाने के अवसर के रूप में लिया. मुझे 2016 में रियो पैरालंपिक के दौरान पैरा खेलों के बारे में पता चला. मैं तैराक बनना चाहता था, लेकिन मेरी मेडिकल स्थिति को देखते हुए यह संभव नहीं था. मुझे टेबल टेनिस पसंद था लेकिन मुझे प्रशिक्षित करने के लिए कोई अच्छा कोच नहीं मिला.

प्रतिष्ठित दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से वाणिज्य स्नातक 29 वर्षीय सूरमा ने कहा, फिर मेरे जीवन में नरसी राम सर (एक पैरा-एथलेटिक्स कोच) आए. उन्होंने मुझे एथलेटिक्स से परिचित कराया और आखिरकार मैंने क्लब थ्रो करना शुरू कर दिया. वह वर्तमान में बैंक ऑफ बड़ौदा में सहायक प्रबंधक के रूप में कार्यरत हैं. यह नौकरी उन्हें प्रतियोगी परीक्षा में सफल होने के बाद मिली थी. क्लब थ्रो में जहां तक संभव हो लकड़ी के क्लब को फेंकना होता है. यह हैमर थ्रो की तरह ही है जिसमें खिलाड़ी अपने कंधों और भुजाओं से ताकत लगाते हैं. सूरमा ने उनका समर्थन करने के लिए अपने परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया और पेरिस पैरालिंपिक में पदक जीतकर उन्हें समर्पित करना चाहते हैं. मुझे अपने परिवार से बहुत समर्थन मिला. मेरे पिता (संजीव) ने मेरी देखभाल करने के लिए अपनी नौकरी छोड़ दी और मेरी मां ने परिवार का खर्च उठाया.

सिंकफील्ड कप : मास्टर डी गुकेश ने प्रज्ञाननंदा के खिलाफ बाजी ड्रॉ खेली

भाषा। सेंट लुई (अमेरिका)

विश्व चैंपियनशिप के चैलेंजर भारतीय ग्रैंड मास्टर डी गुकेश ने ग्रैंड चेस टूर के अंतिम टूर्नामेंट सिंकफील्ड कप के तीसरे दौर में हमवतन आर प्रज्ञाननंदा के खिलाफ मुश्किल परिस्थितियों में होने के बावजूद बाजी ड्रॉ कराई. एक समय लग रहा था कि यह बाजी आसानी से ड्रॉ हो जाएगी, लेकिन तभी गुकेश गलती कर बैठे. प्रज्ञाननंदा हालांकि इसका फायदा नहीं उठा पाए और

आखिर में दोनों भारतीय खिलाड़ी अंक बांटने पर सहमत हो गए. यह दोनों अभी समान 1.5 अंक लेकर संयुक्त तीसरे स्थान पर हैं. प्रज्ञाननंदा ने 2022 के बाद क्लासिकल बाजी में गुकेश को नहीं हराया है. फ्रांस के अलीरेज़ा फ़िरोज़ा ने भी कुछ विषम पलों से गुजरने के बाद हमवतन मैक्सिम वाचिएर-लाग्रेव के खिलाफ बाजी ड्रॉ कराई. फिरोजा दो अंक लेकर रूस के इयान नेपोम्नियाचची के साथ अभी शीर्ष पर बने हुए हैं. उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसात्तोरोव भी अच्छी स्थिति में दिख रहे थे, लेकिन उन्हें एक गलती बेहद महंगी पड़ी जिसका फायदा उठाकर फैबियानो कारूआना टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज करने में सफल रहे. तीसरे दौर में दूसरे विजेता नेपोम्नियाचची थे.

आईपीएल

जहीर इससे पहले मुंबई इंडियंस के वैश्विक विकास के प्रमुख रह चुके हैं

लखनऊ के मेंटर के रूप में वापसी कर सकते हैं जहीर

भाषा। नयी दिल्ली

भारत के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अगले सत्र में लखनऊ सुपर जाइंट्स के मेंटर (मार्गदर्शक) के रूप में इस टूर्नामेंट में वापसी कर सकते हैं. यह 45 वर्षीय क्रिकेटर इससे पहले मुंबई इंडियंस में वैश्विक विकास का प्रमुख था. उन्होंने इसी फ्रेंचाइजी में 2018 से लेकर 2022 तक क्रिकेट निदेशक का पद भी संभाला था. जहीर खान पहले 10 सत्र

में एक क्रिकेटर के रूप में आईपीएल से जुड़े रहे. इस बीच उन्होंने तीन टीम मुंबई इंडियंस, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और दिल्ली डेयरडेविल्स (अब दिल्ली कैपिटल्स) की तरफ से

भारतीय कोच की तलाश में है पंजाब किंग्स

इस बीच पंजाब किंग्स ट्रेवर बेलिस की जगह है किसी भारतीय खिलाड़ी को मुख्य कोच नियुक्त करने का इच्छुक है. रिपोर्टों के अनुसार पंजाब वीवीएस लक्ष्मण को मुख्य कोच नियुक्त करना चाहता था लेकिन यह संभव नहीं है क्योंकि भारत के पूर्व बल्लेबाज ने बीसीसीआई की राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के प्रमुख के रूप में अपना कार्यकाल बढ़ा दिया है.

कुल मिलाकर 100 मैच खेले जिनमें उन्होंने 7.59 की इकोनॉमी रेट से 102 विकेट लिए. ईएसपीएन क्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार, जहीर खान की लखनऊ सुपर जाइंट्स (एलएसजी) के मेंटर पद के लिए फ्रेंचाइजी से बातचीत चल रही है. यह फ्रेंचाइजी गौतम गंभीर के जाने के बाद टी20 क्रिकेट से अच्छी तरह वाकिफ किसी भारतीय पूर्व क्रिकेटर को अपने कोचिंग स्टाफ में जोड़ना चाहती है. गंभीर के रहते हुए लखनऊ की टीम 2022 और 2023 में दो बार प्ले-ऑफ में पहुंची थी. भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज गंभीर 2023 के आखिर में कोलकाता नाइट राइडर्स से जुड़ गए थे और उन्होंने इस साल इस फ्रेंचाइजी को चैंपियन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी. इसके बाद उन्हें भारतीय टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया. लखनऊ को अपने गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल की सेवाएं भी नहीं मिलेगी.

ब्रीफ खबरें

दो दिन से लापता किशोर का मिला शव

नालंदा । नालंदा में मंगलवार से लापता एक किशोर का शव उसके अपने ही खंडहरनुमा घर से गुरुवार को बरामद किया गया है. मामला हिलसा थाना क्षेत्र अंतर्गत विद्यापुरी मोहल्ले का है. मृतक की पहचान अरुण विश्वकर्मा के (16) वर्षीय पुत्र दिलखुश कुमार के रूप में की गई है. घटना के संबंध में दिलखुश के पिता अरुण विश्वकर्मा ने बताया कि मंगलवार को 9:00 बजे तक बेटे से बात हुई थी. इसके बाद से उसका फोन रिंग हो रहा था, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल पा रही थी. काफी खोजबीन की गई.

सदर अस्पताल में लगी आग, मचा हड़कंप

बेगूसराय । बेगूसराय के सदर अस्पताल में आग लग गई. आग लगते ही इलाज कराने आए मरीजों और परिजनों में भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई. लोग जैसे-तैसे अपनी जान बचाकर लोग भागने लगे. आग लगने के संबंध में यह कहा जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट के कारण बिजली बोर्ड में अचानक आग लग गई. आग लगने की जानकारी जैसे ही मरीजों को मिली. मरीज दौड़ते-पड़ते वहां से भागना शुरू कर दिए. यह पूरा मामला नगर थाना क्षेत्र के बेगूसराय सदर अस्पताल की है. घटना के बाद डॉक्टर भी चेंबर छोड़कर भाग गए और पूरे बिल्डिंग में बिजली की सप्लाई बंद कर दी गई.

कार से 68 कार्टन शराब बरामद, तस्कर फरार

फारबिसगंज/ अररिया । अररिया के पलासी में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर गिरागाछ के समीप एक कार की तलाशी के दौरान कार से 68 कार्टून नेपाली रेशम लीची शराब बरामद किया गया और वाहन को जब्त कर लिया गया. पलासी प्रभारी थानाध्यक्ष विजय कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली कि एक कार नेपाली शराब लेकर कलियागंज होते हुए पलासी के तरफ जा रहा है. प्रभारी थानाध्यक्ष विजय कुमार ने बताया कि फरार शराब कारोबारी को चिह्नित कर और छापामारी कर जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जायेगा.

बच्चों की गुहार
पटना : स्थानीय माउंट कार्मेल स्कूल के विद्यार्थियों ने कोलकाता में एक पोस्ट ग्रेजुएट प्रशिक्षु डॉक्टर के यौन उत्पीड़न और हत्या के विरोध में हाथों में तख्तियां लेकर मानव श्रृंखला बनाकर इंसाफ की गुहार लगाई.

दो बच्चों के साथ महिला ने किया सुसाइड
ग्रामीणों ने निकाली तीनों की लाशें

संवाददाता । रोहतास

रोहतास जिले से एक हृदय विदारक घटना सामने आ रही है. एक महिला ने अपने दो बच्चों के साथ आहर में कूद कर खुदकुशी कर ली है. घटना रोहतास जिले के नौहट्टा थाना अंतर्गत निमिया टीकर गांव की है. मृतकों की पहचान संजय चौहान की 26 वर्षीय पत्नी आशा देवी, उसके 6 वर्षीय पुत्र सत्यम कुमार और 4 वर्षीय पुत्र आदित्य कुमार के रूप में हुई. परिजनों का कहना है कि बुधवार की रात्रि आशा देवी पति संजय चौहान खाना-पीना खाकर घर में सो गए उसके बाद संजय चौहान की पत्नी अपने दोनों बच्चों के साथ आहर में कूद कर अपने और बच्चों सहित खुदकुशी कर ली है. सुबह होने पर तीनों की शव को ग्रामीणों ने आहर में देखा इसके बाद तीनों के शवों को आहर से बाहर निकाला और घटना की सूचना पुलिस को दी गई. मौके पर पहुंची नौहट्टा थाने की पुलिस ने मृतकों की शव पंचनामा करते हुए पोस्टमार्टम की प्रक्रिया में जुट गई है.

पारिवारिक विवाद के कारण हुआ ऐसा

वहीं मृत महिला के पति संजय चौहान पत्नी और दोनों बच्चों के शव को देखकर बेसुध हो गए. ग्रामीणों द्वारा पारिवारिक विवाद के कारण महिला ने अपने बच्चों के साथ खुदकुशी करने की बात कही जा रही है. पुलिस का कहना है कि कुछ लोगों से पूछताछ चल रही है. मामले में आगे की कार्रवाई चल रही है.

आरा में भीषण हादसा : विंध्याचल से लौट रहे थे सभी
माता-पिता समेत परिवार के पांच लोगों की हुई मौत

संवाददाता । आरा

आरा में भीषण सड़क हादसे में परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई. वहीं तीन लोगों की हालत गंभीर है. मरने वाले सभी एक ही परिवार से थे. बताया जा रहा है कि सभी लोग सभी लोग एक्सयूवी गाड़ी में सवार होकर उत्तर प्रदेश के विंध्याचल से दर्शन कर अपने घर लौट रहे थे. गजराजगंज थाना के बीबीगंज के पास एनएच-922 पर कार के ड्राइवर ने अपना संतुलन खो दिया. अचानक गाड़ी रोड के डिवाइडर से टकरा गई. हादसा इतना भीषण था कि हादसे में माता-पिता, बेटा-बेटी और मासूम बच्चे (पोता) की मौके पर ही मौत हो गई. वहीं घर की बहु और एक बच्ची बाल-बाल बच गई है.

घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया. आसपास के लोगों की भीड़ लग गई. इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई. पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया और जांच में जुट गई. पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है. मरने वाले सभी अजीमाबाद थाना क्षेत्र के कमरियांव गांव के निवासी थी. सभी लोग पटना के बेली रोड स्थित अपने मकान में रहते हैं. घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है.

मौके पर तीन लोगों की मौत हो गई : परिजनों का कहना है कि अजीमाबाद थाना क्षेत्र के कमरिया गांव निवासी भूपनारायण पाठक अपने पूरे परिवार के साथ उत्तरप्रदेश के विंध्यांचल मंदिर में पूजा करने गए थे. दर्शन कर सभी लोग वापस लौट रहे थे कि तब ही बीबीगंज के समीप गाड़ी चला रहे भूपनारायण पाठक के पुत्र बिपुल पाठक की आंख लग गई और तेज रफ्तार गाड़ी डिवाइडर से टकरा गई. इसमें मौके पर तीन लोगों की मौत हो गई. दो सदर अस्पताल लाने के दौरान दम तोड़ दिए और तीन लोग जख्मी हो गए.

मृतकों में 55 वर्षीय भूपनारायण पाठक उनकी पत्नी रेणु देवी, पुत्र विपुल पाठक, पुत्री-अर्पिता पाठक और पोता समर्थ पाठक शामिल है. जख्मी में बहु मधु पाठक, पोती-समृद्धि और भतीजी खुशी पाठक शामिल है सभी लोग सदर अस्पताल में इलाजरत है.

गाड़ी के अंदर से सड़क पर खून बह रहा था : मृतक विपुल पाठक के साला अंकित ओझा ने बताया कि सुबह सूचना मिली कि आपके बहनोई का दुर्घटना हुआ है. हमलोग भागे-भागे सदर अस्पताल पहुंचे कि यहां देखे की पांच लोगों की मौत हो गई है और बहन समेत तीन लोग जख्मी हैं. स्थानीय लोगों द्वारा बताया गया कि अहले सुबह पांच बजे बहुत जोर का आवाज हुआ. हमलोग जब मौके पर पहुंचे तो देखे की गाड़ी के अंदर से सड़क पर खून बह रहा है और गाड़ी का शीशा लॉक है. उसके अंदर कुछ लोग छटपटा रहे है. जैसे-तैसे गाड़ी के दरवाजे को तोड़ा गया और अंदर से सभी को बाहर निकाल कर अस्पताल भेजा गया. मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि गाड़ी चला रहे चालक की आंख लग गई थी. इसकी वजह गाड़ी डिवाइडर में टकरा गई.

सीएम ने एनएच-77 के निर्माणाधीन मुजफ्फरपुर बाईपास का किया निरीक्षण
नए थाना भवन का किया उद्घाटन

संवाददाता । पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को मुजफ्फरपुर में हाजीपुर फोरलेन पर पकड़ी-पताही में निर्माणाधीन बाईपास एनएच 77 का निरीक्षण किया और कार्य की प्रगति की जानकारी ली. इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को जल्द निर्माण कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया. मुख्यमंत्री ने यहां परियोजना की समीक्षा की. इस दौरान पथ निर्माण विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने मुख्यमंत्री को प्रस्तुतीकरण के माध्यम से फोरलेन के निर्माण की विस्तृत जानकारी दी. उन्होंने बताया कि वर्ष 2010 में ही मुजफ्फरपुर-हाजीपुर बाईपास के निर्माण का फैसला लिया गया था, लेकिन जमीन अधिग्रहण सहित अन्य समस्याओं के कारण वर्ष 2012 से इस पर काम शुरू हुआ. इस फोरलेन के बचे हुए निर्माण कार्य को नवंबर तक पूर्ण करा लिया जाएगा.

समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि बचे हुए कार्यों को तेजी से पूर्ण कराएं. उन्होंने कहा कि मुजफ्फरपुर में लगभग 17 किलोमीटर बाईपास के निर्माण से लोगों को आवागमन में काफी सुविधा होगी. इस पथ से गोपालगंज होकर उत्तर प्रदेश जानेवाले लोगों को सुविधा होगी. साथ ही पटना-मुजफ्फरपुर को ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर के फोरलेन की भी कनेक्टिविटी मिलेगी. मझौली से नेपाल को जोड़नेवाली सड़क एनएच 527-सी से भी आनेवाले वाहनों के लिए पटना आना-जाना आसान हो जाएगा. इसके बाद मुख्यमंत्री ने सकरी-सरैया में निर्माणाधीन तुर्की थाना भवन का निरीक्षण किया.

पूर्व मंत्री श्याम रजक ने राजद से इस्तीफा दिया

पटना । बिहार के पूर्व मंत्री श्याम रजक ने गुरुवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) से इस्तीफा देते हुए धोखा दिये जाने का आरोप लगाया. रजक ने राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद को संबोधित एक संक्षिप्त पत्र जारी किया है, जिसमें उन्होंने घोषणा की कि वह पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव के पद के साथ-साथ दल की प्राथमिक सदस्यता से भी त्यागपत्र दे रहे हैं. रजक ने राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रसाद को संबोधित अपने पत्र में लिखा है, मैं शतरंज का शौकीन नहीं था, इसलिए धोखा खा गया. आप मोहरे चल रहे थे, मैं रिश्तेदारी निभा रहा था.

जमीन खुदाई में मिली तिजोरी निकले चांदी के सिक्के व बट

संवाददाता । मोतिहारी

मोतिहारी में जमीन की खुदाई जेसीबी से कराई जा रही थी. वहां खुदाई कर वहां के सामान जेसीबी चालक के द्वारा पावर सबस्टेशन के पीछे फेंके जा रहे थे. इसी दौरान उक्त पुरानी धातु की बंद पेटी भी खुदाई के दौरान निकली. पेटी निकलने की सूचना पर इसे देखने के लिए स्थानीय लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी. उक्त पेटी को स्थानीय गणमान्य लोगों के द्वारा डाकबंग्ला चौक के बगल के एक आवासीय परिसर में ले जाकर रखा गया. इसकी सूचना पर पुलिस की 112 व मधुबन पुलिस वहां पहुंची और थानाध्यक्ष संजीव मौवार व सीओ रागिनी कुमारी गुप्ता के द्वारा उक्त तिजोरी को थाने लाया गया है. उक्त बंद पेटी को पकड़ीदयाल एसडीएम अविनाश कुमार की देखरेख में गैस कटर से काटा गया. इसके अंदर पुराने कागजात, पुराने सिक्के, बंदूक का एक बट, चांदी का सिक्का पाया गया है. अब इसमें प्राप्त कागजात व पुराने सिक्कों की जांच कराई जाएगी.

कारोबार

लार्सन एंड टुब्रो को मिला बड़ा ठेका

नयी दिल्ली । इंजीनियरिंग व निर्माण समूह लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) को महाराष्ट्र में एकीकृत बुनियादी ढांचे के विकास के लिए एक बड़ा ठेका मिला है. एलएंडटी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि ठेका एलएंडटी की परिवहन बुनियादी ढांचा इकाई को मिला है. कंपनी ने ठेके के वित्तीय विवरण का खुलासा नहीं किया. हालांकि, वह 2,500 करोड़ रुपये से 5,000 करोड़ रुपये तक के ठेकों को बड़ा बताती है. नगर नियोजन योजना दो से सात में एकीकृत बुनियादी ढांचा विकास का ठेका मिला है.

कीस्टोन 900 करोड़ का करेगी निवेश

नयी दिल्ली । कीस्टोन रियलटर्स चालू वित्त वर्ष 2024-25 में आवासीय परियोजनाओं के निर्माण पर निवेश बढ़ाकर 800-900 करोड़ रुपये करेगी. यह निष्पादन क्षमताओं को बढ़ाने की उसकी रणनीति का हिस्सा है. कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) बोमन ईरानी ने दिए साक्षात्कार में कहा कि कंपनी अपने कारोबार को बढ़ाने के लिए चालू वित्त वर्ष में निर्माण तथा भूमि खरीद पर काफी निवेश करेगी. ईरानी रियल एस्टेट क्षेत्र की शीर्ष संस्था क्रेडाई के अध्यक्ष भी हैं.

आईसीआईसीआई ने मामला सुलझाया

नयी दिल्ली । आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने 69.82 लाख रुपये का भुगतान कर नियामक मानदंडों के कथित उल्लंघन से संबंधित मामले को सेबी के साथ सुलझा लिया है. आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया, कंपनी की मर्चेंट बैंकिंग गतिविधियों की पुस्तकों तथा रिकॉर्ड के निरीक्षण के संबंध में भारतीय प्रतिभूति एवं सेबी को एक निपटान आवेदन प्रस्तुत किया. ये टिप्पणियां मुख्य रूप से एक मर्चेंट बैंकर के रूप में कंपनी द्वारा अपनाई जाने वाली उचित परिश्रम प्रक्रिया से संबंधित थीं. उसने सेबी के कारण बताओ नोटिस से उत्पन्न किसी भी लंबी कार्यवाही से बचने के लिए उपर्युक्त मामले के संबंध में निपटान विनियमों के तहत निपटान के लिए आवेदन प्रस्तुत किया.

सीमा शुल्क में कटौती के बाद सोने के आयात में तेजी आने की संभावना
ग्लोबल मार्केट की अनिश्चितता से सोने के आयात में आई गिरावट

एजेंसी । नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट की अनिश्चितता और सोने के भाव में इस साल लगातार आई तेजी की वजह से देश में सोने के आयात में कमी आई है. मौजूदा वित्त वर्ष के पहले 4 महीने यानी अप्रैल से जुलाई 2024 के दौरान सोने के आयात में 4.23 प्रतिशत की कमी आई है. इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार अप्रैल से जुलाई के चार महीने में देश में 12.64 अरब डॉलर की कीमत के सोने का ही आयात किया गया है. जबकि पिछले साल अप्रैल से जुलाई की अवधि में 13.21 अरब डॉलर के सोने का आयात किया गया था. सिर्फ जुलाई के महीने में ही सोने के आयात में तुलनात्मक रूप से 10.65 प्रतिशत की कमी आई है. इस महीने 3.21 अरब डॉलर कीमत के सोने का आयात किया गया, जबकि पिछले साल इसी अवधि में 3.52 अरब डॉलर के सोने का आयात किया गया था.

जुलाई के पहले जून के महीने में सोने के आयत में 38.66 प्रतिशत की कमी आई थी. इसी तरह मई के महीने में सोने का आयात 9.76 प्रतिशत घट गया था. हालांकि इसके पहले अप्रैल के महीने में सोने के आयात में तुलनात्मक रूप से जोरदार तेजी आई थी. अप्रैल 2024 में 3.11 अरब डॉलर के सोने का आयात किया गया था, जबकि अप्रैल 2023 में सिर्फ 1.06 अरब डॉलर के सोने का आयात किया गया था. आपको बता दे कि पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में सालाना आधार पर सोने के आयात में 30 प्रतिशत की तेजी आई थी. पूरे साल के दौरान कुल 45.54 अरब डॉलर के सोने का आयात किया गया था.

बुलियन मार्केट एक्सपर्ट शेखर गुप्ता के मुताबिक मौजूदा वित्त वर्ष के पहले 4 महीने के दौरान सोने के आयात में गिरावट जरूर आई है, लेकिन आने वाले दिनों में इस आयत में तेजी आने की उम्मीद बनी हुई है. गुप्ता के मुताबिक बजट में सोने पर लगने वाले सीमा शुल्क को 15 प्रतिशत से घटकर 6 प्रतिशत कर दिया गया है. इस वजह से घरेलू कारोबारियों के लिए सोने की लागत कम हो गई है. इसके साथ ही सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत घटी है. ऐसी स्थिति में हाजिर सोने की खरीद बिक्री में तेजी आने की उम्मीद है.

इसी तरह एक और बुलियन मार्केट एक्सपर्ट मयंक मोहन का कहना है कि बजट में सोने पर लगने वाले सीमा शुल्क को घटाए जाने के कारण अवैध तरीके यानी तस्करी के जरिए विदेश से सोना लाने वाले कारोबारियों के उत्साह में भी कमी आने की संभावना है. थोड़े से फायदे के लिए ज्यादातर कारोबारी अवैध तरीका अपना कर अपना गला कानून के फंदे में फंसाने की जगह 6 प्रतिशत सीमा शुल्क देकर वैध तरीके से सोने का आयात करना ज्यादा पसंद करेंगे. इसीलिए आने वाले दिनों में जहां सोने की तस्करी में कमी आने की संभावना है, वहीं वैध तरीके से सोने के आयात में बढ़ोतरी होने की भी पूरी संभावना बनी हुई है.

लिवप्योर ने 233 करोड़ रुपये जुटाए

नयी दिल्ली । एयर कूलर, वाटर प्यूरिफायर जैसे उत्पाद बनाने वाली लिवप्योर ने एमएंडजी इन्वेस्टमेंट्स और एनक्यूबेट कैपिटल पार्टनर्स से 233 करोड़ रुपये का वित्त पोषण हासिल किया है.

लिवप्योर ने गुरुवार को बयान में कहा कि कुल निवेश में से 208 करोड़ रुपये एमएंडजी इन्वेस्टमेंट्स और 25 करोड़ रुपये एनक्यूबेट कैपिटल पार्टनर्स से जुटाये हैं. इस पूंजी निवेश से कंपनी अपनी योजनाओं को आगे बढ़ाते हुए पेशकशों में विविधता लाएगी. इससे बाजार में उसकी उपस्थिति बढ़ेगी. लिवप्योर के सह-संस्थापक एवं चेयरमैन नवनीत कपूर ने कहा, यह निवेश हमें तेजी से नवोन्मेष करने, अपने उत्पाद खंड, खुदरा उपस्थिति का विस्तार करने और हमारे उच्च-गुणवत्ता वाले घरेलू समाधानों को अधिक भारतीयों तक पहुंचाने में सक्षम बनाएगा.

प्रीमियर एनर्जीज ने प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया

एजेंसी । नयी दिल्ली

सौर सेल व मॉड्यूल विनिर्माता कंपनी प्रीमियर एनर्जीज लिमिटेड ने अपने 2,830 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 427-450 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है. हैदराबाद स्थित कंपनी ने बृहस्पतिवार को बताया कि आईपीओ 27 अगस्त को खुलेगा और 29 अगस्त को बंद होगा. एंकर (बड़े) निवेशक 26 अगस्त को बोली लगा पाएंगे. आईपीओ 1,291.4 करोड़ रुपये तक के ताजा शेयर और 3.42 करोड़ शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है. इस प्रकार निर्गम का कुल आकार 2,830 करोड़ रुपये बैठता है. प्रीमियर एनर्जीज एक एकीकृत सौर सेल व सौर मॉड्यूल विनिर्माता है. इसके पास 29 वर्षों का अनुभव है. इसकी सौर सेल के लिए वार्षिक स्थापित क्षमता दो गीगावाट और सौर मॉड्यूल के लिए 4.13 गीगावाट है.

शेयर बाजार

एफएमसीजी-बैंकिंग स्टॉक्स ने बाजार में भरा जोश
मिड-कैप शेयरों में छाई रौनक, सेंसेक्स-निफ्टी में तेजी

- बाजार बंद होने पर बीएसई सेंसेक्स 148 अंकों के उछाल के साथ 81,000 के ऊपर 81,053 अंकों पर बंद हुआ है

एजेंसी । नयी दिल्ली

शानदार ग्लोबल संकेतों और घरेलू बाजार में देसी-विदेशी निवेशकों की खरीदारी के चलते गुरुवार के कारोबारी सत्र में भारतीय शेयर बाजार शानदार तेजी के साथ बंद हुआ है. गुरुवार को फिर एफएमसीजी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के शेयरों में खरीदारी देखने को मिली है. मिडकैप स्टॉक्स में भी गुरुवार के सत्र में तेजी रही. बाजार बंद होने पर बीएसई सेंसेक्स 148 अंकों के उछाल के साथ 81,000 के ऊपर 81,053 अंकों पर बंद हुआ है. जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 40 अंकों की तेजी के साथ 24,810 अंकों पर बंद हुआ है. गुरुवार के कारोबार में सेंसेक्स के 30 शेयरों में 18 तेजी के साथ और 12 गिरकर बंद हुए. निफ्टी के 50 शेयरों में 25 तेजी के साथ और 25 गिरकर बंद हुए. तेजी वाले शेयरों में भारती एयरटेल 1.60 फीसदी, टाटा स्टील 1.38 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 1.38 फीसदी, टाइटन 1 फीसदी, जेएसडब्ल्यु स्टील 0.91 फीसदी, एशियन पेंट्स 0.85 फीसदी, मारुति 0.73 फीसदी, एसबीआई 0.45 फीसदी, बजाज फिनसर्व 0.44 फीसदी के उछाल के साथ बंद हुआ है. जबकि गिरने वाले स्टॉक्स में महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.20 फीसदी, एनटीपीसी 1.20 फीसदी, टाटा मोटर्स 1.16 फीसदी, टीसीएस 1.13 फीसदी, पावर ग्रिड 0.83 फीसदी, सन फार्मा 0.76 फीसदी, अडानी पोर्ट्स 0.74 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है.

16 लाख करोड़ बढ़ा मार्केट कैप : शेयर बाजार में तेजी के चलते गुरुवार के सत्र में भी निवेशकों की संपत्ति में बढ़ोतरी आई है. बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप 460.51 लाख करोड़ रुपये पर जा पहुंचा है जो पिछले सत्र में 459.24 लाख करोड़ रुपये रहा था. गुरुवार के सत्र में मार्केट कैप में 1.27 लाख करोड़ रुपये का उछाल देखने को मिला है. शेयर बाजार में पिछले पांच कारोबारी सत्र में निवेशकों की संपत्ति में 16 लाख करोड़ रुपये के करीब इजाफा देखा गया है. वहीं कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, बैंकिंग, एफएमसीजी, मेटल्स, इंफ्रा सेक्टर के शेयरों में खरीदारी देखी गई जबकि ऑटो, आईटी, फार्मा, मीडिया, एनर्जी, हेल्थकेयर और ऑयल एंड गैस सेक्टर के स्टॉक्स गिरकर बंद हुए.

जॉफ ने सीरीज ए फंडिंग में 40 करोड़ रुपए जुटाए

संवाददाता । रांची

प्रमुख मसाला ब्रांड, जॉफ ने जेएम फाइनेंशियल इंडिया ग्रोथ फंड III के माध्यम से जेएम फाइनेंशियल प्राइवेट इक्विटी से सफलतापूर्वक 40 करोड़ रुपए जुटा लिए हैं. कंपनी इस फंडिंग का उपयोग नए प्रोडक्ट्स को लॉन्च करने और व्यवसाय को रेडी-टू-कुक, मसालें, कुकिंग पेस्ट और सीजनिंग किट जैसे नए क्षेत्रों में विस्तार करने के लिए करेगी. इसी के साथ कंपनी सामान्य व्यापार, आधुनिक ट्रेड चैनल्स और अन्य रिटेल आउटलेट्स के माध्यम से अपने ऑफलाइन डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करने की योजना बना रही है.

कंपनी का उद्देश्य मार्केटिंग के माध्यम से विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर अपनी ब्रांड की उपस्थिति को बढ़ाना और ब्रांड के व्यापार और निर्यात को बढ़ाने के लिए बाजार में एक मजबूत ऑफलाइन नेटवर्क बनाना है. 2018 में दो भाइयों आकाश अग्रवाल और आशीष अग्रवाल द्वारा स्थापित जॉफ, उद्योग में पहले ही एक पहचान बना चुका है. ब्रांड ने बोट के को-फाउंडर और सीएमओ, अमन गुप्ता से शार्क टैंक इंडिया में फंडिंग हासिल की थी.

फंडिंग पर आकाश अग्रवाल, को-फाउंडर ने कहा, जेएम फाइनेंशियल प्राइवेट इक्विटी से फंडिंग प्राप्त करना हमारे लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है. हमारी कंपनी ने पिछले कुछ सालों में तेजी से वृद्धि की है और यह निवेश हमें अपने संचालन को बढ़ाने और साथ ही अपनी पहुंच का विस्तार करने के लिए प्रेरित करेगा.

डेरियस पंडोले, मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ ने कहा, फूड इंडस्ट्री में ब्रांड के मसाले सबसे आकर्षक श्रेणियों में से एक के रूप में खुद को स्थापित कर चुके हैं. भारत में मसालों की बहुत महत्ता है, इसके बावजूद यहां का बाजार अत्यधिक असंगठित है. लेकिन, हम विशेष रूप से कोविड के बाद स्वच्छता, गुणवत्ता और स्वास्थ्य जागरूकता पर बढ़ते फोकस के कारण इन असंगठित बाजारों को संगठित बाजारों में तब्दील होते हुए देख रहे हैं.

टेक्सास में 90 फुट ऊंची हनुमान की मूर्ति बनी वहां की नयी पहचान

- स्टैच्यू ऑफ यूनियन' नाम की यह सबसे ऊंची मूर्तियों में से एक

एजेंसी। ह्यूस्टन

ह्यूस्टन के निकट भगवान हनुमान की 90 फुट ऊंची कांस्य मूर्ति का अनावरण किया गया है जो "अमेरिका के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परिदृश्य में एक नया अध्याय' है. यह मूर्ति टेक्सास में नवीनतम पहचान बन गई है जो बहुत दूर से दिखाई देती और यह अमेरिका में तीसरी सबसे ऊंची मूर्ति है. आयोजकों ने बताया कि इस मूर्ति का नाम 'स्टैच्यू ऑफ यूनियन' रखा गया है और यह विश्व की सबसे ऊंची मूर्तियों में से एक है. इसकी कई अन्य विशिष्टताएं भी हैंः यह भारत के बाहर हनुमान की सबसे ऊंची मूर्ति है, टेक्सास में सबसे ऊंची मूर्ति है, अमेरिका में तीसरी सबसे ऊंची मूर्ति है और इससे ऊंची मूर्तियां केवल न्यूयॉर्क में स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी (151 फुट) और फ्लोरिडा के हैलैंडेल बीच में पेगासस एंड ड्रैगन (110 फुट) ही हैं. आयोजकों ने बताया कि 'स्टैच्यू ऑफ यूनियन' हनुमान मूर्ति का अनावरण शुगर लैंड स्थित श्री अष्टलक्ष्मी मंदिर में 15 से 18 अगस्त तक आयोजित भव्य प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव समारोह के दौरान किया गया.

पाकिस्तान में स्कूल वैन पर गोलीबारी, दो बच्चों की मौत

एजेंसी। लाहौर

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में बृहस्पतिवार को बंदूकधारियों ने एक स्कूल वैन पर गोलीबारी की, जिसमें दो बच्चों की मौत हो गई और पांच अन्य लोग घायल हो गए. यह घटना लाहौर से लगभग 400 किलोमीटर दूर अटक जिले के ढेरी कोट इलाके में हुई. पुलिस के अनुसार, स्कूल वैन बच्चों को स्कूल छोड़ने जा रही थी, इस दौरान अज्ञात बंदूकधारियों ने उस पर गोलीबारी की. पुलिस ने बताया, 'हमले में पांच से 10 वर्ष की आयु के सात बच्चे घायल हो गए. उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां दो बच्चों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य की हालत गंभीर बताई जा रही है.' वैन चालक को भी चोटें आई हैं. एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज से बंदूकधारियों को पकड़ने के लिए पुलिस टीमें गठित की गई हैं. पुलिस, चालक के किसी से दुश्मनी या फिर घटना के आतंकवाद से जुड़े होने समेत सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है.

हिजबुल्ला ने 'गोलान हाइट्स' में 50 से ज्यादा रॉकेट दागे, कई मकान क्षतिग्रस्त

इजराइल ने गाजा में किए हमले, 17 की मौत

एजेंसी। यरूशलम

गाजा में बुधवार को इजराइली टैंक और ड्रोन हमलों में कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई. एक अस्पताल के कर्मियों ने यह जानकारी दी. ये हमले मध्य गाजा के दीर अल-बलाह और दक्षिण में खान यूनिस में हुए. अस्पताल कर्मियों ने बताया कि अल-बलाह और खान यूनिस में इजराइली हमलों में 17 लोगों की मौत हो गई.

इस बीच, लेबनान के हिजबुल्ला ने बुधवार को 50 से ज्यादा रॉकेट दागे, जिनसे इजराइली कब्जे वाले 'गोलान हाइट्स' में कई मकान क्षतिग्रस्त हो गए. हिजबुल्ला ने कहा कि ये हमले मंगलवार रात को लेबनान में इजराइल के हमले के जवाब में किए गए. ये हमले ऐसे समय में हुए हैं जब एक ही दिन पहले अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने पश्चिम एशिया की अपनी यात्रा के दौरान गाजा में युद्ध विराम समझौता करने के राजनयिक मिशन के तहत मिस्र और कतर में अपने साथी मध्यस्थों से मुलाकात की थी. ईरान और लेबनान में हमास और हिजबुल्ला के दो शीर्ष कमांडर की हाल में निशाना बनाकर हत्या किए जाने से समझौते की आवश्यकता और बढ़ गई है. दोनों कमांडर की हत्या के पीछे इजराइल का हाथ बताया जा रहा है। दूसरी ओर, ईरान और हिजबुल्ला ने दोनों कमांडर की मौत का बदला लेने का संकल्प लिया है. इस बीच, अहम मध्यस्थ देश मिस्र ने इस समझौते को लेकर बुधवार को संदेह व्यक्त किया. मिस्र में अधिकारियों ने बताया कि हमास चरमपंथी समूह कई कारणों से समझौते संबंधी प्रस्ताव पर सहमत नहीं होगा और इस बात को लेकर भी लंबे समय से आशंका बनी हुई है कि क्या इस समझौते के बाद इजराइली सेनाएं वास्तव में गाजा से हट जाएंगी और युद्ध समाप्त हो जाएगा. 'व्हाइट हाउस' ने बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने इजराइल के प्रधानमंत्री से बुधवार को बात की, हालांकि उसने इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी.

'डीएनसी' में गूंजा वैदिक मंत्र

एजेंसी। शिकागो

अमेरिका के राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार की आधिकारिक घोषणा के लिए जारी 'डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन' (डीएनसी) के बुधवार को तीसरे दिन की शुरुआत पहली बार वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुई, जिसमें पुजारी ने देश की एकजुटता की प्रार्थना की. भारतीय-अमेरिकी पुजारी राकेश भट्ट ने शिकागो में आयोजित डीएनसी के तीसरे दिन की कार्यवाही औपचारिक रूप से शुरू करते हुए कहा, 'भले ही हमारे बीच मतभेद हों, लेकिन जब राष्ट्र की बात आती है तो हमें एकजुट होना चाहिए और यह हमें सभी के लिए न्याय की दिशा में ले जाता है.' डेमोक्रेटिक पार्टी के वित्तीय मामलों के उप प्रमुख अजय भुटोरिया ने कहा, 'राकेश भट्ट द्वारा आज डीएनसी में वैदिक विधि से पूजा अर्चना किया जाना एक महत्वपूर्ण क्षण है, जो समावेशिता और विविधता के प्रति डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है.'

टिम वाल्ज ने उपराष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवारी स्वीकारी

शिकागो। मिनेसोटा के गवर्नर टिम वाल्ज ने अमेरिका के उपराष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवारी बुधवार रात स्वीकार कर ली. वाल्ज ने 'डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन' में अपने संबोधन के दौरान वहां मौजूद लोगों का आभार व्यक्त किया. उन्होंने कहा, 'हम सभी आज रात यहां एक ही वजह से एकत्र हुए हैं और वह यह है कि हम इस देश से प्यार करते हैं.'

हिंडनबर्ग रिपोर्ट पर जेपीसी जांच की मांग को लेकर सड़क पर उतरे कांग्रेसी

कांग्रेस का देशभर में प्रदर्शन

लगातार न्यूज नेटवर्क

हिंडनबर्ग रिपोर्ट पर कांग्रेस की ओर से बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय राजधानी सहित देशभर विरोध-प्रदर्शन किया. दिल्ली में जंतर-मंतर पर आयोजित प्रदर्शन में कांग्रेस के सीनियर लीडर्स शामिल हुए.. इस प्रदर्शन के जरिए हिंडनबर्ग रिपोर्ट की संयुक्त संसदीय समिति जेपीसी द्वारा जांच कराए जाने की मांग की जा रही है. प्रदर्शन में कांग्रेस के दिग्गज नेता शामिल हुए.

वहीं उत्तर प्रदेश कांग्रेस ने भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) की प्रमुख माधवी बुच के त्यागपत्र और अडाणी समूह से जुड़े मामले की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के गठन की मांग को लेकर बृहस्पतिवार को यहां प्रदर्शन किया. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय की अगुवाई में बड़ी संख्या में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने राजभवन के सामने प्रदर्शन किया और हिंडनबर्ग की हाल की रिपोर्ट पर जेपीसी के गठन और सेबी प्रमुख माधवी बुच के इस्तीफे की मांग की. पार्टी कार्यकर्ता राजधानी स्थित प्रवर्तन निदेशालय की ओर जा रहे थे मगर पुलिस ने उन्हें राजभवन के पास रोक लिया. इस पर कार्यकर्ताओं ने राजभवन के सामने प्रदर्शन किया. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राय ने कहा कि हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट से भ्रष्टाचार की पोल पूरी तरह खुल गयी है. जिस तरह से घोटाले का खुलासा हुआ है, उसके मद्देनजर सेबी प्रमुख माधवी बुच को त्यागपत्र देना चाहिये या फिर उन्हें बर्खास्त कर दिया जाना चाहिये. वहीं कांग्रेस की हरियाणा एवं पंजाब इकाइयों ने भी अदाणी मुद्दे की जांच के लिए जेपीसी के गठन की मांग को लेकर बृहस्पतिवार को यहां प्रदर्शन किया. हिंडनबर्ग के हाल के आरोपों पर उत्पन्न विवादों के बीच कांग्रेस के राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन के आह्वान पर दोनों राज्यों की संयुक्त राजधानी चंडीगढ़ में अलग-अलग प्रदर्शन किया.

अदाणी मामले में जेपीसी जांच की मांग पर बीआरएस अपना रुख स्पष्ट करे : रेवंत रेड्डी

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को मांग की कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) प्रमुख माधवी बुच के इस्तीफे पर और अदाणी समूह की कथित धोखाधड़ी की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के गठन पर अपना रुख स्पष्ट करें. तेलंगाना कांग्रेस के प्रमुख रेड्डी ने अपने मंत्रिमंडल सहयोगियों और पार्टी विधायकों के साथ सेबी प्रमुख माधवी बुच के इस्तीफे और अदाणी की कथित वित्तीय धोखाधड़ी की जेपीसी से जांच की मांग को लेकर यहां एक धरने में हिस्सा लिया. विरोध प्रदर्शन के दौरान रेड्डी ने केंद्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली राजग सरकार पर सवाल नहीं उठाने के लिए बीआरएस नेताओं पर हमला बोला. उन्होंने कहा, 'मैं मोदी के खिलाफ लड़ने के बड़े-बड़े दावे करने वाले बीआरएस के नेताओं से पूछ रहा हूं : आपने अब तक क्या किया है? आपने अपनी आवाज क्यों नहीं उठाई?' उन्होंने कहा कि कांग्रेस को इस बात की चिंता नहीं है कि बीआरएस का भाजपा में विलय होगा या नहीं, लेकिन केसीआर (के चंद्रशेखर राव) को सेबी मामले में अपने रुख का खुलासा करना चाहिए. रेड्डी ने पूछा कि बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव इस मुद्दे पर जवाब क्यों नहीं दे रहे हैं.

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बोले- राजस्थान में सरकार नाम की कोई चीज नहीं है

कांग्रेस की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने राज्य की भाजपा सरकार पर कटाक्ष करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि 'राजस्थान में सरकार नाम की कोई चीज नहीं है.' डोटासरा कांग्रेस की ओर से जयपुर में आयोजित 'अदाणी महाघोटाले में जेपीसी जांच की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन' को संबोधित कर रहे थे. डोटासरा ने कहा, 'राजस्थान में सरकार नाम की चीज नहीं रह गई... एक ही बात कही जाती है कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यों की जांच कर रहे हैं.' उन्होंने कहा, 'बेशक सरकार जांच करें, गलत कार्य करने वालों को जेल में डाले, किन्तु मात्र भाषण से काम नहीं चलेगा, क्योंकि राजस्थान की जनता ने पांच साल सरकार चलाने का जिम्मा भाजपा के द्वारा किए गए वादों पर विश्वास कर दिया है.' उन्होंने कहा कि आज राजस्थान में भी भाजपा सरकार की अजीब स्थिति है, मुख्यमंत्री की मंत्री नहीं मानते, मंत्रियों की विधायक नहीं सुन रहे, विधायकों की जनता नहीं मान रही.

न्यूज अपडेट

सेना के आलोचक यूट्यूबर गिरफ्तार

लाहौर। पाकिस्तानी सेना के कट्टर आलोचक यूट्यूबर जाने-माने राजनीतिक टिप्पणीकार ओर्या मकबूल जान को पंजाब प्रांत में कथित तौर पर 'धार्मिक नफरत' फैलाने और सोशल मीडिया पर 'संस्थाओं विशेषकर सेना को बदनाम करने' के आरोप में गिरफ्तार किया गया है. इसस पहले खुफिया एजेंसियों ने यूट्यूबर एवं हास्य कलाकार का शहबाज शरीफ का अपहरण कर लिया था.

लाल सागर में 29 नाविकों को बचाया

दुबई। लाल सागर में संदिग्ध हूती विद्रोहियों द्वारा किए गए सिलसिलेवार हमले में क्षतिग्रस्त तेल टैंकर पर सवार 29 नाविकों को यूरोपीय संघ मिशन के तहत एक फ्रांसीसी विध्वंसक पोत ने बचा लिया है. साथ ही इलाके में बम ले जाने वाली एक ड्रोन नौका को भी नष्ट कर दिया. अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी. यमन के हूती विद्रोहियों पर यूनान के इस टैंकर 'सोयूनियन' पर हमला करने का संदेह है.

श्रीलंका में चुनाव कराने का आदेश

कोलंबो। नागरिकों के मूल अधिकारों के हनन को लेकर श्रीलंका सरकार की आलोचना करते हुए, देश के उच्चतम न्यायालय ने उसे स्थानीय परिषद चुनाव जल्द से जल्द कराने का आदेश दिया है. न्यायालय की पांच सदस्यीय पीठ ने विपक्ष और नागरिक समाज समूहों द्वारा दायर चार याचिकाओं के जवाब में यह फैसला सुनाया. पिछले साल की शुरुआत से 340 से अधिक स्थानीय परिषदों के चुनाव टाले गए हैं.

ब्राजील नागरिकों का प्रवेश रोकेगा

साओ पाउलो। ब्राजील एशिया के ऐसे नागरिकों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने जा रहा है जो अमेरिका और कनाडा में प्रवास करने के लिए इस दक्षिण अमेरिकी देश का उपयोग करते हैं. यहां के न्याय मंत्रालय के प्रेस कार्यालय ने बुधवार को यह जानकारी दी. एक आधिकारिक दस्तावेज के मुताबिक, हवाईअड्डे पर शरण के लिए 70 प्रतिशत से अधिक अनुरोध भारतीय, नेपाली या वियतनामी राष्ट्रीयता वाले लोगों से आते हैं.

खदान से मिला 2,492 कैरेट का हीरा

गाबोरोने (बोत्सवाना)। बोत्सवाना ने दावा किया है कि अब तक का सबसे बड़ा हीरा उसकी एक खदान से प्राप्त हुआ है और बृहस्पतिवार को इसे सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित किया जाएगा. बोत्सवाना की सरकार का मानना है कि 2,492 कैरेट का यह विशाल रत्न देश में खोजा गया सबसे बड़ा प्राकृतिक हीरा और किसी खदान से निकाला गया दूसरा सबसे बड़ा रत्न है.

दुकान पर पलटा टैंकर, पांच की मौत

बरहामपुर। ओडिशा के गंजाम जिले में बृहस्पतिवार सुबह बस से आमने-सामने की टक्कर के बाद एक टैंकर सड़क किनारे बनी चाय की दुकान पर पलट गया जिससे पांच लोगों की मौत हो गई और 12 व्यक्ति घायल हो गए. पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना हिंजिली के पास समरझोला में राष्ट्रीय राजमार्ग 59 पर हुई. चार व्यक्तियों की मौके पर ही मौत हो गई थी जबकि एक अन्य व्यक्ति ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया.

बस खाई में गिरने से छह की मौत

लेह। लद्दाख के लेह जिले में एक बस के सड़क से 200 फुट गहरी खाई में गिरने से छह लोगों की मौत हो गई और 22 अन्य घायल हो गए. लेह के उपायुक्त संतोष सुखदेव ने बताया कि बस में एक स्कूल के कर्मचारी थे जो एक विवाह समारोह में जा रहे थे. इस दौरान दुर्बुक इलाके में बस खाई में गिर गई. जिला प्रशासन और पुलिस कर्मियों ने घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका प्राथमिक उपचार किया गया.

संजय सिंह मामले में आदेश सुरक्षित

लखनऊ। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने वर्ष 2001 में सड़क पर विरोध प्रदर्शन के एक मामले में आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह की जमानत याचिका पर अपना आदेश बृहस्पतिवार को सुरक्षित रख लिया. अदालत ने बुधवार को कहा था कि जमानत याचिका पर आदेश आने तक संजय सिंह को सुल्तानपुर अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण करने की जरूरत नहीं है.

रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में पेश करे

कोच्चि। केरल उच्च न्यायालय ने गुरुवार को राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह मलयालम फिल्म उद्योग में महिलाओं के उत्पीड़न से जुड़ी हेमा समिति की रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में पेश करे. पीठ ने यह निर्देश जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया. याचिका में दावा किया गया है कि रिपोर्ट में गंभीर आरोप हैं. उच्च न्यायालय ने सरकार को जवाबी हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया.

जेल तोड़ने का साजिशकर्ता प्रत्यर्पित

चंडीगढ़। पंजाब में नाभा जेल तोड़ने के मुख्य साजिशकर्ता रमनजीत सिंह को हांगकांग के अधिकारियों ने प्रत्यर्पित कर दिया है. अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि रमनजीत सिंह उर्फ रोमी को पंजाब पुलिस की एक टीम द्वारा भारत लाया जा रहा है. उन्होंने बताया कि रोमी नाभा जेल तोड़ने के मामले में मुख्य साजिशकर्ता था.

कानून में बदलाव को लेकर पुलिस-प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़प

इंडोनेशिया में छात्रों ने बोला संसद पर धावा

एजेंसी। जकार्ता

इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में संवैधानिक अदालत के फैसले को पलटने के सरकार के प्रयास के विरोध में हजारों लोगों ने प्रदर्शन किया, जिसके बाद पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हुई. प्रदर्शन के दौरान संसद के बाहर अराजकता देखने को मिली, यहां कुछ प्रदर्शनकारियों ने गेट तोड़ने की कोशिश की, जबकि अन्य लोग शांति की अपील कर रहे थे. अन्य प्रमुख शहरों जैसे- पड़ांग, बांडुंग और योग्याकार्ता में भी प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हुई.

पर्यवेक्षकों का कहना है कि राष्ट्रपति के समर्थकों का वर्चस्व वाली इंडोनेशिया की संसद और देश की संवैधानिक अदालत के बीच सत्ता संघर्ष एक राजनीतिक संकट को जन्म दे सकता है. बुधवार को इंडोनेशिया की शीर्ष अदालत ने फैसला सुनाया कि किसी उम्मीदवार को चुनाव में उतारने के लिए पार्टियों को क्षेत्रीय विधानसभाओं में न्यूनतम 20 प्रतिशत प्रतिनिधित्व की आवश्यकता नहीं है. इसके 24 घंटे के भीतर संसद ने इस फैसले को पलटने के लिए एक आपातकालीन प्रस्ताव पेश किया. हालांकि, संसद में पर्याप्त सांसदों की मौजूदगी नहीं होने के चलते गुरुवार को मतदान स्थगित कर दिया गया. यदि यह प्रस्ताव पारित हो जाता है तो यह निवर्तमान राष्ट्रपति जोको "जोकोवी" विदोदो और उनके उत्तराधिकारी प्रबोवो सुबियांतो के लिए सहूलियत भरा होगा. इससे कई स्थानीय चुनावों के निर्विरोध होने की उम्मीद है.

बदलापुर यौन उत्पीड़न के विरोध में प्रदर्शन पर शिंदे के बयान पर उद्धव का निशाना

मुंबई। शिव सेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने बृहस्पतिवार को यह कहते हुए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर निशाना साधा कि एक स्कूल की दो बच्चियों के कथित यौन उत्पीड़न को लेकर मंगलवार को बदलापुर में हुए प्रदर्शन के पीछे जो लोग राजनीति देख रहे हैं, वे या तो असामान्य हैं या फिर दोषियों के संरक्षक हैं. ठाकरे की यह प्रतिक्रिया मुख्यमंत्री शिंदे के उस दावे के मद्देनजर आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि बदलापुर का विरोध राजनीति से प्रेरित था और ज्यादातर प्रदर्शनकारी बाहर से आए थे. उन्होंने कहा कि विपक्षी धड़े महा विकास आघाडी (एमवीए) द्वारा 24 अगस्त को बुलाए गए बंद के पीछे कोई राजनीतिक मंशा नहीं है.

रूस के सैन्य ठिकाने पर ड्रोन से हमला

एजेंसी। कीव

रूस के दक्षिणी हिस्से वोल्गोग्राद क्षेत्र में स्थित एक सैन्य ठिकाने पर बृहस्पतिवार को ड्रोन से हमला किया गया जिसके बाद वहां आग लग गई. रूस के रक्षा मंत्रालय और स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी. वोल्गोग्राद के गवर्नर आंद्रेई बोचारोव ने सोशल मीडिया मंच 'टेलीग्राम' पर कहा कि मारिनोवका के इलाके में ड्रोन से हमला किए जाने के बाद एक सैन्य ठिकाने में आग लग गई, हालांकि इसमें किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है.

बोचारोव ने यह नहीं बताया कि इस ड्रोन हमले से क्या नुकसान हुआ, लेकिन रूस के कई टेलीग्राम चैनल ने बताया कि ओक्त्यबर्स्की गांव में मारिनोवका के पास स्थित सैन्य हवाई अड्डे पर ड्रोन से हमला करने का प्रयास किया गया. यूक्रेन ने रूस के दक्षिणी क्षेत्र में हुए इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन रूस में यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब यूक्रेन ने रूस में अपने हमले तेज कर दिए हैं. यूक्रेन ने हाल ही में रूस के कुर्स्क क्षेत्र में हमला किया और बुधवार को मॉस्को को ड्रोन से निशाना बनाने की कोशिश की गई थी. मॉस्को के महापौर ने इन हमलों को यूक्रेन के अब तक के सबसे बड़े हमले करार दिया.

चीनी प्रधानमंत्री से मिले पुतिन

मॉस्को। कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेन के हमलों के बीच राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने चीन के प्रधानमंत्री ली क्विंग से बुधवार को मुलाकात की और दोनों देशों के बीच मजबूत होते व्यापारिक संबंधों की सराहना की. पुतिन ने रूस के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास 'क्रेमलिन' में हुई बैठक के दौरान कहा, 'हमारे व्यापारिक संबंध सफलतापूर्वक विकसित हो रहे हैं... दोनों देशों की सरकारें व्यापार और आर्थिक संबंधों पर ध्यान केंद्रित रही हैं और उसके परिणाम सामने आ रहे हैं.' उन्होंने कहा कि रूस और चीन ने आर्थिक और अन्य परियोजनाओं के लिए 'बड़े पैमाने पर योजनाएं' बनाई हैं.

सेहत की बात ऑस्ट्रेलिया के एक अध्ययन में 60 वर्ष से अधिक उम्र के 5,40,000 से अधिक लोगों को शामिल किया गया

उच्च रक्त चाप, दिल के दौरे और स्ट्रोक के खतरे को बढ़ाता है 'कब्ज'

लगातार न्यूज नेटवर्क

अगर आप गूगल पर "कब्ज" और "दिल का दौरा" जैसे शब्दों के बारे में जानकारी हासिल करना चाहेंगे तो एल्विस प्रेस्ली का नाम सामने आने में ज्यादा समय नहीं लगेगा. एल्विस को लंबे समय से पुरानी कब्ज की शिकायत थी और ऐसा माना जाता है कि वह मलत्याग करने के लिए बहुत जोर लगा रहा था, जिसके बाद उसे घातक दिल का दौरा पड़ा. हम नहीं जानते कि 1977 में तथाकथित किंग ऑफ रॉक "एन" रोल के साथ वास्तव में क्या हुआ था. उनकी मृत्यु में संभवतः कई योगदान कारक थे, और यह सिद्धांत कई में से एक है, लेकिन इस प्रसिद्ध मामले के बाद शोधकर्ताओं ने कब्ज और दिल के दौरे के जोखिम के बीच संबंध में गहरी दिलचस्पी ली. इसमें ऑस्ट्रेलियाई शोधकर्ताओं के नेतृत्व में एक हालिया अध्ययन शामिल है जिसमें हजारों लोगों का डेटा लिया गया है.

क्या कब्ज और दिल का दौरा एक दूसरे से जुड़े हुए हैं? बड़ी आबादी के अध्ययन से पता चलता है कि कब्ज दिल के दौरे के बढ़ते जोखिम से जुड़ा हुआ है. उदाहरण के लिए, ऑस्ट्रेलिया के एक अध्ययन में 60 वर्ष से अधिक उम्र के 540,000 से अधिक लोगों को शामिल किया गया, जिन्हें विभिन्न स्थितियों के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया. इसमें पाया गया कि कब्ज वाले मरीजों में उसी उम्र के गैर-कब्ज वाले मरीजों की तुलना में उच्च रक्तचाप, दिल के दौरे और स्ट्रोक का खतरा अधिक था. अस्पतालों और अस्पताल के आउट पेशेंट क्लीनिकों के 900,000 से अधिक लोगों पर किए गए एक डेनिश अध्ययन में यह भी पाया गया कि जिन लोगों को कब्ज था, उनमें दिल के दौरे और स्ट्रोक का खतरा बढ़ गया था. हालांकि, यह स्पष्ट नहीं था कि क्या कब्ज और दिल के दौरे और स्ट्रोक के बढ़ते जोखिम के बीच यह संबंध अस्पताल के बाहर स्वस्थ लोगों के लिए सही होगा. इन ऑस्ट्रेलियाई और डेनिश अध्ययनों में उच्च रक्तचाप के इलाज के लिए उपयोग की जाने वाली दवाओं के प्रभावों को भी शामिल नहीं किया गया, जिससे आपको कब्ज़ हो सकता है. **(द कन्वरसेशन)**

इस नये अध्ययन के बारे में क्या ख्याल है?

मोनाश विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के नेतृत्व में हाल ही में किए गए अंतरराष्ट्रीय अध्ययन में कब्ज और सामान्य आबादी में दिल के दौरे, स्ट्रोक और हार्ट फेल होने के बढ़ते जोखिम के बीच संबंध पाया गया है. शोधकर्ताओं ने यूके बायोबैंक के डेटा का विश्लेषण किया, जो यूनाइटेड किंगडम में लगभग पांच लाख लोगों की स्वास्थ्य संबंधी जानकारी का एक डेटाबेस है. शोधकर्ताओं ने कब्ज के 23,000 से अधिक मामलों की पहचान की और उच्च रक्तचाप के इलाज के लिए दवाओं के प्रभाव का हिसाब लगाया, जिससे कब्ज हो सकता है. कब्ज से पीड़ित लोगों (मेडिकल रिकॉर्ड या प्रश्नावली के माध्यम से पहचाने गए) में बिना कब्ज वाले लोगों की तुलना में दिल का दौरा, स्ट्रोक या हार्ट फेल होने की संभावना दोगुनी थी. शोधकर्ताओं ने उच्च रक्तचाप और कब्ज के बीच एक मजबूत संबंध पाया. उच्च रक्तचाप से पीड़ित जिन व्यक्तियों को कब्ज की भी शिकायत थी, उनमें केवल उच्च रक्तचाप वाले लोगों की तुलना में हृदय संबंधी किसी बड़ी घटना का जोखिम 34 प्रतिशत अधिक था.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)